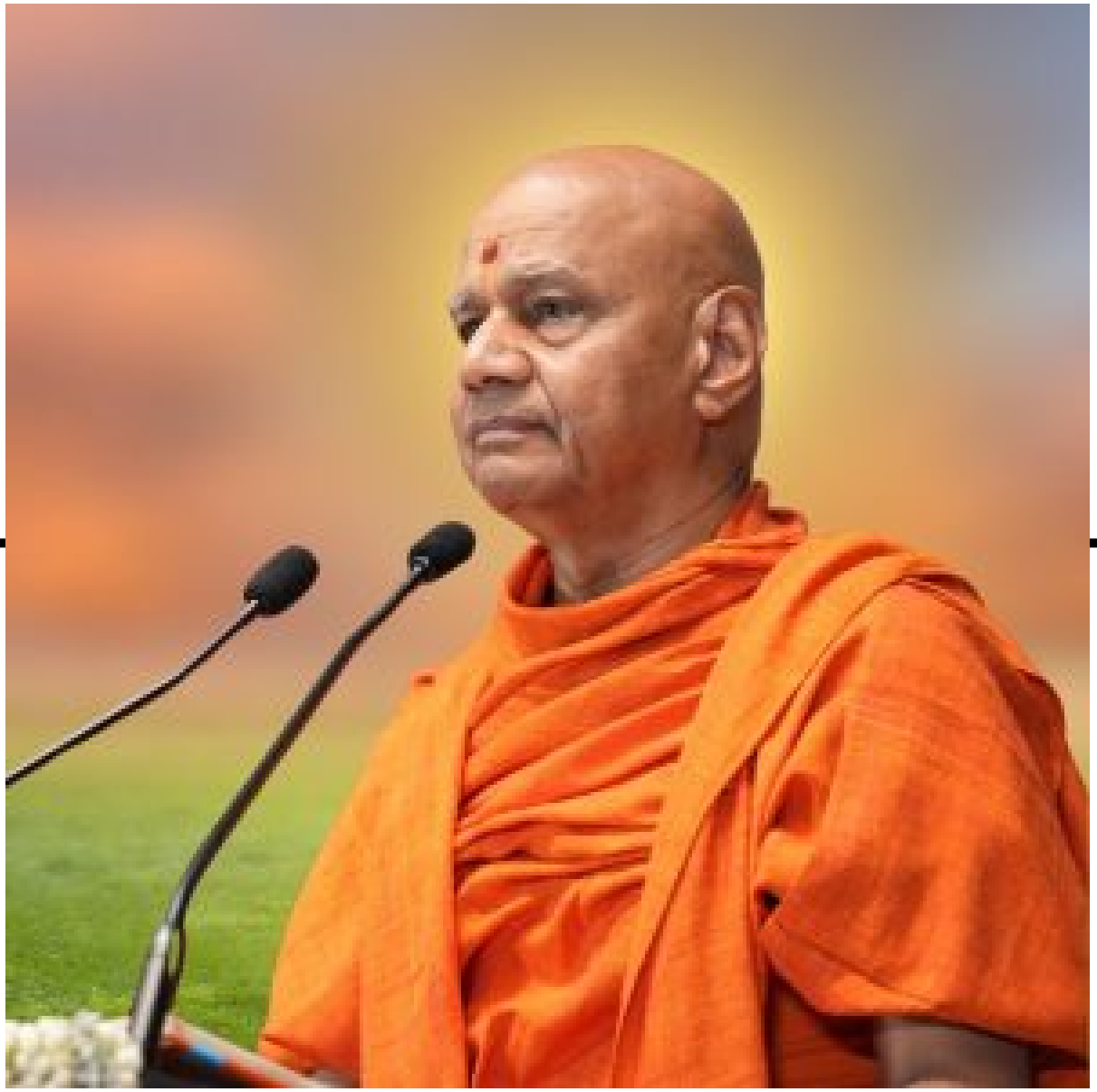

गीता मैत्री
JULY - DECEMBER 2024
गीता परिवार
LEARN GEETA
तस्मात् योगी भवार्जुन

- Front Page
- अनुक्रमणिका
- सन्त वाणी
- अव्यक्त से व्यक्त की ओर: आध्यात्मिक दृष्टिकोण
- सम्पादकीय – साधु समाज प्रयाग
- विभिन्न बैचों का शुभारम्भ समारोह
- आओ गीता सेवी बनें
- गीता चिंतनिका सत्र: एक अद्भुत आध्यात्मिक यात्रा
- गीता जयन्ती महोत्सव – ऑफलाइन कार्यक्रम
- गीता जयन्ती महोत्सव – ऑनलाइन कार्यक्रम
- ಬೆಂಗಳೂರಿನಲ್ಲಿ ನಡೆದ ಸ್ನೇಹ ಮಿಲನ -೨
- ଘରେ ଘରେ ଗୀତା – ପ୍ରତିକରେ ଗୀତା
- ಗೀತಾಪರಿವಾರವೆಂಬ ಚೈತನ್ಯದ ಚಿಲುಮೆ
- ଗୀତା ପରିବାର”ର ସୈତେ ହୋଇ ମୋର ମଧୁର ଅଭିଜ୍ଞତା
- ગીતાજી અને ગીતા પરિવાર સંગે જીવન પરિવર્તન
- ഭഗവത്ഗീതയുടെ പ്രാധാന്യം
- गीता परिवारमा आवद्धताः एक विशेष अनुभव
- गीता अमूल्य ज्ञान जो ख़ज़ानो
- ଘରେ ଘରେ ଗୀତା – ପ୍ରତିକରେ ଗୀତା
- लर्नगीता कार्यक्रम, गीता परिवार और श्रीमद्भगवद्गीता एक अद्वितीय अनुभव
- నా జీవితం భగవద్గీతా కంటే ముందు మరియు ఆ తరువాత
- Soulful Stanzas – Collection of poetries
- गीता चित्रांजलि
- Volunteer’s Brigade
- गीताव्रती साधक सूची
- गीता विचक्षण साधक सूची

- आँकड़ों की नजर में....
- Back Page
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) – 1
- Kumbh Mela Locations
- Find The Words Related to Ramayana
- Memory Game 1
- Find The Words Related to BhagavadGeeta
- Bhagavad Gita Quest: A Crossword of Wisdom
- Information Page
- श्रद्धांजली



प. पू. स्वामी श्रीगोविन्ददेव गिरिजी महाराज

(अध्यक्ष, गीता परिवार व कोषाध्यक्ष, श्रीरामजन्मभूमि न्यास)

मनुष्य इस सृष्टि में निवास करता है, और यह निवास उसके लिए सुखदायक, हितकारी तथा दीर्घकालीन होना चाहिए। "मैं हूँ" इसे **व्यष्टि** कहते हैं, लेकिन "मैं समाज का अंश हूँ" इसे **समष्टि** कहते हैं। मनुष्य केवल एक व्यक्ति नहीं है, बल्कि समाज का अभिन्न अंग है। इसलिए, उसे केवल अपने स्वार्थ को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को भी समझते हुए कार्य करना चाहिए। जिस समाज में हमने जन्म लिया, जहाँ हमारा विकास हुआ, उस समाज के प्रति हमारा दायित्व है कि हम उसका भी भला सोचें। इसी प्रकार, प्रकृति – यह सृष्टि, जल, पशु, वनस्पति, आकाश आदि – हमारे साथ गहराई से जुड़े हुए हैं। अतः हमें अपने आचरण में प्रकृति और पर्यावरण का भी विचार करना चाहिए। यह सम्पूर्ण सृष्टि एक दिव्य शक्ति से निर्मित हुई है। इसे हम किसी भी नाम से पुकार सकते हैं या बिना नाम के भी स्वीकार कर सकते हैं – **'call it by any name or by no name'**। भारतीय संस्कृति में इसे विभिन्न नामों से जाना जाता है – जैसे ब्रह्म, परमात्मा, भगवान। यह सृष्टि **चैतन्य** से अस्तित्व में आई है, और हमारे जीवन का उद्देश्य इस चेतना से जुड़ाव रखना है। भगवान के किसी एक रूप को सीमित करने का आग्रह करना आवश्यक नहीं है, क्योंकि यह शक्ति अनंत और सार्वभौमिक है। यह वही शक्ति है, जिससे हम उत्पन्न हुए हैं और जिसमें अंततः विलीन हो जाते हैं। अंग्रेजी में "गॉड" (GOD) को इस प्रकार परिभाषित किया जाता है:

- **G**: Generation (सृष्टि का निर्माण)

- **O**: Operation (सृष्टि का संचालन)
- **D**: Destruction (सृष्टि का विलय)

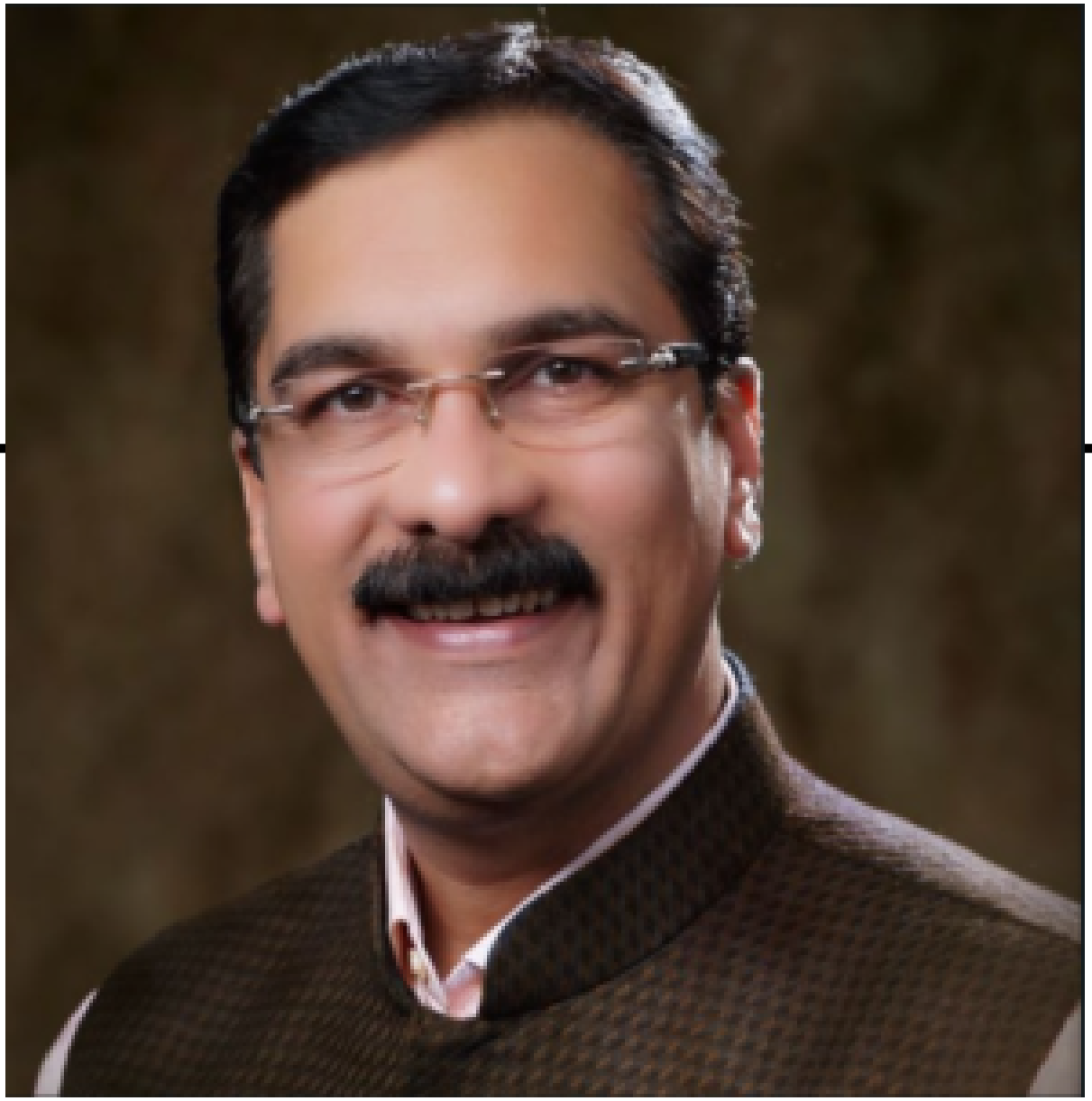
यह शक्ति सृष्टि का निर्माण, संचालन और संहार करती है। इसे नाम दें या न दें, इससे कोई अंतर नहीं पड़ता। **रामकृष्ण परमहंस** ने कहा है, "आप पानी को वाटर कहें, जल कहें या तोय कहें, उसमें कोई परिवर्तन नहीं आता।" सत्य एक ही है, लेकिन विद्वान इसे अपने-अपने दृष्टिकोण से व्यक्त करते हैं – **"एकं सत विप्रा बहुधा वदन्ति"।**

वेदों में भी इस दिव्य शक्ति के बारे में कहा गया है:

"यतो वा इमानि भूतानि जायन्ते। येन जातानि जीवन्ति। यत्प्रयन्त्यभिसंविशन्ति। तद्विजिज्ञासस्व। तद्ब्रह्मेति।"

अर्थात, "जिससे सभी प्राणियों का जन्म होता है, जिसके द्वारा वे जीवित रहते हैं, और जिसमें अंततः विलीन हो जाते हैं, वही ब्रह्म है।"

धर्म कोई मत, संप्रदाय या रूढ़िवादी विचार नहीं है। यह पूर्णतः वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित है। धर्म का उद्देश्य है संतुलन बनाए रखना – मनुष्य, समाज और प्रकृति के बीच। यदि धर्म को विद्या, शिक्षा और ज्ञान के साथ जोड़ा जाए, तो न केवल हमारा व्यक्तिगत जीवन सफल होगा, बल्कि समाज और पर्यावरण भी सुखी और समृद्ध होंगे। अत: कहा गया – **"विद्या धर्मेण शोभते।"**
भगवद्गीता में इस संतुलन को बनाए रखने का विशेष आग्रह किया गया है। यह संतुलन मनुष्य, समाज और प्रकृति के बीच आवश्यक है। जब हम अपने जीवन में इसे अपनाते हैं, तो दीर्घकालीन सुख और व्यवस्था संभव होती है।
इन विचारों के आधार पर, संस्कार, शिक्षा और प्रेरणा को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। यह न केवल हमें, बल्कि हमारे समाज और आने वाली पीढ़ियों को भी सुदृढ़ और संतुलित जीवन जीने की दिशा में प्रेरित करेगा।



डॉ. संजय जी मालपाणी

राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, गीता परिवार

अव्यक्त से व्यक्त होने की प्रक्रिया एक गूढ़ आध्यात्मिक विषय है, जो ध्यान, भक्ति और आत्मसंयम के माध्यम से स्पष्ट होती है। शास्त्रों के अनुसार, जो जीव अपनी इन्द्रियों को वश में कर लेते हैं और समस्त प्राणियों के प्रति समभाव रखते हैं, वे परम् सत्य की निराकार कल्पना को अपनाकर अव्यक्त की सम्पूर्णता सहित उसकी अर्चना करते हैं। यह अव्यक्त तत्व, जो इन्द्रियों की अनुभूति से परे, सर्वव्यापी, अकल्पनीय, अपरिवर्तनीय, अचल तथा ध्रुव है, उसकी भक्ति ही जीवन का परम लक्ष्य होना चाहिए।

परमेश्वर के सगुण उपासक हों या निर्गुण, दोनों ही ईश्वर की उपासना करते हैं, किंतु कुछ लोग यह मानते हैं कि जब ईश्वर निराकार, परम सत्ता और सर्वव्यापी हैं, तो उनकी नित्य उपासना की आवश्यकता क्या है? परंतु यह विचार सर्वथा अनुचित है, क्योंकि ईश्वर सर्वशक्तिमान, सर्वव्यापक, और सर्वज्ञ हैं तथा उनका नित्य चिन्तन ही भक्तों के लिए अनिवार्य है। सच्चे मन से भक्ति करने वाले भक्त परमात्मा को अति प्रिय होते हैं।

भक्त प्रह्लाद का उदाहरण

भक्त प्रह्लाद की कथा इस तथ्य को स्पष्ट करती है कि भक्त और भगवान् के बीच का सम्बन्ध कितना प्रगाढ़ होता है। हिरण्यकश्यप, जो स्वयं को ईश्वर मान बैठा था, अपने पुत्र प्रह्लाद की भक्ति को सहन नहीं कर पाया और उस पर अनेक अत्याचार किए। किंतु भक्तवत्सल श्रीहरि ने भक्त के आह्वान पर नृसिंह अवतार लेकर अपने प्रिय भक्त की रक्षा की और अहंकारी हिरण्यकश्यप का अंत कर दिया। यह कथा यह सिद्ध करती है कि जब कोई भक्त अपनी इन्द्रियों को वश में कर लेता है और अव्यक्त परमात्मा की उपासना करता है, तो स्वयं ईश्वर उसकी रक्षा हेतु प्रकट हो जाते हैं।

समभाव एवं ईश्वरीय दृष्टि

सत्यभक्त वह है जो अपनी समस्त इन्द्रियों को संयमित कर, समस्त प्राणियों के प्रति समभाव रखता है और सम्पूर्ण चर-अचर संसार में भगवत् तत्व के दर्शन करता है। यदि कोई व्यक्ति प्रत्येक प्राणी में ईश्वर के दर्शन करने लगे, तो वह किसी से द्वेष, क्रोध या घृणा नहीं कर सकता। जो व्यक्ति बाह्य जगत् में ईश्वर की उपस्थिति स्पष्ट रूप से देखता है, वही वास्तव में सच्चे भक्त के रूप में स्वीकार्य होता है।

इसके विपरीत, जो व्यक्ति केवल यह दावा करता है कि वह समस्त जीवों में ईश्वर को देखता है, लेकिन व्यवहार में दूसरों से द्वेष रखता है, वह मात्र आडम्बर करता है। सच्ची भक्ति वह है जो समस्त प्राणियों के प्रति समानता, प्रेम और दयाभाव को प्रकट करे।

अव्यक्त से व्यक्त होने की प्रक्रिया केवल ज्ञान या तर्क से नहीं, बल्कि आत्मानुभूति और भक्ति से संभव है। जो व्यक्ति अपने हृदय में ईश्वर को बसाकर, सभी जीवों में समदृष्टि रखता है, वही वास्तव में ईश्वर का सच्चा भक्त है। अतः, नित्य ध्यान, आत्मसंयम और निष्कपट भक्ति द्वारा हम इस परम सत्य को अनुभव कर सकते हैं।

<!–



–>

डॉ. आशू जी गोयल

(अन्तरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, गीता परिवार एवं कार्यक्रम निदेशक, लर्नगीता)

“साधु समाज प्रयाग”

सुनि समुझहिं जन मुदित मन मज्जहिं अति अनुराग।
लहहिं चारि फल अछत तनु साधु समाज प्रयाग॥



डॉ. आशू जी गोयल

(अन्तरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, गीता परिवार एवं कार्यक्रम निदेशक, लर्नगीता)

"साधु समाज प्रयाग"

सुनि समुझहिं जन मुदित मन मज्जहिं अति अनुराग।
लहहिं चारि फल अछत तनु साधु समाज प्रयाग॥

जो व्यक्ति संत समाज रूपी तीर्थराज के प्रभाव को प्रसन्न मन से सुनते और समझते हैं तथा प्रेमपूर्वक इसमें गोते लगाते हैं, वे इस शरीर के रहते ही धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष—चारों फल प्राप्त कर लेते हैं।

एक ओर देवता और दूसरी ओर दैत्य और बीच में कुम्भ है अमृत का। यह समय था समुद्र मंथन का जो हम सभी को ज्ञात है। इस दिव्य मंथन से 14 रत्न निकलें। आरंभ में विष का कुम्भ निकला एवं पश्चात् अमृत का भी कुम्भ निकला। और ये दोनों ही कुम्भ मतभेद का कारण बनें। विष के लिये झगडा होता है कि यह किसे स्वीकारना होगा और अमृत के लिये झगडा हुआ कि यह किसे मिलेगा! विष का का स्वीकार हमारे भोलेनाथ ने किया एवं उसका झगड़ा शान्त हो गया किन्तु अब यह विष किसे मिलेगा यह द्वन्द्व अपने चरम पर पहुंचकर तांडव करने लगा। और आरम्भ हो गया देवताओं एवं दैत्यों के मध्य 12 वर्षों का महायुद्ध। वैसे तो द्युलोक में सम्पन्न यह युद्ध दिव्य वर्ष के अनुसार मात्र 12 दिन ही चला किन्तु देवताओं के बारह दिन मनुष्यों के बारह वर्षों के बराबर होते है अत: हमारे समय के अनुसार यह युद्ध बारह वर्षों तक चला और यही कारण बना प्रत्येक बारह वर्ष में एक बार महाकुम्भ मानाने का।
भारतीय संस्कृति में महाकुम्भ का विशेष स्थान है क्योकिं इसे मानाने के एक नहीं, दो नहीं बल्कि तीन मुख्य आकर्षण उत्त्पन्न करने वाले कारण मिलते हैं। एक तो देवताओं एवं दैत्यों के युद्ध के समय उसमे से कुछ बूँदें गिरती हैं जो बारह विभिन्न स्थानों में गिरती है जिनमे चार स्थान भूलोक पर हैं – प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक, अत एव यहाँ स्नान करने से उसी अमृत स्नान का भाव हमारे हृदय को श्रद्धा से पूर्ण कर देता है। दूसरा महत्त्व यह है कि जहाँ दो नदियों का मेल होता है उसे प्रयाग कहते हैं। उदाहरणस्वरूप:

अलकनंदा और धौलीगंगा = विष्णु प्रयाग
अलकनंदा और नंदाकिनी = नंद प्रयाग
अलकनंदा और पिंडरगंगा = कर्ण प्रयाग
अलकनंदा और मंदाकिनी = रुद्र प्रयाग
अलकनंदा और भागीरथी = देव प्रयाग

इसी प्रकार जब गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का संगम हुआ, तो इसे त्रिवेणी संगम या प्रयागराज कहा गया।
तुलसीदास जी से जब प्रयागराज के विषय में पूछा गया, तो उन्होंने कहा—सबसे बड़ा प्रयाग 'साधु समाज प्रयाग' है। यह वह प्रयाग है जहाँ विभिन्न संत एकत्र होते हैं। उन्होंने इसे गंगा, यमुना और सरस्वती की अद्भुत उपमा दी है।

मुद मंगलमय संत समाजू। जो जग जंगम तीरथराजू॥
राम भक्ति जहँ सुरसरि धारा। सरसइ ब्रह्म बिचार प्रचारा॥

संतों का समाज आनंद और कल्याण का स्रोत है, जो चलता-फिरता तीर्थराज (प्रयाग) है। इसमें रामभक्ति गंगा की धारा के समान शुद्ध और जीवनदायिनी है, जो आत्मा को निर्मल करती है। ब्रह्मविचार यहाँ सरस्वती के रूप में है, जो ज्ञान और चेतना का प्रवाह बनाता है। संतों का संग जीवन के पापों को हरकर परम शांति और मोक्ष का मार्ग दिखाता है। जहाँ संत एकत्र होते हैं, वहाँ ईश्वर की कृपा और आत्मिक आनंद स्वतः प्राप्त होता है।

बिधि निषेधमय कलिमल हरनी। करम कथा रबिनंदनि बरनी॥
हरि हर कथा बिराजति बेनी। सुनत सकल मुद मंगल देनी॥

यहाँ विधि और निषेध रूपी कर्मों की कथा यमुना के समान कलियुग के पापों को हरने वाली है। हरि और हर की दिव्य कथाएँ त्रिवेणी के रूप में शोभा बढ़ाती हैं। इन कथाओं को सुनने से मनुष्य के सभी दुःख और कष्ट दूर हो जाते हैं। ये कथाएँ आत्मा को शांति और हृदय को परम आनंद से भर देती हैं। संतों के संग में इन कथाओं का श्रवण जीवन में कल्याण और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है।

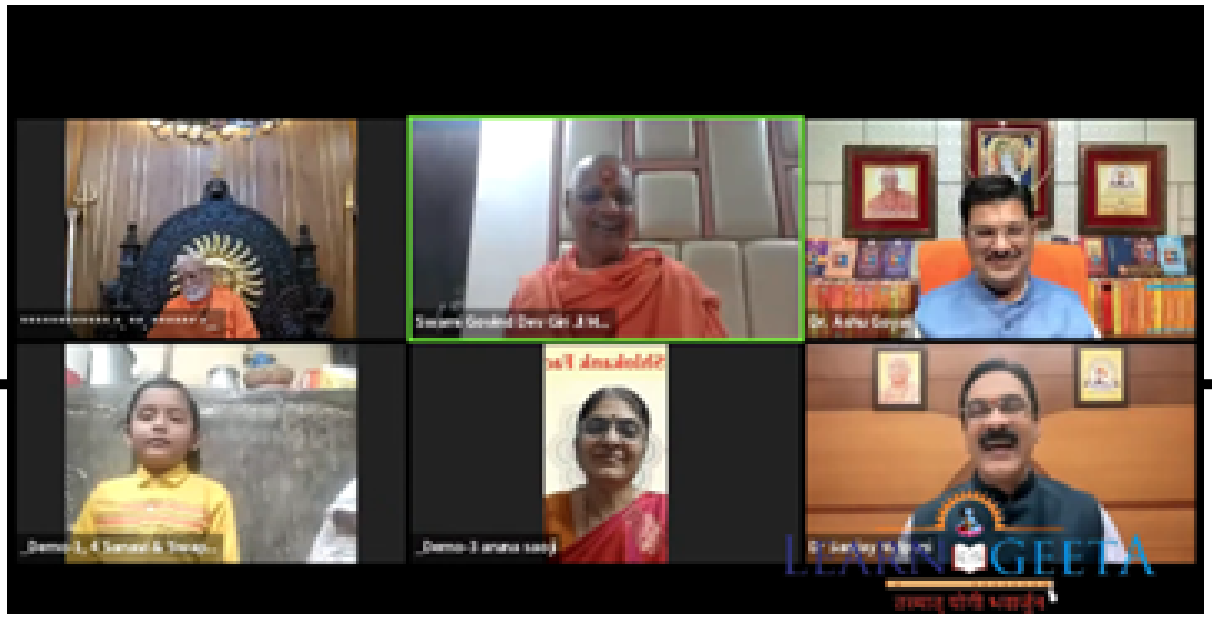
बटु बिस्वास अचल निज धरमा। तीरथराज समाज सुकरमा॥
सबहि सुलभ सब दिन सब देसा। सेवत सादर समन कलेसा॥

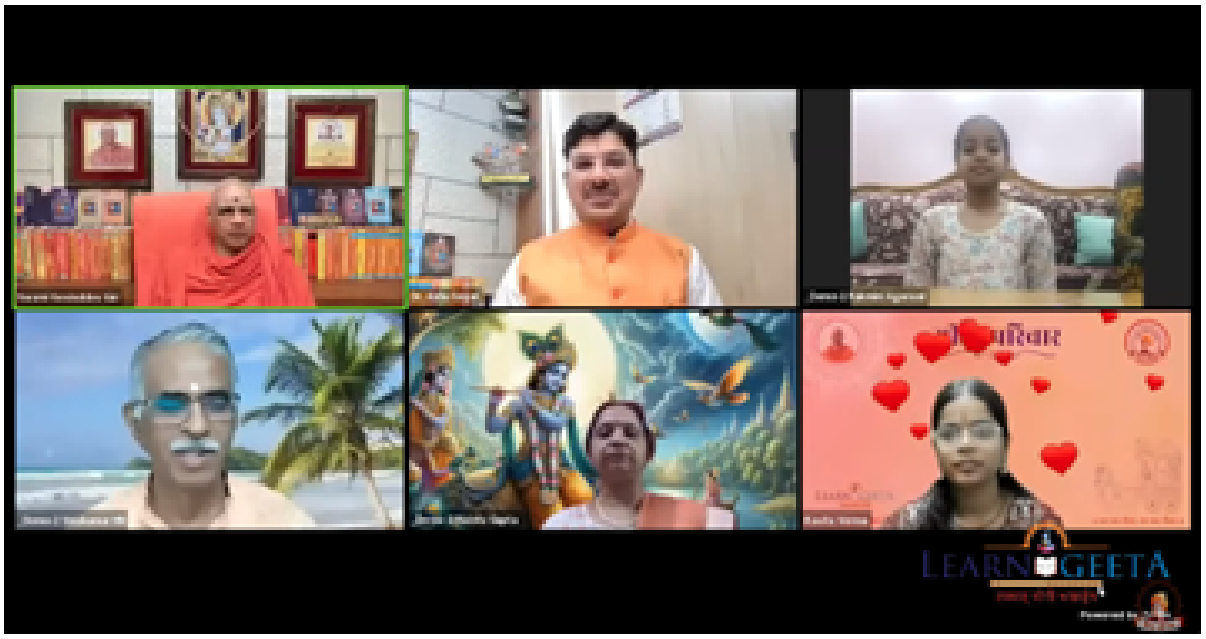
संत समाज रूपी प्रयाग में धर्म में अटल विश्वास अक्षयवट के समान है। शुभ कर्म इसके आधार हैं। यह समाज सभी के लिए हर समय और हर स्थान में सहज उपलब्ध है। इसे आदरपूर्वक अपनाने से सभी प्रकार के क्लेश दूर हो जाते हैं। यह प्रयाग चलता-फिरता तीर्थराज है। जहाँ संत हैं, वहीं प्रयाग है। कभी ये संत प्रयागराज में मिलते हैं, तो कभी आलंदी में, और कभी पुणे के धर्मश्री में। इनके सान्निध्य में मनुष्य कल्याण के मार्ग पर अग्रसर होता है। इससे बड़ा मनुष्य जीवन का सदुपयोग और कुछ नहीं हो सकता।
तुलसीदास जी भी कहते हैं:

मज्जन फल पेखिअ ततकाला। काक होहिं पिक बकउ मराला॥
सुनि आचरज करै जनि कोई। सतसंगति महिमा नहिं गोई॥

संत समाज रूपी तीर्थराज में स्नान का फल तुरंत प्राप्त होता है। यहाँ आत्मा का शुद्धिकरण ऐसा होता है कि कौए कोयल और बगुले हंस बन जाते हैं। यह रूपांतरण सत्संग की महिमा का प्रमाण है, जिसे कोई छिपा नहीं सकता। सत्संग आत्मा को शांति, विवेक और कल्याण का अनुभव कराता है। इसका प्रभाव इतना गहन और दिव्य है कि यह जीवन को उच्चतम उद्देश्य तक पहुँचा देता है। इस बार के गीता मैत्री के इस संस्करण में भी संतों के शुभ संकल्पों के महाकुंभ को विविध रूपों में समेटने का प्रयास किया गया है। यह संस्करण पूर्णतः ऑनलाइन उपलब्ध है, जिसमें मुख्य आकर्षण के रूप में किड्स कॉर्नर, चित्रांजलि, और साधकों के विभिन्न अनुभवों का संकलन प्रस्तुत किया गया है। हमें विश्वास है कि पाठकों को इसे पढ़कर अत्यंत आनंद और प्रेरणा प्राप्त होगी। आप भी अपने लेख, हाथ से बनाए गए चित्र, कविताएँ आदि अगले संस्करण में प्रकाशन हेतु newsletter.geetamaitri@gmail.com पर भेज सकते हैं।

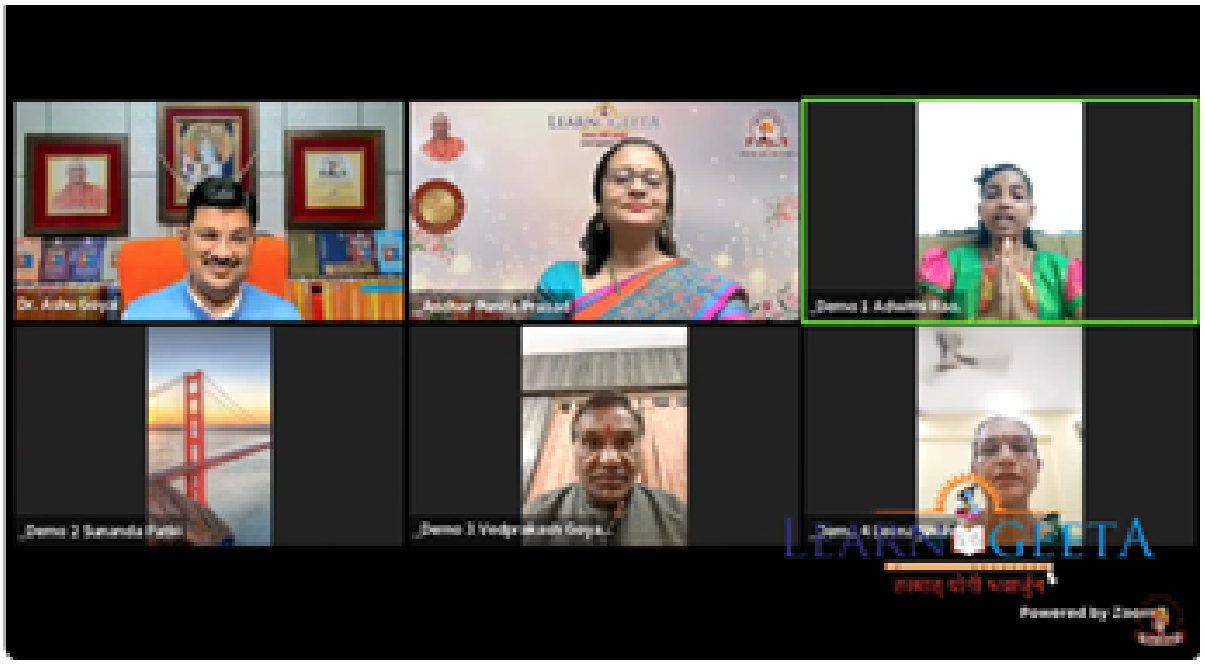
षण्मासिक शुभारम्भ समारोह (जुलाई 24 से दिसंबर 24 तक)






LEARN GEETA


LEARN GEETA
गीता कक्षा
शुभारम्भ समारोह
L4 Mar 24
लगभग 7,000 प्रशिक्षार्थियों का स्तर-4
(Level-4) के 13वें बैच में स्वागत समारोह
शुक्रवार, 29-नवंबर 2024, सायं 7:00 - 8:30 बजे तक
zoom
Meeting ID: 812 4937 7248 Password: 1
LEARN GEETA



शुभारम्भ की पावन वेला

"शुभ" शब्द मात्र से ही मन आनंदित हो उठता है। इसका तात्पर्य है—कल्याणकारी, मंगलमय, हितकर और भाग्यशाली। किसी कार्य का आरम्भ शुभ हो, तो वह आधा कार्य पूर्ण होने के समान माना जाता है। जैसा कि कहा गया है:

"Well begun is half done."

गीता परिवार में हर आरम्भ पारंपरिक पद्धति से, श्रद्धा और आत्मीयता से ओत-प्रोत होता है। गीता परिवार का नाम ही अपने आप में एक गहन आत्मीयता का प्रतीक है। भारत की कुटुंब व्यवस्था, जो पूरे विश्व के लिए जिज्ञासा और आकर्षण का विषय है, उसी भावना को गीता परिवार साकार करता है। परिवार का नाम लेते ही एक शांतिपूर्ण अनुभूति मन में जागृत होती है। जैसे सांझ बेला में थके-हारे पक्षी अपने घोंसलों में लौटते हैं, वैसे ही गीता परिवार के साधक वर्ग समयानुसार अपनी साधना और सेवा के इस परिवार में लौट आते हैं।

आरम्भ की विधि

प्रत्येक शुभारम्भ समारोह का शुभारम्भ गीता परिवार की परंपरा अनुसार ईशस्तवन से होता है। इसके पश्चात्, नवजीवन प्रदान करने वाले हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ वातावरण को ऊर्जा और उल्लास से भर देता है। अज्ञान के अंधकार को दूर करने और ज्ञान का प्रकाश फैलाने के लिए दीप प्रज्वलन की दिव्य परंपरा का निर्वहन होता है।

विशिष्ट सत्र और आशीर्वचन

सभी साधकों का स्वागत करते हुए आदरणीय आशू भैया अपने प्रेरणादायी उद्बोधन से सभी का मन मोह लेते हैं। प्रथम स्तर के साधक, श्रद्धेय स्वामी गोविन्ददेव गिरिजी महाराज के अमूल्य आशीर्वचनों से अभिषिक्त होते हैं। स्वामीजी के विचार और मार्गदर्शन साधकों के हृदय में ज्ञान, भक्ति और कर्मयोग की भावना को जागृत करते हैं।

समारोह में समय-समय पर विभिन्न संतों का सत्संग प्राप्त होता है। इसके साथ ही, गीता के महात्म्य को दर्शाने वाली नृत्य-नाटिकाओं का प्रदर्शन समारोह को अद्भुत और स्मरणीय बना देता है।

प्रेरक वक्तव्य

समारोह में आदरणीय संजय भैया मालपाणी और आशू भैया गोयल के प्रेरक शब्द साधकों के लिए अत्यंत प्रभावशाली रहते हैं। आदरणीय आशू भैया कहते हैं:
"मानव जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य प्राप्त करने और गीता के सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारने के लिए आप सभी को गीता परिवार ने चुना है। यह केवल एक संयोग नहीं, बल्कि गीता माता की कृपा है।"
आ. आशू भैया गीता के कर्म सिद्धांत को सरल और प्रभावी शब्दों में समझाते हुए कहते हैं कि मनुष्य योनि कर्म योनि है। यदि हम अपने कर्म को फल की आसक्ति से जोड़ने के बजाय कर्तव्य से जोड़ें, तो मानव जीवन सार्थक हो सकता है।

प्रात्यक्षिक और अनुभव साझा करना

शुभारम्भ समारोह का सबसे आकर्षक भाग गीताव्रती साधकों द्वारा गीता के श्लोकों का प्रात्यक्षिक प्रदर्शन है। ये प्रदर्शन न केवल प्रेरणादायक हैं, बल्कि नवागत साधकों के लिए एक दिशा-सूचक भी हैं। साधकों द्वारा साझा किए गए अनुभव अत्यंत भावनात्मक और प्रेरणादायक हैं। उनके शब्दों से यह स्पष्ट होता है कि गीता का अध्ययन न केवल मानसिक शांति प्रदान करता है, बल्कि शारीरिक व्याधियों से भी मुक्ति दिलाने में सहायक होता है।

समापन की पावन बेला

समारोह का समापन आभार प्रदर्शन और प्रार्थना के साथ होता है। हनुमान चालीसा का पाठ साधकों के मन को तृप्ति और संतोष प्रदान करता है। यह शुभारम्भ समारोह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि गीता के दिव्य संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का एक महायज्ञ है।

गीता परिवार की मंगलकामना

गीता परिवार के इस प्रयास को भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण का वाहक मानते हुए हम सभी साधकों की सेवा भावना और समर्पण को नमन करते हैं। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि यह परिवार इसी प्रकार धर्म, संस्कृति और मानवता की सेवा में आगे बढ़ता रहे।

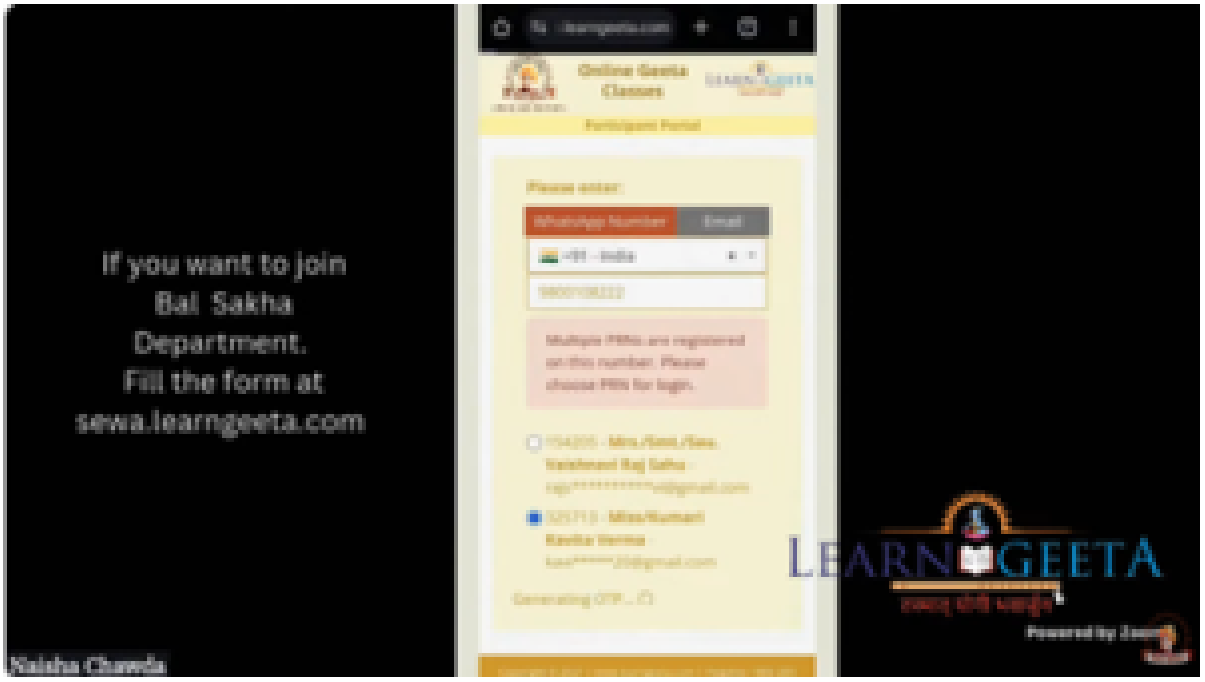
"यतो धर्मस्ततो जयः।"

"विभिन्न बैचों के आंकड़ें"

बैच	कुल समूह	कुल प्रशिक्षक	कुल तकनीकी सहायक	कुल समूह संचालक	कुल फॉर्वर्डिंग सेवी	कुल एलोकेशन एवं ट्रेनिंग सेवी
जुलाई-24 स्तर – 2	344	333	331	134		50
मार्च-24 स्तर – 3	282	277	278	104		50
जून-24 स्तर – 2	342	326	328	135	8	50

सितम्बर-24 स्तर – 4	172	98	79	32		50
अप्रैल-24 स्तर – 3	231	110	110	51		50
नंबर-24 स्तर – 4	129	64	63	25		50
जन-24 स्तर – 4	114	80	66	23		50
सितम्बर-24 स्तर 2	361	346	352	128	9	50
नवंबर-24 स्तर 1	409	404	403	280	14	50


LEARN GEETA


If you want to join
Bal Sakha
Department.
Fill the form at
sewa.learngeeta.com
Online Geeta Classes
LEARN GEETA





'A reward of Sewa is more Sewa'

स्वामीजी के इस प्रेरणास्पद ध्येय वाक्य को साकार करने के उद्देश्य से हमने गीता पढ़ना आरम्भ किया। किंतु गीता साधना का वास्तविक मार्ग सेवा से होकर गुजरता है। केवल गीता का अध्ययन करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि साधकों की सेवा करना, उन्हें गीता पढ़ने और आत्मसात करने में सहायता प्रदान करना भी गीता साधना का अभिन्न अंग है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए 'आओ गीता सेवी बनें' कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, जो लर्नगीता के L1 स्तर की कक्षाओं के दौरान संपन्न होता है।

कार्यक्रम की अवधारणा और संरचना

इस कार्यक्रम में लर्नगीता के प्रमुख ग्यारह विभागों का संक्षिप्त परिचय दिया जाता है। इनमें यह बताया जाता है कि इन विभागों से कैसे जुड़ा जाए, कार्य करने की समय-सीमा और विधि, शैक्षणिक उपलब्धियां, और प्रत्येक विभाग के मुख्य कार्य क्या हैं। कार्यक्रम हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में आयोजित किया जाता है, ताकि साधकों को उनकी सुविधा के अनुसार भाषा में इसे समझने का अवसर मिले। यदि कोई साधक दोनों भाषाओं का लाभ उठाना चाहे, तो उनके लिए यह कार्यक्रम अलग-अलग दिनों में आयोजित किया जाता है।

भाग लेने वाले विभाग

कार्यक्रम में प्रमुख विभागों को शामिल किया गया है, जैसे:
1. कॉलिंग और सहायता विभाग
2. तकनीकी विभाग
3. समूह समन्वयक विभाग
4. प्रवेश विभाग
5. रचनात्मक लेखन विभाग
6. ग्राफिक्स और एनीमेशन विभाग
7. सॉफ्टवेयर विकास विभाग
8. ऑफलाइन गीता स्टोर विभाग
9. बाल सखा विभाग
10. प्रचारक विभाग
11. प्रशिक्षक विभाग

इन सभी विभागों के कार्यकर्ता कार्यक्रम में उत्साह और समर्पण के साथ भाग लेते हैं।

कार्यक्रम का संचालन

हर कार्य के लिए एक टीम का गठन किया जाता है, जिसमें सभी की सहमति और समय की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए कार्यों का नियोजन किया जाता है। प्रत्येक विभाग के लिए एक समन्वयक नियुक्त किया जाता है, जो अपनी जिम्मेदारियों को प्रसन्नता और समर्पण के साथ निभाता है। हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में एक-एक प्रतिनिधि का चयन किया जाता है, जो कार्यक्रम के संचालन में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।
कार्यक्रम की शुरुआत एक स्क्रिप्ट के साथ होती है, जिसे प्रतिनिधियों द्वारा चुनी गई भाषा के अनुसार प्रस्तुत किया जाता है। स्क्रिप्ट पर विशेष टीम काम करती है और इसे अंतिम रूप देने के बाद ही कार्यक्रम के लिए उपयोग किया जाता है।

कार्यक्रम का आयोजन और उत्साहपूर्ण वातावरण

'आओ गीता सेवी बनें' के दिन की प्रतीक्षा सभी कार्यकर्ताओं और साधकों में उत्साह और रोमांच भर देती है। सूत्रधार पूरे कार्यक्रम को एकसूत्र में पिरोने का कार्य करते हैं। तकनीकी टीम अपने कौशल से कार्यक्रम को बिना किसी रुकावट के सफल बनाती है।
कार्यक्रम में आदरणीय आशू भैया और संजय भैया विशेष रूप से उपस्थित रहते हैं, जो साधकों का उत्साहवर्धन और मार्गदर्शन करते हैं। उनके प्रेरणास्पद शब्द साधकों के मन में सेवा के प्रति समर्पण की भावना को और अधिक सुदृढ़ करते हैं।

कार्यक्रम की सफलता और समर्पण

कार्यक्रम की सफलता के पीछे एडमिन टीम, विभाग समन्वयक, स्क्रिप्ट अप्रूवल टीम, तकनीकी टीम और विभाग प्रतिनिधियों सहित लगभग 55 से 60 कार्यकर्ताओं की निष्ठा और समर्पण होता है। कार्यक्रम के अंत में साधकों द्वारा भरे गए फॉर्म संबंधित समन्वयकों को सौंपे जाते हैं, और वहीं से साधकों को 'सेवी' बनाने की प्रक्रिया प्रारंभ होती है।

महायज्ञ में सहभागिता का आह्वान

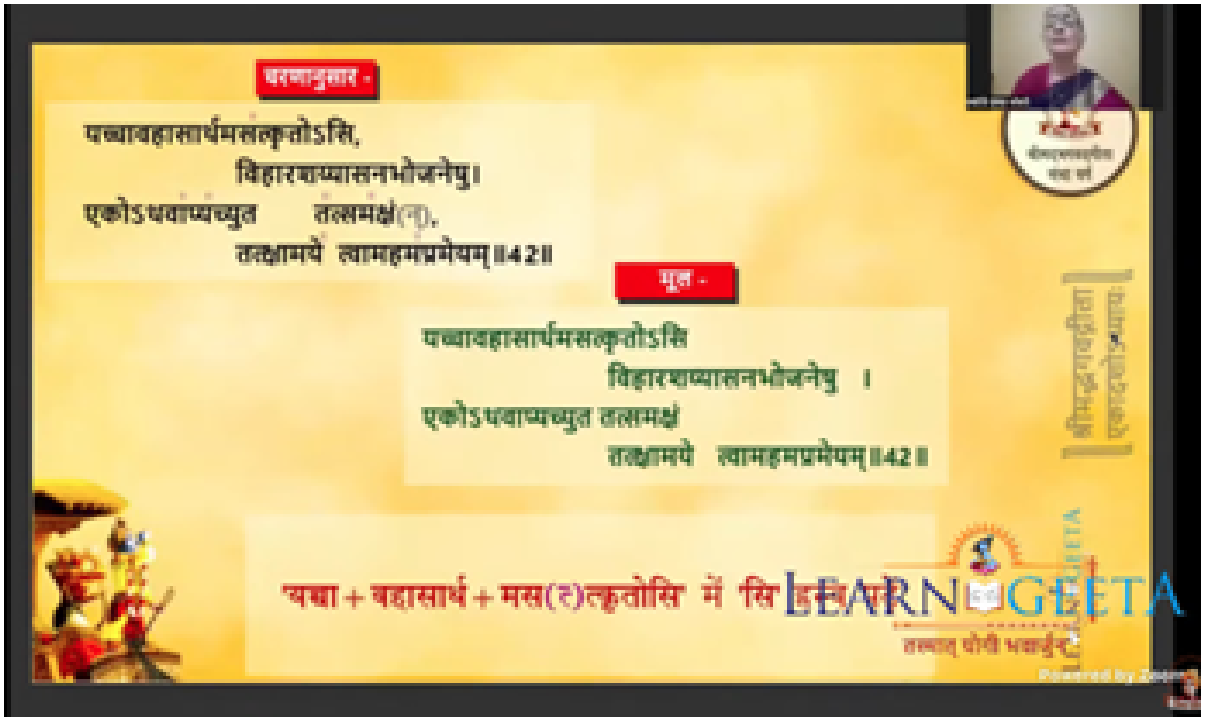
यह कार्यक्रम न केवल सेवा का एक साधन है, बल्कि गीता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का एक महायज्ञ भी है। भगवान श्रीकृष्ण के इस वचन को ध्यान में रखते हुए:

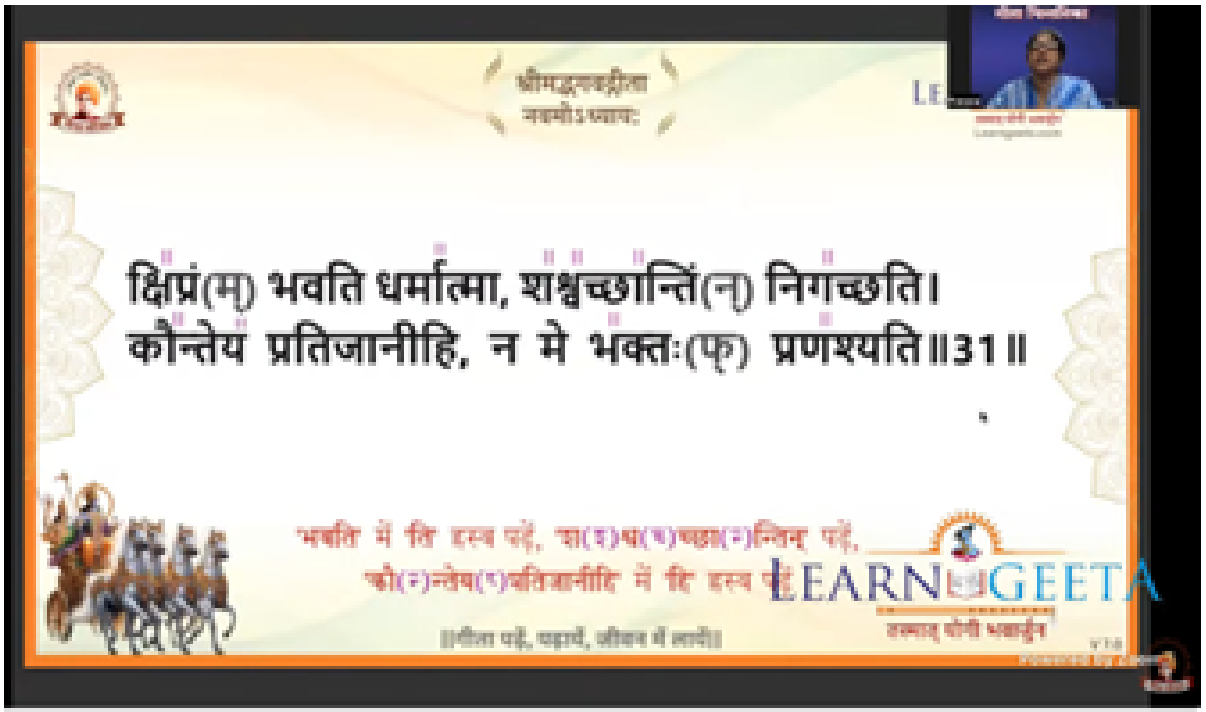
"य इमं परमं गुह्यमं, मद्भक्तेष्वभिधास्यति।
भक्तिं मयि परां कृत्वा, मामेवैष्यत्यसंशयः।।"

(जो भक्त इस गुप्त संवाद को मेरे अन्य भक्तों तक पहुंचाएगा, वह पराभक्ति प्राप्त कर निःसंदेह मुझ तक पहुंच जाएगा।)
यदि आप भी इस सेवा महायज्ञ का भाग बनना चाहते हैं और अपनी सेवा भगवान के चरणों में अर्पित करना चाहते हैं, तो आज ही अपना फॉर्म भरें:
sewa.learngeeta.com

आओ, गीता सेवी बनें और अपने जीवन को सेवा, साधना और समर्पण से परिपूर्ण करें।


LEARN GEETA
गीता चिन्तनिका
इस एकादशी तीन अध्यायों का क्रमशः पारायण व चिंतन
अध्याय : 10, 11, 12
रमा एकादशी : सोमवार, 28 अक्टूबर 2024
रात्रि 9:00 से 10:00 बजे तक
Live at: Learngeeta.com
zoom
Password:


शब्दानुसार -
पच्चावहासार्थमसत्कृतोऽसि,
विहारशय्यासनभोजनेषु।
एकोऽथवाप्यच्युत तत्समक्षं(न्),
तत्क्षामये त्वामहमप्रमेयम् ॥42॥
मूल -
पच्चावहासार्थमसत्कृतोऽसि
विहारशय्यासनभोजनेषु ।
एकोऽथवाप्यच्युत तत्समक्षं
तत्क्षामये त्वामहमप्रमेयम् ॥42॥
'यच्चा + वहासार्थ + मस(त्)कृतोसि' में 'सि' [illegible]
LEARN GEETA


श्रीमद्भगवद्गीता
नवमोऽध्यायः
क्षिप्रं(म्) भवति धर्मात्मा, शश्वच्छान्तिं(न्) निगच्छति।
कौन्तेय प्रतिजानीहि, न मे भक्तः(फ्) प्रणश्यति॥31॥
'भवति' में 'ति' इत्व पढ़ें, 'श(ए)श्व(च्)च्छश्(न्)न्ति' पढ़ें,
'कौ(न्)न्तेय(ए)प्रतिजानीहि' में 'हि' इत्व पढ़ें
LEARN GEETA
॥गीता पढ़ें, पढ़ायें, जीवन में लायें॥


गीता चिन्तनिका
LEARN GEETA



गीता चिंतनिका सत्र: एक अद्भुत आध्यात्मिक यात्रा

गीता परिवार द्वारा परम पूज्य स्वामी श्री गुरु गोविंद देवगिरिजी महाराज की प्रेरणा से आयोजित गीता चिंतनिका सत्र प्रत्येक एकादशी की रात्रि 9:00 बजे से 10:00 बजे तक ज़ूम के माध्यम से संपन्न होता है। इस सत्र का उद्देश्य है श्रीमद्भगवद्गीता का शुद्ध पाठ और गहन चिंतन, जिससे गीता के दिव्य ज्ञान को जन-जन तक पहुँचाया जा सके। गीता परिवार का यह प्रयास समग्र विश्व में आध्यात्मिक जागृति के दीप को प्रज्वलित करने हेतु किया गया है।

सत्र की संरचना और विशेषताएँ

गीता चिंतनिका सत्र में गीता जी के सम्पूर्ण 18 अध्यायों का पठन एवं चिंतन छह चरणों में विभाजित है। प्रत्येक एकादशी को तीन अध्यायों का पाठ और उन पर चिंतन किया जाता है। इस प्रकार, छह सत्रों के माध्यम से एक संपूर्ण पारायण (गीता का पूर्ण पाठ) संपन्न होता है।
इस सत्र की विशेषता यह है कि इसमें सेवा देने वाले सभी साधक गीताव्रती होते हैं। गीताव्रती वे साधक हैं जिन्होंने गीता जी को कंठस्थ किया है और परीक्षा के बाद यह विशेष उपाधि प्राप्त की है।

कार्यक्रम की संरचना

सत्र का आरंभ मंगलमय प्रार्थना और दीप प्रज्वलन से होता है। तत्पश्चात तीन अध्यायों का पाठ और उनका क्रमशः चिंतन किया जाता है। इन तीन अध्यायों में से एक अध्याय का चिंतन क्षेत्रीय भाषा में भी किया जाता है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों के भक्त इस ज्ञान को अपने हृदय में समाहित कर सकें। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन गीताव्रती साधक द्वारा किया जाता है, और सत्र का समापन भगवान की दिव्य आरती के साथ होता है।
जब प्रथम पारायण (प्रथम तीन अध्यायों का पठन और चिंतन) होता है, तब गीता विशारद साधक सभी का स्वागत करते हैं। इसी प्रकार, अंतिम सत्र (अंतिम तीन अध्यायों का पठन और चिंतन) के दौरान समापन के समय दिव्य आरती की जाती है, जिसमें सभी दीप प्रज्वलन करने वाले साधकों को सम्मिलित किया जाता है।

साधकों की सहभागिता और आयोजन की व्यवस्था

इस सत्र में लगभग 1000 गीताप्रेमी भक्त जुड़ते हैं, जो इस आयोजन की लोकप्रियता और इसकी आध्यात्मिक महत्ता को दर्शाता है। वर्तमान में गीता चिंतनिका सत्र का चतुर्दश (14वां) पारायण चल रहा है। प्रत्येक सत्र में 10-11 गीताव्रती साधक अपनी सेवाएँ देते हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न विभागों में कार्यरत कार्यकर्ताओं की टीम इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करती है।

कार्यक्रम की संपूर्ण योजना और आयोजन का श्रेय श्रीमती कविता मानधने दीदी को जाता है। उनके कुशल मार्गदर्शन में यह सत्र अत्यंत सुव्यवस्थित और सुनियोजित ढंग से संपन्न होता है। प्रत्येक नए पारायण के आरंभ से पूर्व दीदी व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से आवश्यक संदेश प्रेषित करती हैं और 4-5 दिनों में पठन एवं चिंतन करने वाले साधकों की सूची तैयार कर ली जाती है।

दीदी समय-समय पर ज़ूम मीटिंग के माध्यम से गीता के पाठ के शुद्ध तरीके भी सिखाती हैं। उनकी प्रेरणा से सत्र के सूत्र संचालन, धन्यवाद ज्ञापन, और विभिन्न अध्यायों के चिंतन जैसे सेवा कार्यों का सौभाग्य मुझे भी प्राप्त हुआ है।

एक अनुपम आध्यात्मिक अनुभव

गीता चिंतनिका सत्र से जुड़े सभी साधक वास्तव में सौभाग्यशाली हैं। उन्हें प्रत्येक एकादशी के पावन अवसर पर गीता जी के दिव्य अध्यायों का पाठ और उनके चिंतन को श्रवण करने का दुर्लभ सौभाग्य प्राप्त होता है। यह सत्र न केवल एक आध्यात्मिक अनुष्ठान है, बल्कि एक अद्वितीय साधना है जो हृदय को प्रभु के चरणों में समर्पित करती है।

अंत में, भगवान श्रीकृष्ण से यही प्रार्थना है कि उनकी कृपा सदैव हमारे जीवन पर बनी रहे और हमें गीता के इस दिव्य ज्ञान को आत्मसात करने और जन-जन तक पहुँचाने का अवसर मिलता रहे।

శ్వేతార్కలో ఘనంగా గీతా జయంతి వేడుకలు



మాన్యకొండ జిల్లా ప్రతినిధి డిసెంబర్ 12 (విజన్ ఆంధ్ర): కాజీపేట స్వయంభు శ్రీ శ్వేతార్క మూల గణపతి దేవాలయ దివ్య క్షేత్రంలో గీత జయంతి పురస్కరించుకొని దేవాలయంలో విశేష పూజలు సాహిత్య సాంస్కృతిక కార్యక్రమాలు గీత పారాయణం నిర్వహించడం జరిగింది మొదలు శ్రీకృష్ణ స్వామి వారి విగ్రహంతో మరియు గీతలతో విశేష నగర సంకీర్తన చేపట్టి అనంతరం కోలాట నృత్య ప్రదర్శనలతో స్వామివారిని దేవాలయానికి స్వాగతం పలికి అనంతరం భగవద్గీత పారాయణం నిర్వహించడం జరిగింది ఈ కార్యక్రమంలో విశ్వహిందూ పరిషత్ రాచకట్ల లక్ష్మణ్ సుధాకర్ రావు బ్రహ్మశ్రీ వేదమూర్తులు అన్నా పఙ్జల సోమశేఖర్ శర్మ దేవాలయ కార్యకర్తలు సునంద లక్ష్మీ కల్పన అరుణ ఉమాదేవి లక్ష్మీ సీనమ్మ వరి కోల్ సాయి పాక పవన్ అరుణ్ రెడ్డి గంగుల రాజిరెడ్డి తుమ్మ శ్రీనివాస్ రవీంద్రనాథ్ భాస్కరరావు తదితరులు పాల్గొన్నారు భక్తులందరికీ అన్నదానం నిర్వహించడం జరిగింది













ऑफलाइन कार्यक्रम

परमात्मा की अपार कृपा से गीता परिवार द्वारा आयोजित 5161 वीं गीता जयंती महोत्सव का दिव्य उत्सव ऑनलाइन एवं ऑफलाइन अब भी हमारे मन में आनंद और प्रेरणा की लहरें जगा रहा है।

इस बार ऑफलाइन महोत्सवों में **1445 से अधिक महोत्सव** का रजिस्ट्रेशन हुआ जिसमे **35 देशों से 573 शहरों** में ये गीता जयन्ती कार्यक्रम संपन्न हुए! इतनी ऊर्जा के साथ हमारे सभी कार्यकर्ताओं ने इसे संपन्न किया इस हेतु सभी का अभिनंदन...यह विश्वस्तरीय गीता जयन्ती का आयोजन एवं इस

प्रकार गीता परिवार के अन्य आयोजन भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण में अवश्य ही सहायक होगी! लखनऊ गीता परिवार के कार्यकर्ताओं द्वारा भी इस वर्ष एक नवीन प्रयोग किया गया जिसमे गीता के सभी अध्याओं को विभिन्न रागों पर गया गया और श्रीमद्भगवद्गीता के संपूर्ण 18 अध्यायों का संगीतमय पारायण हुआ। मुख्य अतिथि सहित सभी के अत्यन्त सकारात्मक प्रतिसाद हमे प्राप्त हुए हैं।

संगीतमय सस्वर पारायण का एक नया प्रयोग - गीता जयन्ती महोत्सव लखनऊ

"अद्भुतं रोमहर्षणम्" इन पंक्तियों को चरितार्थ करने वाला ही गीता जयन्ती महोत्सव लर्नगीता की उद्गमरूपी गंगोत्री लखनऊ में **11 दिसंबर 2024** को मोक्षदा एकादशी के शुभ अवसर पर सम्पन्न हुआ। जिसमें 19 नवीन धुनों में किया गया संगीतमय सम्पूर्ण गीता का पारायण सभी के लिये एक अद्भुत अलौकिक सा अनुभव था।

भगवन्नामस्मरण युक्त भव्य गीता की पोथीयात्रा निकाली गयी। वैदिक मंत्रोच्चार से दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात् हमारे लिये ईश्वरतुल्य गीता परिवार के संस्थापक प.पू.स्वामीजी श्रीगोविन्ददेव गिरि जी महाराज से ऑनलाइन इस संगीतमय पारायण हेतु शुभकामनाएं प्राप्त कर तो सभी के मन का आनन्द ही द्विगुणित हो गया।

गीता पारायणी – गीता प्रवीण व लर्नगीता की प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर हमारी ज्योति दीदी, रूपल दीदी, कविता दीदी, गीता विचक्षण कक्षाओं की मुख्य टीम सदस्या ख्याति दीदी, लर्नगीता की मुख्य समिति सदस्या पूजा भाभी, एवं प्रशिक्षक विभाग के प्रमुख सदस्यों में से एक मनीषा दीदी समेत 1000 साधक सेवी संगीत वाद्यों के साथ गीता पाठ में झूम उठे। पूरे समय LED स्क्रीन पर गीता श्लोकों की स्लाइड भी चलती रहीं। सम्पूर्ण गीता पारायण का एक आदर्श स्वरूप हमें देखने को मिला।

इस कार्यक्रम के आधार, नवीन प्रयोग "संगीतमय गीता पारायण" के रचनाकार, हम सभी के लिये गीता के ध्वजवाहक, गीता के अनन्य प्रेमी व हम सभी कार्यकर्ताओं की ऊर्जा का स्रोत लर्नगीता के कार्यक्रम निदेशक, गीता परिवार के अंतरराष्ट्रीय कार्याध्यक्ष हमारे आ.आशू भैया ने तो मानो अपने वाक्पुष्पों से गीता जी की अर्चना की हो। गीताभक्तिपूर्ण गीता सन्देश से सभी को अधिक से अधिक गीता पढ़ने, पढ़ाने की प्रेरणा मिली।

वैदिक गुरुकुलों से पधारे सभी बटुक, आचार्य, प्राचार्य, महंत, पुजारी एवं सभी सनातन रक्षकों को तिलककर, पटका पहनाकर, दक्षिणा देकर एवं पधारे सभी गीताव्रतियों, गीता विचक्षणों को भी सम्मानित किया गया।

"संवादमिममश्रौषमद्भुतं रोमहर्षणम्।।" – गीता का यह अद्भुत संवाद अनगिनत हृदयों में अपनी छाप छोड़ गया। जिन्होंने भी यह पारायण सुना उनके हृदय में अभी तक उन्हीं मंत्रों के स्वर गूंज रहे हैं। एकबार अवश्य सुनकर इस अलौकिक चिरस्थायी अनुभव का लाभ लें!


संतवाणी
LEARN GEETA
Learngeeta.com


Dr. Ashu Goyal
Swami Govind Dev Giri ji Maharaj
LEARN GEETA



तत्र तं(म्) बुद्धिसंयोगं(लँ), लभते पौर्वदेहिकम्।
यतते च ततो भूयः(स्), संसिद्धौ कुरुनन्दन॥43॥

tatra taṃ(m) buddhisaṃyogaṃ(lँ), labhate paurvadehikam।
yatate ca tato bhūyaḥ(s), saṃsiddhau kurunandana॥43॥





इस महोत्सव में ऑनलाइन माध्यम से भी गीता जयन्ती का पखवाडा मनाया! यह अपने आपमें एक बहुत बड़ा कीर्तिमान है जो गीता परिवार के लर्नगीता कार्यक्रम के द्वारा खड़ा किया गया। यह अनुभव केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि हृदय को आलोकित करने वाला भी था। 15 दिनों तक ऑनलाइन गीता पारायण की जो अखंड साधना हुई, वह अकल्पनीय और अतुलनीय है। इस अद्वितीय आयोजन में प्रतिदिन 1000 साधक ज़ूम पर उपस्थित रहे और कुल मिलाकर 2.5 लाख साधकों ने इस पवित्र आयोजन से पुण्य लाभ अर्जित किया।

"न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते।"

ज्ञान और साधना के इस पर्व को सफल बनाने में गीता परिवार के 603 सदस्यों का योगदान अनुपम और अद्वितीय है।

दक्षिणा दीदी, श्रुति दीदी, गोपाल भैया और विद्यानंद भैया इन पंचस्तंभों ने अपने अथक परिश्रम, ऊर्जा और समर्पण से पूरे आयोजन को सुगठित और सफल बनाया।

468 पारायणी , 5 कोर ग्रुप सदस्य, 32 एडिटिंग टीम सदस्य, 20 तकनीकी सहायक, 40 शेयरिंग टीम सदस्य, 25 सूत्र संचालक और 13 भाषानुसार संयोजक – इन सभी का समर्पण और निष्काम सेवा अनुकरणीय है।

"यतो धर्मस्ततो जयः।"

यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि गीता के दिव्य संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का महायज्ञ था। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही प्रयासों ने यह सिद्ध कर दिया कि गीता परिवार विश्वभर में गीता के प्रचार-प्रसार का ध्वजवाहक है।

भगवान की कृपा से गीता परिवार के सभी सदस्यों की यह सेवा भावना निरंतर वृद्धिंगत हो। हम सब राष्ट्र, धर्म, संस्कृति और गीतामाता की सेवा में जीवन को समर्पित कर सकें, यही हमारी शुभकामना है।

अखण्ड एकादश(11) गीता पारायण – 1

https://youtube.com/live/wPjphAEDrOw?feature=share

अखण्ड एकादश(11) गीता पारायण – 2

https://youtube.com/live/FdBPdTrmOeM?feature=share

अखण्ड एकादश(11) गीता पारायण – 3

https://youtube.com/live/1hPoJdjbwVg?feature=share

अखण्ड एकादश(11) गीता पारायण – 4

https://youtube.com/live/vB7nQ4bF9u8?feature=share









ಯೋಗೇಶ್ವರ ಶ್ರೀಕೃಷ್ಣಪರಮಾತ್ಮನ ಅನುಗ್ರಹದಿಂದ ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ಅಂತಾರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಅಧ್ಯಕ್ಷರಾಗಿರುವ ಆದರಣೀಯ ಡಾ ಆಶು ಗೋಯಲ ಅಣ್ಣ ಮತ್ತು ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಉಪಾಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಹರಿನಾರಾಯಣ ವ್ಯಾಸ ಅಣ್ಣನವರ ಸಮ್ಮುಖದಲ್ಲಿ 3.12.2024ರಂದು ಹೊಸಕೆರೆ ಹಳ್ಳಿಯ ಸುಂದರವಾದ ಅನಂತ ಪರ್ವ ಸಭಾಂಗಣದಲ್ಲಿ ಬೆಂಗಳೂರು ಗೀತಾಪರಿವಾರ ಸ್ನೇಹ ಮಿಲನ ಸಭೆಯು ಸಂಪನ್ನವಾಯಿತು. ಈ ಸಭೆಗೆ 70ಕ್ಕೂ ಹೆಚ್ಚು ಗೀತಾ ಸೇವಿಗಳು ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿದ್ದರು. 30ಕ್ಕೂ ಹೆಚ್ಚು ಗೀತಾವ್ರತಿಗಳನ್ನು ಆದರಣೀಯ ಡಾ ಆಶು ಗೋಯಲ ಅಣ್ಣನವರು ಸನ್ಮಾನಿಸಿದ್ದು ಈ ಸಭೆಗೆ ಶೋಭೆಯನ್ನು ತಂದಿತು. ವರುಣನ ಕೃಪೆಯಿಂದ ಬಹಳಷ್ಟು ಆಸಕ್ತರು ಈ ಸಭೆಗೆ ಹಾಜರಾಗಲು ಆಗಲಿಲ್ಲ. ಬಂದವರನ್ನು ರುಚಿಯಾದ ಬಿಸಿ ಬಿಸಿ ಕಷಾಯ ಸ್ವಾಗತಿಸಿತು.

ಸೃಷ್ಟಿ ಸ್ಥಿತಿ ಲಯಗಳಿಗೆ ಕಾರಣೀಭೂತನಾದ ಗೀತಾಚಾರ್ಯ ಕೃಷ್ಣ ಪರಮಾತ್ಮ ಹಾಗೂ ಗೀತಾಪರಿವಾರವೆಂಬ ಅತ್ಯಂತ ಆಪ್ಯಾಯಮಾನ ಕೌಟುಂಬಿಕ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯಲ್ಲಿ ನಮ್ಮೆಲ್ಲರ ನಡುವೆ ಸುಮಧುರವಾದ ಬಾಂಧವ್ಯವನ್ನು ಬೆಸೆದಿರುವ ಪರಮ ಪೂಜ್ಯ ಸಂತ ಸ್ವಾಮಿ ಶ್ರೀ ಗೋವಿಂದ ದೇವ ಗಿರಿಜೀ ಮಹಾರಾಜ ಅವರ ಪಾದಾರವಿಂದಗಳಿಗೆ ನಮಿಸುತ್ತಾ ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ ಕೇಂದ್ರ ಬಿಂದುವಾಗಿದ್ದ ಆದರಣೀಯ ಡಾ. ಆಶು ಗೋಯಲ ಅಣ್ಣನವರನ್ನು ಸಭೆಗೆ ಬರಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಲಾಯಿತು.

ಸನಾತನ ಸಂಪ್ರದಾಯದಂತೆ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವು ಪ್ರಾರ್ಥನೆಯೊಂದಿಗೆ ಆರಂಭವಾಯಿತು. ಕಿರಿಯ ಗೀತಾವ್ರತಿ ಜಿಷ್ಣು ಶೇಷಾದ್ರಿಅಣ್ಣ ಸುಮಧುರವಾಗಿ ಪ್ರಾರ್ಥನೆಯನ್ನು ಮಾಡಿದ್ದು ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಮುದನೀಡಿತು. ಪರಂಪರಾನುಗತವಾಗಿ ಬಂದಿರುವ ವಾಡಿಕೆಯಂತೆ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಉಪಸ್ಥಿತರಿದ್ದ ಗಣ್ಯರು ದೀಪಪ್ರಜ್ವಲನೆ ಮಾಡುವುದರ ಮೂಲಕ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಕ್ಕೆ ಚಾಲನೆ ನೀಡಿದರು. ಗೀತಾವ್ರತಿ ಶ್ರೀಮತಿ

ಸಪ್ನಾ ಜೀರೇ ಅಕ್ಕ ಸುಶ್ರಾವ್ಯವಾಗಿ ದೀಪಪ್ರಜ್ವಲನೆಯ ಗೀತೆಯನ್ನು ಹಾಡಿದರು.
ಶ್ರೀಯುತ ಡಾ ನಾಗರಾಜ್ ಅಣ್ಣನವರು ಗಣ್ಯರನ್ನೊಳಗೊಂಡಂತೆ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಸ್ವಾಗತವನ್ನು ಕೋರಿದರು. ಇದೇ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಬೆಂಗಳೂರು ಗೀತಾ ಪರಿವಾರದ ವತಿಯಿಂದ ಆದರಣೀಯ ಡಾ ಆಶು ಗೋಯಲ ಅಣ್ಣನವರಿಗೆ ಮೈಸೂರು ಪೇಟವನ್ನು ತೊಡಿಸಿ, ಶಾಲು ಹೊದಿಸಿ ಉಡುಗೊರೆಗಳೊಂದಿಗೆ ಹಣ್ಣು ಮತ್ತು ಹೂಗುಚ್ಛವನ್ನು ನೀಡಿ ಸನ್ಮಾನಿಸಲಾಯಿತು.
ಗೀತಾವ್ರತಿ ಶ್ರೀಮತಿ ಅನುಸೂಯ ನಾಯಕ್ ಅಕ್ಕ ಆದರಣೀಯ ಡಾ. ಆಶು ಗೋಯಲ ಅಣ್ಣನವರನ್ನು ಸಭೆಗೆ ಪರಿಚಯಿಸಿದರು. ನಂತರ ಆದರಣೀಯ ಡಾ. ಆಶು ಗೋಯಲ ಅಣ್ಣನವರು ಗೀತಾ ಸೇವಿಗಳು ಮತ್ತು ಗೀತಾವ್ರತಿಗಳಿಂದ ಕೂಡಿದ್ದ ಸಭೆಯನ್ನುದ್ದೇಶಿಸಿ ಮಾತನಾಡಿದರು.
ಭಗವಂತನ ಶ್ರೀಮುಖವಾಣಿಯಾದ ಭಗವದ್ಗೀತೆಯಲ್ಲಿ ಬರುವ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಶ್ಲೋಕವೂ ಮಹತ್ವಪೂರ್ಣವಾದ ಅರ್ಥಗಳನ್ನು ಸ್ಫುರಿಸುತ್ತವೆ. ಭಗವದ್ಗೀತೆಯು ಸ್ಫುರಿಸುವ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಸೂತ್ರವೂ ವಿವಿಧ ದೃಷ್ಟಿಕೋನದಿಂದ ನೋಡಿದಾಗ ವಿವಿಧ ಅರ್ಥವನ್ನು ಕೊಡುತ್ತವೆ. ಈ ಸಭೆ ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಗೀತಾವ್ರತಿಗಳು ಮತ್ತು ಗೀತಾಸೇವಿಗಳಿಂದ ಕೂಡಿರುವುದರಿಂದ ಅವರನ್ನುದ್ದೇಶಿಸಿ ಇಂದು ಮಾತಾಡಲು ಬಯಸುತ್ತೇನೆ ಎಂದು ತಮ್ಮ ಮಾತನ್ನು ಆರಂಭಿಸಿದರು.
ಭಗವದ್ಗೀತೆಯಲ್ಲಿ ಪ್ರಮುಖವಾಗಿ ಬರುವ 39 ಮೌಲ್ಯಗಳನ್ನು ಸರಿಯಾಗಿ ಅರ್ಥೈಸಿಕೊಂಡು ನಮ್ಮ ನಮ್ಮ ಜೀವನದಲ್ಲಿ ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂದು ಕರೆನೀಡಿದರು. ಆದಿಶಂಕರಾಚಾರ್ಯರು ಹೇಳುವಂತೆ ನಮ್ಮ ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಬಯಕೆಯೂ ಮೋಕ್ಷದ ಬಯಕೆಯಾಗಬೇಕು. ವ್ಯಷ್ಟಿ ಬಯಕೆಯನ್ನು ಸಮಷ್ಟಿಯ ಬಗೆಯನ್ನಾಗಿಸುವ ಕಲೆಯನ್ನು ಗೀತಾಸೇವಿಗಳಾದ ನಾವು ಮೈಗೂಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂದು ತಿಳಿಸಿದರು.
ಪರಮ ಪೂಜ್ಯ ಸ್ವಾಮೀಜಿಯವರ ದೃಢ ಸಂಕಲ್ಪ, ಗೀತಾಮಾತೆಯ ಮಹತ್ವ ಹಾಗೂ ಶ್ರೀಕೃಷ್ಣ ಪರಮಾತ್ಮನ ಕೃಪೆಯಿಂದ ಗೀತಾಪರಿವಾರದಲ್ಲಿ ನಾವೆಲ್ಲರೂ ಗೀತಾಸೇವಿಗಳಾಗಿ ಅನೇಕ ನೈಪುಣ್ಯಗಳನ್ನೂ, ಕೌಶಲಗಳನ್ನೂ ಸಮಸ್ಯೆಗಳನ್ನು ಎದುರಿಸುವ ಚೈತನ್ಯವನ್ನೂ ಕಲಿತಿದ್ದೇವೆ ಎಂದು ಹೇಳುತ್ತಾ ಭಕ್ತಿಯೋಗದ ಹದಿನಾರನೆಯ ಶ್ಲೋಕವಾದ

ಅನಪೇಕ್ಷಃ ಶುಚಿರ್ದಕ್ಷ, ಉದಾಸೀನೋ ಗತವ್ಯಥಃ।
ಸರ್ವಾರಂಭಪರಿತ್ಯಾಗೀ, ಯೋ ಮದ್ಭಕ್ತಃ ಸ ಮೇ ಪ್ರಿಯಃ॥

ಶ್ಲೋಕವನ್ನು ಸಾಮೂಹಿಕವಾಗಿ ಪಠಣವನ್ನು ಮಾಡಿಸಿ ದೈವಿಕ ವಾತಾವರಣ ಸೃಷ್ಟಿಯಾಗುವಂತೆ ಮಾಡಿದರು. ಆ ಶ್ಲೋಕದಲ್ಲಿ ಬರುವ ಆರು ಗುಣಗಳಾದ ಅನಪೇಕ್ಷಾ, ಶುಚಿತ್ವ, ದಕ್ಷತೆ, ನಿರ್ಲಿಪ್ತ ಭಾವದಿಂದ ಕೂಡಿದ ಉದಾಸೀನತೆ, ನಾವು ಬಯಸಿದ ಸೇವೆ ದೊರಕದಿದ್ದಾಗ ವಿಚಲಿತರಾಗದಿರುವ ಗತವ್ಯಥಃ ಭಾವದಿಂದ, ಯಾವುದೇ ಸ್ಥಾನಮಾನ ಬಂದರೂ, ಹೋದರೂ ಏನೇ ಆದರೂ ಬೇಸರಿಸಿಕೊಳ್ಳದೆ, ಯಾವುದೇ ಉನ್ನತ ಸ್ಥಾನಕ್ಕೆ ಉಬ್ಬದೆ ಸಣ್ಣ ಸೇವೆ ದೊರಕಿತೆಂದು ಕುಗ್ಗದೆ ಎಲ್ಲವನ್ನೂ ಸಮಾನ ಭಾವದಿಂದ ಸ್ವೀಕರಿಸಿ ಸದಾ ಆನಂದದಿಂದ ಸೇವಾ ಮನೋಭಾವದಿಂದ ಗೀತಾಸೇವಿಗಳು ಸಮಾನ ಭಾವದಿಂದ ಸೌಹಾರ್ದದಿಂದ ಸೇವೆಯಲ್ಲಿ ನಿರತರಾಗುವಂತೆ ಕರೆನೀಡಿದರು.
ಸರ್ವಾರಂಭಪರಿತ್ಯಾಗೀ – ಸೇವೆಯ ಸಾರ್ಥಕತೆ ಇರುವುದೇ ಎಲ್ಲವನ್ನೂ ತ್ಯಾಗಮಾಡುವುದರಲ್ಲಿ, ನಿಸ್ವಾರ್ಥದಲ್ಲಿ, ಸೇವೆಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಏನನ್ನೂ ಬಯಸಬಾರದು. ಏನನ್ನಾದರು ಬಯಸಿದರೆ ಅಥವಾ ಸೇವೆಗೆ ಪ್ರತಿಯಾಗಿ ಏನನ್ನಾದರೂ ಸ್ವೀಕರಿಸಿದರೆ ಸೇವೆಯಿಂದ ದೊರೆತ ಪುಣ್ಯ ಕ್ಷೀಣಿಸುತ್ತಾ ಹೋಗುತ್ತದೆ ಎಂದು ಮನದಟ್ಟಾಗುವಂತೆ ಸವಿವರವಾಗಿ ತಿಳಿಸಿದರು.
ನಂತರ ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಉಪಾಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಶ್ರೀಯುತ ಹರಿನಾರಾಯಣ ವ್ಯಾಸ ಅಣ್ಣನವರಿಗೆ ಸ್ವಾಗತವನ್ನು ಕೋರಿ ಬೆಂಗಳೂರು ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ಕಡೆಯಿಂದ ಸನ್ಮಾನಿಸಲಾಯಿತು. ಬೆಂಗಳೂರು ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ಪ್ರತಿನಿಧಿ ಶ್ರೀಯುತ ತೇಜಸ್ ಪೂಜಾರಿ ಅಣ್ಣ ಶ್ರೀಯುತ ಹರಿನಾರಾಯಣ ವ್ಯಾಸ ಅಣ್ಣನವರನ್ನು ಸಭೆಗೆ ಪರಿಚಯ ಮಾಡಿಕೊಟ್ಟರು.
ಶ್ರೀಯುತ ಹರಿನಾರಾಯಣ ವ್ಯಾಸ ಅಣ್ಣನವರು ಸಭೆಯನ್ನುದ್ದೇಶಿಸಿ ಮಾತನಾಡಿದರು. “ಗೀತೆಯನ್ನು ಕಲಿಯಿರಿ, ಕಲಿಸಿರಿ, ಜೀವನದಲ್ಲಿ ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿರಿ” ಎಂಬ ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ಧ್ಯೇಯವಾಕ್ಯವನ್ನೂ, “ಮನೆ ಮನೆಯಲ್ಲೂ ಗೀತೆ, ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬರ ಕೈಯಲ್ಲೂ ಗೀತೆ” ಎಂಬ ಪರಮ ಪೂಜ್ಯ ಸ್ವಾಮೀಜಿಯವರ ಪರಮೋದ್ದೇಶವನ್ನು ನಾವೆಲ್ಲರೂ ಸಾಕಾರಗೊಳಿಸಬೇಕೆಂದು ಹೇಳಿದರು.
ಸನಾತನಧರ್ಮವನ್ನು ಮೈಗೂಡಿಸಿಕೊಂಡಿರುವ ಹಿಂದುತ್ವವನ್ನೂ ಕಾಪಾಡುತ್ತಿರುವಲ್ಲಿ ಆರ್ ಎಸ್ ಎಸ್ ಬಿಟ್ಟರೆ ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ಅಂಗ ಸಂಸ್ಥೆಯಾದ ‘ಲರ್ನ್ ಗೀತಾ ಸಂಸ್ಥೆ’ ಮುಂಚೂಣಿಯಲ್ಲಿದ್ದು ಎರಡನೇ ಸ್ಥಾನವನ್ನು ಪಡೆದಿದೆ ಎಂಬ ಸಂತೋಷದ ವಿಷಯವನ್ನು ಹಂಚಿಕೊಂಡರು. ಹಿಂದುತ್ವ ಉಳಿಯ ಬೇಕಾದರೆ ಬಾಲಸಂಸ್ಕಾರ ಪ್ರಮುಖವಾದ ಪಾತ್ರವನ್ನು ವಹಿಸುತ್ತದೆ ಎಂದು ವಿವರಿಸುತ್ತಾ

ಬಾಲಸಂಸ್ಕಾರವನ್ನು ನೀಡುವಲ್ಲಿ ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ಪಾತ್ರ ಮತ್ತು ಹಮ್ಮಿಕೊಂಡಿರುವ ಯೋಜನೆಗಳ ಬಗೆಗೆ ಸವಿವರವಾಗಿ ವಿವರಿಸಿದರು. ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಗೀತಾ ಪರಿವಾರವು ದೇಶದ ನಾಲ್ಕೂ ದಿಕ್ಕುಗಳಲ್ಲೂ ಉತ್ತರಾಂಚಲ, ದಕ್ಷಿಣಾಂಚಲ, ಪೂರ್ವಾಂಚಲ, ಪಶ್ಚಿಮಾಂಚಲ ಶಿಬಿರಗಳನ್ನು ವಿವಿಧ ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿ ನಡೆಸುವುದರ ಬಗೆಗೆ ಮಾಹಿತಿ ನೀಡಿದರು.
ಆಂಧ್ರಪ್ರದೇಶ, ತೆಲಂಗಾಣ, ಕರ್ನಾಟಕ, ತಮಿಳುನಾಡು ಮತ್ತು ಕೇರಳದ ಹೊಸ ಕಾರ್ಯಕರ್ತರಿಗಾಗಿ ಇದೇ ಡಿಸೆಂಬರ್ ತಿಂಗಳಿನಲ್ಲಿ ದಕ್ಷಿಣಾಂಚಲ ತರಬೇತಿ ಶಿಬಿರವನ್ನು ಹೈದರಾಬಾದಿನಲ್ಲಿ ಆಯೋಜಿಸಲಾಗಿದೆ. ವ್ಯಕ್ತಿತ್ವ ನಿರ್ಮಾಣದ ಮೂಲಕ ರಾಷ್ಟ್ರನಿರ್ಮಾಣಮಾಡಲು ರಾಷ್ಟ್ರದ ಹಿತದೃಷ್ಟಿಯಿಂದ ಈ ಪವಿತ್ರವಾದ ಕರ್ಮಯಜ್ಞದಲ್ಲಿ ಗೀತಾ ಸೇವಿಗಳಾದ ತಾವೆಲ್ಲರೂ ತಮ್ಮನ್ನು ತೊಡಗಿಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕೆಂದು ಕರೆನೀಡಿದರು. ಕರ್ನಾಟಕದ ಪರವಾಗಿ ಬೆಂಗಳೂರು ಗೀತಾಪರಿವಾರದವರು ಈ ಶಿಬಿರದಲ್ಲಿ ಹೆಚ್ಚು ಹೆಚ್ಚು ಸಂಖ್ಯೆಯಲ್ಲಿ ಭಾಗವಹಿಸುವಂತೆ ಗೀತಾಸೇವಿ ಶ್ರೀಮತಿ ಪೂಜಾ ಡೋಂಗ್ರೆ ಅಕ್ಕನವರು ಎಲ್ಲರನ್ನೂ ಹುರಿದುಂಬಿಸಿದರು

2023 ಮತ್ತು 2024ನೇ ಸಾಲಿನಲ್ಲಿ ಗೀತಾವ್ರತಿಗಳಾಗಿ ಅಂದಿನ ಸಭೆಯಲ್ಲಿ ಹಾಜರಾಗಿದ್ದ ಮೂವತ್ತಕ್ಕೂ ಹೆಚ್ಚು ಬೆಂಗಳೂರಿನ ಗೀತಾವ್ರತಿಗಳಿಗೆ ಆದರಣೀಯ ಡಾ. ಆಶು ಗೋಯಲ ಅಣ್ಣನವರು ಪ್ರಶಸ್ತಿ ಪತ್ರ ಮತ್ತು ಚಿನ್ನದ ಪದಕದೊಂದಿಗೆ ಹೂಗುಚ್ಛವನ್ನು ನೀಡಿ ಸನ್ಮಾನಿಸಿದರು. ಕಿರಿಯರಿಂದ ಹಿಡಿದು ಹಿರಿಯರವರೆಗೂ ಸನ್ಮಾನವನ್ನು ಸ್ವೀಕರಿಸಿದ್ದು ಇಂದಿನ ವಿಶೇಷತೆಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದಾಗಿತ್ತು. ಸನ್ಮಾನಿತರ ಮುಖಗಳಲ್ಲಿ ಧನ್ಯತಾಭಾವದಿಂದ ಕೂಡಿದ ಆನಂದ ಎದ್ದುಕಾಣುತ್ತಿತ್ತು.
ಮೈಸೂರಿನಿಂದ ಆಗಮಿಸಿದ್ದ ಮೈಸೂರು ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ಪ್ರತಿನಿಧಿಗಳು ಮೈಸೂರು ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ವತಿಯಿಂದ ಹೊರತರುತ್ತಿರುವ 'ಪರಿವಾರದ ಮಾತು' ಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ಆದರಣೀಯ ಡಾ. ಆಶು ಗೋಯಲ ಅಣ್ಣನವರಿಂದ ಬಿಡುಗಡೆ ಮಾಡಿಸಿದರು.

ಗೀತಾ ಪರಿವಾರದ

ಅಧ್ಯಕ್ಷರಾದ ಶ್ರೀಮತಿ ಶ್ವೇತಾ ಬಿಯಾನಿ ಅಕ್ಕ ಮತ್ತು ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಗಳಾದ ಶ್ರೀಮತಿ.ಅರ್ಪಿತಾ ಝುಂವರ ಅಕ್ಕ ಅವರು ಉಪಸ್ಥಿತರಿದ್ದರು. ಮೈಸೂರು ಧರ್ಮಸ್ಥಳ ಸನಿಹದ ಮುಂಡಾಜೆ, ಶಿವಮೊಗ್ಗ ಮುಂತಾದ ಕಡೆಗಳಿಂದ ಗೀತಾಸೇವಿಗಳು ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ರವದಲ್ಲಿ ಭಾಗವಹಿಸಿದ್ದರು.
ಬೆಂಗಳೂರು ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ಶ್ರೀಮತಿ ಮೀನಲ್ ಎಂ ದಾಣಿ ಅಕ್ಕ ವಂದನಾರ್ಪಣೆಯನ್ನು ಮಾಡಿದರು. ಗೀತಾವ್ರತಿ ಪುಟಾಣಿ ಆದ್ಯಾ ಭಾವೆ ಅಕ್ಕನವರು ತಮ್ಮ ಸುಮಧುರ ಕಂಠದಿಂದ ಮಾಡಿದ ಸಮಾರೋಪ ಪ್ರಾರ್ಥನೆಯೊಂದಿಗೆ ಸಮಾರಂಭವು ಯಶಸ್ವಿಯಾಗಿ ಸಂಪನ್ನಗೊಂಡಿತು.
ಜಿನಿ ಜಿನಿ ಮಳೆಗೆ ಹಿತಕರವಾಗಿ ಮುದನೀಡುವಂತಿದ್ದ ಚಟ್ನಿಯೊಂದಿಗೆ ಬಿಸಿ ಬಿಸಿ ಶಾವಿಗೆ. ರಾಗಿ ಹಾಲುಬಾಯಿ, ಮೈಸೂರುಪಾಕ್, ಮಸಾಲೆ ಆಂಬೊಡೆ, ಸ್ಪ್ಯಾಂಗ್ ಕಾಫಿಯ ಸೇವನೆಯೊಂದಿಗೆ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವು ಮುಕ್ತಾಯವಾಯಿತು. ಸೆರೆಹಿಡಿದ ಛಾಯಾಚಿತ್ರಗಳು, ಸಣ್ಣ ಸಣ್ಣ ವಿಡಿಯೋಗಳು ಸುಂದರವಾಗಿ ಜರುಗಿದ ಸಭೆಗೆ ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿವೆ.
ನಿರೂಪಣೆ ಮಾಡುವ ಮತ್ತು ಲೇಖನದ ಮೂಲಕ ಈ ಸುಂದರ ಗಳಿಗೆಯನ್ನು ದಾಖಲಿಸುವ ಸೌಭಾಗ್ಯ ನನ್ನ ಪಾಲಿಗೆ ದೊರೆತದ್ದು ಶ್ರೀಕೃಷ್ಣನ ಕೃಪೆ ಎಂದೆಣಿಸುತ್ತೇನೆ.

ଶ୍ରୀ ପ୍ରମୋଦ କୁମାର ମହାନ୍ତି

ଭୁବନେଶ୍ୱର(ଓଡ଼ିଶା),
ମୋ : ୯୪୩୭୩୯ ୧୫୦୦

୧୯୮୭ ମସିହା କଥା। ମହାରାଷ୍ଟ୍ର ପ୍ରଦେଶର ଅହମ୍ମଦନଗର ଜିଲ୍ଲା ଅନ୍ତର୍ଗତ ସଙ୍ଗମନର ଠାରେ 'ଗୀତା ପରିବାର' ଏକ ପଞ୍ଜିକୃତ ଟ୍ରଷ୍ଟ ଭାବେ ପରମପୂଜ୍ୟ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ସନ୍ଥ ସ୍ୱାମୀ ଗୋବିନ୍ଦଦେବ ଗିରିଜୀ ମହାରାଜଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ ହୁଏ । ସ୍ୱାମୀଜୀ ଅଧିନା ଶ୍ରୀରାମଜନ୍ମଭୂମି ଟ୍ରଷ୍ଟ ର ଟ୍ରଷ୍ଟି ତଥା କୋଷାଧ୍ୟକ୍ଷ ଅଛନ୍ତି । ସେତେବେଳେ ଏହାର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ଥିଲା, ଶିଶୁମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ନୈତିକ ଶିକ୍ଷା (value education)ର ପ୍ରଚାର ଓ ପ୍ରସାର।

ପରବର୍ତ୍ତୀ ସମୟରେ ଏହି ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ସାଧନ ନମନ୍ତେ ପଞ୍ଚସୂତ୍ରୀ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ସୃଷ୍ଟ ହେଲା। ଭଗବଦ୍‌ଭକ୍ତ, ଭଗବଦ୍‌ଗୀତା, ଭାରତମାତା, ବଞ୍ଚାନ ଦୃଷ୍ଟ ଓ ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦଙ୍କ ଆଦର୍ଶ– ଏହି ପାଞ୍ଚଗୋଟି ସୂତ୍ରକୁ ଆଧାର କରି କୁନିକୁନି ପିଲାମାନଙ୍କ ମନରେ ସନାତନ ଧର୍ମର ମୌଳିକ ଆଦର୍ଶ ଓ କାର୍ଯ୍ୟକାରିତା ପ୍ରତି ଆକୃଷ୍ଟ କରିବା ପାଇଁ ଚେଷ୍ଟା କରାଗଲା । ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କୁ ନିଜର ସଂସ୍କୃତି ସମ୍ପର୍କରେ ସୂଚନାଦେବା, ସଂସ୍କାର ଶିବିର ତଥା ସଂସ୍କାରବର୍ଗ ଶ୍ରେଣୀ ମାଧ୍ୟମରେ ଏହି ମୌଳିକ ଆଦର୍ଶକୁ ପୁର୍ନଜୀବିତ କରିବା, ଆବଶ୍ୟକ ସ୍ଥଳେ ଭିଡିଓ (Video), ଅଡିଓ (audio) ଆଦି ବୈଜ୍ଞାନିକ ଉପକରଣଗୁଡିକର ସାହାଯ୍ୟ ନେବା, ଭାରତୀୟ ସଂସ୍କୃତି ତଥା ଜୀବନଶୈଳୀ ପ୍ରତି ଆକୃଷ୍ଟ କରିବା, ନିଜକୁ ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦଙ୍କ ଆଦର୍ଶରେ ଅନୁପ୍ରାଣିତ କରିବାକୁ ପ୍ରେରଣା ଦେବା ପାଇଁ କାର୍ଯ୍ୟ ଆରମ୍ଭ କରାଯାଇଥିଲା।

ଦେଶମାତୃକା ପ୍ରତି ଜୀବନ ଉତ୍ସର୍ଗ କରିବା, ମାତୃଭୂମିର ସେବା କରିବା, ଭଗବଦ୍ କୃପା ଲାଭ କରି ଉତ୍ତମ ମନୁଷ୍ୟ ସୃଷ୍ଟି କରିବା ପାଇଁ ପଦକ୍ଷେପ ନିଆଯାଇଥିଲା। ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ପରିସ୍ଥିତି, ଭାରତର ସ୍ଥିତି, କାଳର କରାଳ ଗତି, ବିଜ୍ଞାନର ଉତ୍କର୍ଷତା ଓ ଆଧୁନିକତାର ପ୍ରଭାବ 'ଗୀତା ପରିବାର'କୁ ଏକ ଚଳନଶୀଳ ସାତ୍ତ୍ୱିକ ଅନୁଷ୍ଠାନରେ ପରିଣତ କରାଇଲା। ପଞ୍ଚସୂତ୍ରୀ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ ପାଥେୟ କରି ଭାରତୀୟ ମାନଙ୍କୁ ଲୁପ୍ତ ଆଦର୍ଶରେ ଅନୁପ୍ରାଣିତ କରି, ଆବାଳ ବୃଦ୍ଧବନିତାଙ୍କ ମାନସପଟରେ ଦେଶପ୍ରେମ ଜାଗ୍ରତ କରି, ସନାତନଧର୍ମର ନୀତିକୁ ପୁନର୍ଜୀବିତ କରିବା ନିମନ୍ତେ ଦୁଇଟି ମୁଖ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ 'ଗୀତା ପରିବାର' ଆପଣେଇଛି।

'ଲର୍ନ ଗୀତା' (Learn Gita) ଓ 'ବାଳ ସଂସ୍କାର'– ଏହି ଦୁଇଟି ମୁଖ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ପରମପୂଜ୍ୟ ସ୍ୱାମୀଜୀଙ୍କ ମୁଖ ନିଃସୃତ ପ୍ରେରଣା 'ଗୀତା ପଢ଼, ପଢ଼ାଅ, ଜୀବନରେ ଆପଣାଅ' ଓ 'ଘରେ ଘରେ ଗୀତା, କରେ କରେ ଗୀତା'କୁ ଆଗେଇ ନେବା ପାଇଁ ପ୍ରତ୍ୟେକ ଗୀତାସେବୀ ପ୍ରତିଶ୍ରୁତିବଦ୍ଧ। ଆଜି ଦଶଲକ୍ଷରୁ ଅଧିକ ଗୀତାସେବୀ ଏହି ପ୍ରେରଣାରେ ଉଦ୍‌ବୁଦ୍ଧ ହୋଇ ନିଜକୁ ଭଗବତ୍ ପ୍ରେମ, ଭଗବଦ୍‌ଭକ୍ତି ଓ ଭାରତ ମାତାଙ୍କ ସେବାରେ ନିୟୋଜିତ କରିବାକୁ ଆଗେଇ ଆସିଛନ୍ତି।

'ଲର୍ନ ଗୀତା' ଓ 'ବାଳ ସଂସ୍କାର' କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଗୋଟିଏ ମୁଦ୍ରାର ଦୁଇ ପାର୍ଶ୍ୱ ସଦୃଶ । ଏହି ଉଭୟ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଆଲୋକବର୍ତ୍ତିକା ସଦୃଶ 'ଗୀତା ପରିବାର'କୁ ଆଲୋକିତ କରି ପ୍ରତ୍ୟେକ ପରିବାରକୁ ଲକ୍ଷ୍ୟସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚିବା ପାଇଁ ଆକୃଷ୍ଟ କରୁଛି।

ପରମପୂଜ୍ୟ ସ୍ୱାମୀଜୀଙ୍କ ଆଶୀର୍ବାଦ ନେଇ ଓଡ଼ିଶା ଗୀତା ପରିବାର ର 'ଘରେ ଘରେ ଗୀତା, କରେ କରେ ଗୀତା' ଲକ୍ଷ୍ୟ ହାସଲ ନିମନ୍ତେ ଏକ କ୍ଷୁଦ୍ର ତଥା ଅଦ୍ଭୁତ ପରିଯୋଜନା 'ଗୀତା ଗ୍ରାମ' ସୃଷ୍ଟି ପାଇଁ ପଦକ୍ଷେପ ନେଇଛି। ଓଡ଼ିଶା ଶାଖା ଆନୁଷ୍ଠାନିକ ଭାବେ ଗଠିତ ହେବାର ମାତ୍ର ଏକବର୍ଷ ମଧ୍ୟରେ 'ଗୀତା ଗ୍ରାମ' ଗଠନ ଚିନ୍ତାଧାରା ସମ୍ପୃକ୍ତ ଗୀତାସେବୀମାନଙ୍କୁ ଉଦ୍‌ବୁଦ୍ଧ କରିଛି। ଏକ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ପରିସୀମା ମଧ୍ୟରେ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ନାମକରଣ ଥାଇ ବସବାସ କରୁଥିବା ଏକଶତ ବା ତଦୁର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ପରିବାର 'ଗୀତା ପରିବାର' କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପରିସରଭୁକ୍ତ ହୋଇ ଅନୁବନ୍ଧିତ ହେଲେ ବା ପଞ୍ଚସୂତ୍ରୀ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ ଆପଣେଇନେଲେ ସଂପୃକ୍ତ ଅଞ୍ଚଳ, ପଡା,ଗ୍ରାମ,ମହଲା ବା ବାସସ୍ଥଳୀକୁ 'ଗୀତା ଗ୍ରାମ' ଘୋଷଣା କରାଯାଇଥାଏ। ଏଥି ନିମନ୍ତେ ଅନ୍ତତଃ ଦୁଇ କିମ୍ବା ତିନି ଜଣ ଗୀତାସେବୀ ଏକତ୍ରିତ ହୋଇ ଯୋଜନାବଦ୍ଧ ଭାବେ, ଏକକ ମାନସିକତା ନେଇ ଘରକୁ ଘର ବୁଲି ସମ୍ପୃକ୍ତ ପରିବାରକୁ 'ଗୀତା ପରିବାର'ର ଚିନ୍ତାଧାରାରେ ପ୍ରବର୍ତ୍ତାଇଥାନ୍ତି। ଏଥିନିମନ୍ତେ ଅଧିବାସୀମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଗଠିତ ଉନ୍ନୟନ ସମିତି, ମହିଳା ସଂଗଠନ, ସ୍ୱୟଂ ସେବକ ଗୋଷ୍ଠୀ, ପ୍ରାଥମିକ ବିଦ୍ୟାଳୟର କାର୍ଯ୍ୟକର୍ତ୍ତାମାନଙ୍କ ସାହାଯ୍ୟ, ସହଯୋଗ ନିଆଯାଇପାରେ ।

'ଗୀତା ପରିବାର' ବୈଦିକ ରୀତିରେ 'ଅନ୍‌ଲାଇନ୍' (online) 'ଅଫ୍‌ଲାଇନ୍' (offline) ଶ୍ରେଣୀ ମାଧ୍ୟମରେ ସ୍ୱେଚ୍ଛାସେବୀ ପ୍ରଶିକ୍ଷକମାନଙ୍କ ମାଧ୍ୟମରେ ଭଗବଦ୍‌ଗୀତାର ଶୁଦ୍ଧ ଉଚ୍ଚାରଣ ଶିକ୍ଷା ଦେଇଥାନ୍ତି। ଏତଦ୍‌ବ୍ୟତୀତ ବାଳ ସଂସ୍କାର କେନ୍ଦ୍ର ମାଧ୍ୟମରେ ଶିଶୁ ଓ ଛାତ୍ର ଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କୁ ଶିକ୍ଷା ପ୍ରଦାନ କରିଥାନ୍ତି । ଏହାଦ୍ୱାରା ସେମାନଙ୍କର ବୌଦ୍ଧିକ ବିକାଶ, କର୍ତ୍ତବ୍ୟନିଷ୍ଠା, ଯୋଗ-ପ୍ରାଣାୟମ ଅଭ୍ୟାସ ତଥା ଭଗବଦ୍ ଚିନ୍ତାଧାରାରେ ଉନ୍ନତି ହୋଇଥାଏ।

ଓଡ଼ିଶା ଗୀତାପରିବାରର ଗୀତାସେବୀମାନଙ୍କ ‘ଗୀତା ଗ୍ରାମ’ ଗଠନ ଚିନ୍ତାଧାରା ପୂଜ୍ୟପାଦ ସ୍ୱାମୀଜୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ବିଶେଷ ଆଦୃତ ହୋଇଅଛି। ଗତ ଅଗଷ୍ଟ ୨୦୨୪ରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ଓଡ଼ିଶା ଗୀତା ପରିବାରର ଦ୍ୱିତୀୟ ମୈତ୍ରୀମିଳନ ଅବସରରେ ପୂଜ୍ୟ ସ୍ୱାମୀଜୀ ତାଙ୍କର ଆଶୀର୍ବଚନ ମାଧ୍ୟମରେ ଏହି ଚିନ୍ତାଧାରାକୁ ପ୍ରଶଂସା କରି ଏହାର ଅଧିକରୁ ଅଧିକ ପ୍ରସାର ନିମନ୍ତେ ପ୍ରେରଣା ପ୍ରଦାନ କରିଛନ୍ତି । ପୂଜ୍ୟ ସ୍ୱାମୀଜୀଙ୍କ ଆଶୀର୍ବଚନର କେତେକ ଅଂଶର ଓଡ଼ିଆ ଅନୁବାଦ ନିମ୍ନରେ ପ୍ରଦାନ କରାଗଲା।
” ଜଗନ୍ନାଥ ସ୍ୱାମୀ ନୟନ ପଥଗାମୀ ଭବତୁ ମେ।
ଆଜି ମୁଁ ବହୁତ ଖୁସି ଯେ, ମହାପ୍ରଭୁ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ଭୂମି ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟରେ ସୁନ୍ଦର ଗୀତା ମୈତ୍ରୀମିଳନ ଦ୍ୱିତୀୟ ଥର ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେବାକୁ ଯାଉଅଛି । ପ୍ରଥମ ଥର ଡ: ଆଶୁ ଭାଇ ଗୀତା ମୈତ୍ରୀମିଳନର ସଞ୍ଚାଳନ କରିଥିଲେ। ବର୍ତ୍ତମାନ ଡ: ସଞ୍ଜୟ ମାଲପାଣି ସଂଚାଳନ କରୁଛନ୍ତି । ଓଡ଼ିଶା ଗୀତା ପରିବାର ବିଷୟରେ ଯେବେଯେବେ ମୁଁ କିଛି ଶୁଣେ ମୋର ମନ ପ୍ରଫୁଲ୍ଲିତ ହୋଇଉଠେ। ମୁଁ ଆପଣମାନଙ୍କୁ ଅଭିନନ୍ଦନ ଜଣାଉଛି ଯେ, ଆପଣମାନେ ଗୀତା ଗ୍ରାମ ଗଠନ କରିଛନ୍ତି ଓ ଏକ ବସ୍ତି କରିଛନ୍ତି ଯେଉଁଠି ପ୍ରତିଦିନ ଗୀତା ପାଠ କରାଯାଉଛି। ପ୍ରମୋଦ କୁମାର ମହାନ୍ତି ଜୀ ଏହାକୁ ଏକ ସୁନ୍ଦର ଯୋଜନାବଦ୍ଧ ରୂପରେ ବିସ୍ତାର କରୁଛନ୍ତି। ଏହା ଆମ ସମସ୍ତଙ୍କ ପାଇଁ ଅତ୍ୟନ୍ତ ପ୍ରେରଣା ଦାୟକ । ସମସ୍ତେ ଭଗବାନ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ଛତ୍ରଛାୟାରେ ରହି, ତାଙ୍କ ସେବାରେ ସବୁଠାରୁ ଉତ୍ତମ କର୍ମରେ ଲାଗିଛନ୍ତି । ଜଗନ୍ନାଥ ସ୍ୱୟଂ ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣ। ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣ ଗୀତାରେ କହିଛନ୍ତି, ଯେଉଁ ଭକ୍ତ ଗୀତା ପଢ଼ିବ, ଅନ୍ୟମାନଙ୍କୁ ପଢ଼ାଇବ ଏବଂ ଗୀତାକୁ ଜୀବନରେ ପ୍ରୟୋଗ କରିବା ପାଇଁ ସଚ୍ଚୋଟତାର ସହ ଚେଷ୍ଟା କରେ, ସେ ମୋର ପ୍ରିୟ ।

ଆମେ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକୁ ଗୀତା ପରିବାର ଦ୍ୱାରା ୧୮୨ ଦେଶରେ କରୁଅଛୁ। କିନ୍ତୁ ଓଡ଼ିଶାର ଭାଇ ଏବଂ ଭଉଣୀମାନେ ଯେଉଁ ଦୃଷ୍ଟାନ୍ତ ଉପସ୍ଥାପନ କରିଛନ୍ତି ତାହା ଅତ୍ୟନ୍ତ ବିରଳ।

ମୁଁ ପରମପିତା ପରମାତ୍ମାଙ୍କ ନିକଟରେ ପ୍ରାର୍ଥନା କରୁଛି ଯେ, ଆପଣମାନଙ୍କଠାରୁ ପ୍ରେରଣା ନେଇ ସମସ୍ତ ସ୍ଥାନରେ ଏହିପରି ଗୀତା ଗ୍ରାମ ଗଠନ ହେଉ ଏବଂ ସମସ୍ତେ ନିରବଚ୍ଛିନ୍ନଭାବେ ଭାବେ ଗୀତା ପଢ଼ିବା ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ ନିଜର ଜୀବନକୁ ଗୀତା ଜ୍ଞାନାଲୋକ ରେ ପ୍ରକାଶିତ କରନ୍ତୁ, କାରଣ ଗୀତା ହେଉଛି ଆମ ସଂପୂର୍ଣ୍ଣ ଜୀବନର ନିୟମାବଳୀ ପୁସ୍ତକ। ଜୀବନକୁ କିପରି ଜୀଇଁବା ତା’ର ସୁନ୍ଦର ପଥ ପ୍ରଦର୍ଶିକା ଭଗବଦ୍ ଗୀତାରେ ଦିଆଯାଇଛି।”

ପରମପୂଜ୍ୟ ସ୍ୱାମୀ ଶ୍ରୀ ଗୋବିନ୍ଦଦେବ ଗିରି ଜୀ ଙ୍କର ଉପରୋକ୍ତ ଆଶୀର୍ବଚନକୁ ପାଥେୟ କରି ଓଡ଼ିଶା ଗୀତା ପରିବାର କୁ ଆଗେଇ ନେବା ପାଇଁ ମୁଁ ସମସ୍ତ ଗୀତାପ୍ରେମୀ ଓ ସେବୀମାନଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛି। ଏହାଦ୍ୱାରା ଗୀତା ପରିବାରର ଲକ୍ଷ୍ୟ ‘ଘରେ ଘରେ ଗୀତା, କରେ କରେ ଗୀତା’ ସାଧିତ ହୋଇପାରିବ।

ಕಂಡ ಕಂಡವರೇನು ಬಲ್ಲರಿದನು ಉಂಡವನು ಕಂಡಿಹನು ಇದರ ಹದನು ಎಂಬ ಕವಿ ಚೆನ್ನವೀರ ಕಣವಿ ಅವರ ನುಡಿಯಂತೆ ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ಒಡನಾಟದಲ್ಲಿರುವವರಿಗಷ್ಟೇ ಗೊತ್ತು ಚೈತನ್ಯದ ಚಿಲುಮೆಯಂತಿರುವ ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ಅನುಪಮ ಸೌಂದರ್ಯ ಚೆಲುವು. ಮಂದಿರದಂತಿರುವ ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ಹಂದರದಲ್ಲಿ ನಡೆಸುತ್ತಿರುವ ಆನ್ಲೈನ್ ತರಗತಿಗಳು ಗೀತೋಪದೇಶದ ಬಂಧುರವಾಗಿದೆ. ಗೀತೆಕಲಿಕೆಯ ಕ್ರಮವಂತು ಅತ್ಯಂತ ಸುಂದರವಾಗಿದೆ. ಪಂಚಮವೇದದ ಚೆಲುವಿನೊಡನೆ ಗೀತಾ ಸಾಧಕರ ಒಲವು ಹಾಗೂ ನಿಸ್ವಾರ್ಥ ಸೇವಿಗಳ ಬಲವು ಕೂಡಿ
ಗೀತಾ ಪರಿವಾರದ ಗೆಲುವಿಗೆ ಪೂರಕವಾಗಿವೆ. ಸನಾತನ ಧರ್ಮದ ಸಾರಸರ್ವಸ್ವವೇ ಆಗಿರುವ ಭಗವದ್ಗೀತೆಯಕಲಿಕೆಯು ವಿಶ್ವದಾದ್ಯಂತ ಪಸರಿಸುತ್ತಿದೆ. ಒಂದು ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾನಿಲಯದ ಸಾಧನೆಗೂ ಮೀರಿದ ಸಾಧನೆಯನ್ನು ಆನ್ಲೈನ್ ಮತ್ತು ಆಫ್ಲೈನ್ ತರಗತಿಗಳ ಮೂಲಕ ಗೀತಾ ಪರಿವಾರವು ಸಾಧಿಸಿ ತೋರಿಸುತ್ತಿದೆ. ಕೂತಲ್ಲೇ ತಮಗೆ ಸರಿಹೊಂದುವ ಸಮಯದಲ್ಲೇ ಆಬಾಲವೃದ್ಧರೆಲ್ಲರೂ ಇದರ ಲಾಭವನ್ನು ಪಡೆಯುವಂತಾಗಿದೆ. ಬಾಲಸಂಸ್ಕಾರ ತರಗತಿಗಳಂತೂ ಮುಂದಿನ ಪೀಳಿಗೆಗೆ ಉತ್ತಮ ಸಂಸ್ಕಾರವನ್ನು ನೀಡುತ್ತಿವೆ.
ಗೀತಾಪರಿವಾರದಲ್ಲಿ ವಿಶ್ವಾಸ, ನಂಬಿಕೆ, ಗೌರವ, ಮಮತೆ, ಮಾತೃವಾತ್ಸಲ್ಯ, ಪರಸ್ಪರ ಸೌಜನ್ಯ, ಸಂಭ್ರಮ, ಮನದ ಮಾತುಗಳು ಎಲ್ಲವೂ ಅಡಕವಾಗಿವೆ.
ನಕಾರಾತ್ಮಕ ಭಾವನೆಗಳನ್ನು ಲಯಗೊಳಿಸಿ ಸಕಾರಾತ್ಮಕ ಆಲೋಚನಾ ಪಥದಲ್ಲಿ ಮುನ್ನಡೆಸುವ ಸಾಮರ್ಥ್ಯ ಅದರದ್ದಾಗಿದೆ. ಮಾನಸಿಕ ಆರೋಗ್ಯ, ವ್ಯಕ್ತಿತ್ವ ವಿಕಸನಕ್ಕೆ ಪೂರಕವಾಗಿದೆ.
ನಾನು ಮನಸ್ಸಿಲ್ಲದ ಮನಸ್ಸಿನಿಂದಲೇ ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ಸಂಪರ್ಕಕ್ಕೆ ಬಂದೆ. ನನಗಾದ ಅದರ ವಿರಾಟ್ ಸ್ವರೂಪ ದರ್ಶನ ನನ್ನನ್ನು ಮೂಕವಿಸ್ಮಯವನ್ನಾಗಿಸಿತು.
ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ಕರೆ ಮಾಡುವ ವಿಭಾಗದಲ್ಲಿ ಸೇವಾನಿರತಳಾಗಿದ್ದ ನನ್ನ ಸೋದರಿ ಕುಸುಮ ಅಕ್ಕ ನನ್ನನ್ನು ಬಲವಂತವಾಗಿ ಗೀತಾ ಕಲಿಕೆಗೆ ಎಳೆದು ಕರೆತಂದು ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ಸೌಂದರ್ಯವನ್ನು ಆಸ್ವಾದಿಸಲು ಅನುವಾದಳು. ಸೀಮಾ ಅಕ್ಕ, ರಾಧಿಕಾರಾವ್ ಅಕ್ಕ, ರೂಪ ವಿ ಪೈ ಅಕ್ಕ ಈ ಮೂವರ ಕಾರ್ಯ ವೈಖರಿ, ಬದ್ಧತೆ, ಸಮಯ ಪ್ರಜ್ಞೆ, ತಾಳ್ಮೆಯನ್ನು ಕಂಡು ಬೆರಗಾದೆ. ನಾನು ಗೀತಾಪರಿವಾರದೊಡನಾಟವನ್ನು ಹೊಂದಬೇಕೆಂಬ ನಿರ್ಧಾರಕ್ಕೆ ಬಂದೆ. ನಿರಂತರವಾಗಿ ಸೇವಾನಿರತಳಾಗಬೇಕೆಂಬ ಉತ್ಕಟ ಆಕಾಂಕ್ಷೆಗೆ ಒಳಗಾದೆ. ಕೃಷ್ಣನ ಕೃಪೆಯಿಂದ ಒಂದೇ ವಾರದೊಳಗೆ ಟೆಕ್ ತರಬೇತಿಯನ್ನು ಪಡೆದೆ. ಮೊದಲ ಬ್ಯಾಚ್ ನಲ್ಲೇ ಪೂಜಾ ಅಕ್ಕನೊಡನೆ ಸೇವೆಕೊಡುವ ಸೌಭಾಗ್ಯ ನನ್ನದಾಯಿತು. ಯಾವ ಜನ್ಮದ ಸುಕೃತವೋ, ಯಾವ ಪುಣ್ಯದ ಫಲವೋ, ಕೃಷ್ಣ ಪರಮಾತ್ಮನ ಒಲವೋ, ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ಒಡನಾಟದಿಂದ ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಸಮಯಕ್ಕೆ ನಿತ್ಯ ಗೀತಾಪಾಠ, ಉತ್ಸಾಹಿ ಗೀತಾ ಸಾಧಕರ ಕೂಟದ ದರ್ಶನ, ಸುಂದರ ಅನುಪಠಣದ ನೋಟದ ಸೌಭಾಗ್ಯ ನನಗೆ ದೊರಕಿತು. ಸ್ವರಾಘಾತ, ಅಲ್ಪಪ್ರಾಣ, ಮಹಾಪ್ರಾಣದೆಡೆಗೆ ಒತ್ತು ನೀಡುತ್ತಾ, ಪರಿಶುದ್ಧ ಸ್ಪಷ್ಟ ಉಚ್ಚಾರಣೆಯ ತರಬೇತಿಯೊಡನೆ ಸಾಮೂಹಿಕ ಪಠಣದ ಅನುರಣಗೊಳ್ಳುವ ಪರಿ ಬೆರಗಾಗುವಂತೆ ಮಾಡಿತು.
ಪ್ರತಿಸ್ತರದಲ್ಲೂ ಪ್ರಾರಂಭೋತ್ಸವ,
ಪರಿಚಯ ಸತ್ರದೊಂದಿಗೆ ಸಹಪಾಠಿಗಳ ಸ್ನೇಹ ಬೆಸುಗೆಯ ಸಿಂಚನ, ವಿವೇಚನ ಸತ್ರಗಳಿಂದ ಜ್ಞಾನ ಸಂಚಯ, ಆನಂದೋತ್ಸವದಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿಭೆಗಳ ಅನಾವರಣ ಅಚ್ಚರಿಯನ್ನುಂಟುಮಾಡಿತು. ನಿತ್ಯ ಗೀತಾಮೃತ ಪಾನದೊಂದಿಗೆ ಗೀತಾಕಲಿಕೆಯ ಈ ಯಾನ ವ್ಯಕ್ತಿತ್ವ ವಿಕಸನದ ತಾಣದಂತೆ ಕಂಡಿತು. ಪ್ರತಿ ನಿತ್ಯವೂ ಸಜ್ಜನರೊಡನಾಟದ ಸೌಭಾಗ್ಯ ನನಗೆ ದೊರಕಿತು.
ಕಿಂಮಧುನಾ ಕಿಂ ವಿಧಯನಾ ಕಿಂ ಸುಧಾಯಾ ಕಿಂ ಚವಸುಧಯಾಖಿಲಯಾ| ಯದಿ ಹೃದಯಹಾರಿಚರಿತಃ
ಇದಕ್ಕಿಂತ ಅತಿಶಯವಾದುದು ಯಾವುದು?
ಸಜ್ಜನರ ಸಾಮೀಪ್ಯವೇ ನಮಗೆ ಹೆಚ್ಚಿನ ಸುಖವನ್ನೂ ನೆಮ್ಮದಿಯನ್ನೂ ತೃಪ್ತಿಯನ್ನೂ ಆಹ್ಲಾದವನ್ನೂ ನೀಡುವಂಥದ್ದು. ಸರ್ವಜ್ಞ ಹೇಳುವಂತೆ ಸಜ್ಜನರ ಸಂಗವದು ಹೆಜ್ಜೇನ ಸವಿದಂತೆ, ದುರ್ಜನರ ಸಂಗ ಬಚ್ಚಲ ಕೊಚ್ಚೆಯಂತಿಹದು ಸರ್ವಜ್ಞ||
ಪ್ರತಿ ನಿತ್ಯ ತೆರೆಯ ಮೇಲೆ ನೋಡುತ್ತಿದ್ದ ಪ್ರಶಿಕ್ಷರು ತೆರೆಯ ಹಿಂದೆ ಸಂಪರ್ಕಿಸುತ್ತಿದ್ದ ತಾಂತ್ರಿಕ ಸಹಾಯಕರು, ಗುಂಪು ಸಂಯೋಜಕರು, ಸಮೂಹ ಸಂಯೋಜಕರುಗಳನ್ನು ನೇರವಾಗಿ ನೋಡುವ ಹಂಬಲ ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬರಲ್ಲೂ ಮನೆ ಮಾಡಿತ್ತು.
ಬೆಂಗಳೂರು ನಿವಾಸಿಯಾದ ನಾನು ಮುಂಬೈಗೆ ಬರುವ ವಿಚಾರ ತಿಳಿದೊಡನೆಯೇ ಹಲವರು ತಮ್ಮ ಮನೆಗೆ ನನ್ನನ್ನು ಆಹ್ವಾನಿಸಿದರು. ಆಗ ತಟ್ಟನೆ ನನ್ನ ಮನಸ್ಸಿಗೆ ಬಂದದ್ದು ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರದಲ್ಲಿ ನೆಲೆಸಿರುವ ಕನ್ನಡ ಗೀತಾಪರಿವಾರದವರೆಲ್ಲಾ ಸಾರ್ವಜನಿಕ ಪ್ರದೇಶ ಒಂದರಲ್ಲಿ ಸೇರಿ ಗೀತಾಪಾರಾಯಣವನ್ನು ಮಾಡುವುದರಿಂದ ಪರಸ್ಪರ ಭೇಟಿ ಮಾಡುವುದರೊಂದಿಗೆ ಗೀತಾಪರಿವಾರದವರು ನಡೆಸುತ್ತಿರುವ ಆನ್ಲೈನ್ ಆಫ್ಲೈನ್ ತರಗತಿಗಳ ಪ್ರಚಾರವೂ ಆದಂತೆ ಆಗುತ್ತದೆ ಎಂಬ ಆಲೋಚನೆ. ಶ್ರುತಿ ನಾಯಕ್ ಅಕ್ಕನೊಂದಿಗೆ ಈ ಆಲೋಚನೆಯನ್ನು ಹಂಚಿಕೊಂಡಾಗ ಮೇಲಿನವರ ಒಪ್ಪಿಗೆಯನ್ನು ಪಡೆದು ಸಂತಸದಿಂದ ಸಮ್ಮತಿಸಿದರು. ಉಮಾ ರಾಮರಾವ್ ಅಕ್ಕ ಪೂರ್ಣ ಸಹಕಾರ ನೀಡಿದರು. ವಾಟ್ಸಪ್ ಗುಂಪಿನ ಸಹಕಾರದೊಂದಿಗೆ ಅಧಿಕ ಶ್ರಾವಣಮಾಸ ಶನಿವಾರದ ದಿನ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳನ್ನು

ಆಯೋಜಿಸಲಾಯಿತು. ಎಲ್ಲರ ಸಮಯೋಚಿತ ಸಲಹೆಗಳೊಂದಿಗೆ ಗೀತಾಪಾರಾಯಣ ಮತ್ತು ಹನುಮಾನ ಚಾಲೀಸ ಪಠಣವು ಯಶಸ್ವಿಯಾಗಿ ನೆರವೇರಿತು. ಗೀತಾವ್ರತಿಗಳಾದ ಸುರೇಖಾ ಕಾಮತ್ ಅಕ್ಕ ಮತ್ತು ಶ್ರುತಿ ನಾಯಕ್ ಅಕ್ಕ ಅವರಿಗೆ ಶಾಲು ಹೊದಿಸಿ ಸನ್ಮಾನಿಸಲಾಯಿತು. ಇಬ್ಬರೂ ತಮ್ಮ ತಮ್ಮ ಅನುಭವವನ್ನು ಹಂಚಿಕೊಂಡರು. ಅವರ ಮಾತುಗಳು ಉಳಿದವರಿಗೆ ಸ್ಫೂರ್ತಿಯನ್ನು ನೀಡಿತು. ಅಂದು ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಭಾಗವಹಿಸಿದ 85 ವರ್ಷ ಹರಯದ ಅತ್ಯುತ್ಸಾಹಿ ರಾಮಚಂದ್ರ ಕುಲಕರ್ಣಿ ಅಣ್ಣ ಇಂದು ಗೀತಾವ್ರತಿಯಾಗಿರುವುದು ಹರ್ಷದಾಯಕ ಸಂಗತಿಯಾಗಿದೆ. ಗೀತಾಪರಿವಾದದ ಸಂಪರ್ಕದಲ್ಲಿರುವ ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬರೂ ಗೀತಾವ್ರತಿಗಳಾಗಬೇಕೆಂಬುದೇ ಪರಮ ಪೂಜ್ಯ ಸ್ವಾಮೀಜಿಯವರ ಇಂಗಿತವಾಗಿದೆ.

ಬೆಂಗಳೂರಿಗೆ ಮರಳಿದ ಬಳಿಕ ಅನುಭವಿ ಪ್ರಶಿಕ್ಷಕರ ಸಲಹೆ ಮತ್ತು ಸಹಕಾರದೊಂದಿಗೆ ಅಜ ಏಕಾದಶಿಯೊಂದು ಬೆಂಗಳೂರಿನ ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂನಲ್ಲಿರುವ ಶಿರಡಿ ಸಾಯಿಬಾಬಾ ಮಂದಿರದಲ್ಲಿ ಗೀತಾಪಾರಾಯಣವನ್ನು ಏರ್ಪಡಿಸಲಾಗಿತ್ತು. 82 ಜನ ಗೀತಾಸೇವಿಗಳು ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಕ್ಕೆ ಸಾಕ್ಷಿಯಾದರು. ಸಾಯಿಮಂದಿರದವರ ಸಹಕಾರದಿಂದ ಹೋಳಿಗೆ ಪಾಯಿಸದ ಭೋಜನ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯನ್ನೂ ಮಾಡಲಾಗಿತ್ತು. ಅದೊಂದು ಅವಿಸ್ಮರಣೀಯ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮವಾಗಿತ್ತು.

ಭಗವಂತನ ಕೃಪೆಯಿಂದ ಬೆಂಗಳೂರು ಸಮೀಪದ ಬಾಗೇಪಲ್ಲಿಯ ಸತ್ಯ ಸಾಯಿ ಸ್ಕೂಲ್ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ಸಂಜೆ 3:50ಕ್ಕೆ ಭಗವದ್ಗೀತೆ L2 ಕ್ಲಾಸ್ ಹೋಸ್ಟ್ ಮಾಡುವ ಸೌಭಾಗ್ಯ ನನ್ನದಾಯಿತು. ನಮ್ಮ ದೇಶದ ಪ್ರತಿ ಶಾಲೆಯು ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ಈ ಸೌಲಭ್ಯವನ್ನು ಪಡೆದುಕೊಳ್ಳುವಂತಾದರೆ ಭಾರತೀಯ ಸಂಸ್ಕೃತಿ, ಸಂಸ್ಕಾರ ಚಿರಸ್ಥಾಯಿ ಆಗುವುದರಲ್ಲಿ ಯಾವುದೇ ಸಂದೇಹವೂ ಇಲ್ಲ.

ಭಾರತೀಯರಾಗಿ ಜನ್ಮತಾಳಿದ ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬರೂ ಭಗವದ್ಗೀತೆಯನ್ನು ಕಲಿಯಲೇ ಬೇಕು. ಭಗವಂತನ ನುಡಿಗಳೇ ಆಗಿರುವ ಭಗವದ್ಗೀತೆ ಅತಿಮಧುರ ಮಾತ್ರವಲ್ಲ

ಆತ್ಮೋದ್ಧಾರದ ಪರಮತತ್ತ್ವದ ವಿಚಾರ.

ಅಷ್ಟಾದಶಯೋಗದ ಚಲ್ವಿನ ಹಂದರವಾದ ಗೀತೆಯನ್ನು ಶುದ್ಧ ಹಾಗೂ ಸ್ಪಷ್ಟ ಉಚ್ಚಾರಣೆಯೊಂದಿಗೆ ವಿಶ್ವದಾದ್ಯಂತ ಗೀತಾಪರಿವಾರ ಪ್ರಚಾರ ಮಾಡುತ್ತಿದೆ.

ಶ್ರೀಮದ್ಭಗವದ್ಗೀತೆಯ ಪ್ರತಿ ನುಡಿಯೂ ಸತ್ಯ

ಬಿಡದೆ ಎಲ್ಲರೂ ಪಠಿಸಲೇ ಬೇಕು ನಿತ್ಯ. ದಿಟದಿ ಅಧಿಕವಾಗುವುದಾಗ ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬರ ಸಾಮರ್ಥ್ಯ. ಮುಕ್ತಿಪಥಕಿದು ಹೆದ್ದಾರಿಯೆಂಬುದೇ ತಥ್ಯ. ಈ ಸಲುವಾಗಿಯೇ ಗೀತಾಪರಿವಾರವೂ ನಿತ್ಯ ಗೀತಾಪಠಣ, ವಾರಕ್ಕೊಮ್ಮೆ ಸಂಪೂರ್ಣ ಗೀತಾ ಪಾರಾಯಣ, ಗೀತಾ ಚಿಂತನಿಕ, ಪ್ರತಿ ತಿಂಗಳೂ ಏಕಾದಶಿಯ ದಿನದಂದು ದೇಶದ ಎಲ್ಲೆಡೆಯೂ ಆಫ್ಲೈನ್ ಮತ್ತು ಆನ್ಲೈನ್ ಭಗವದ್ಗೀತೆಯ ಸಂಪೂರ್ಣ ಪಾರಾಯಣ, ವಿವಿಧ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಗೀತಾಕಂಠಸ್ಥೀಕರಣದ ಪರೀಕ್ಷೆಗಳನ್ನು ಆಯೋಜಿಸಿದೆ. ಭಗವದ್ಗೀತಾ ಕಲಿಕೆಗೆ ಪೂರಕವಾಗಿ ಪ್ರತಿ ಸ್ತರದಲ್ಲೂ ಏರ್ಪಡಿಸಿರುವ ವಿಶೇಷ ವ್ಯಾಕರಣ ಉಪನ್ಯಾಸವಂತೂ ಸಾಧಕರ ಜ್ಞಾನವನ್ನೂ ಭಾಷಾ ಸಾಮರ್ಥ್ಯವನನ್ನೂ ಹೆಚ್ಚಿಸಲು ಪೂರಕವಾಗಿದೆ. ಶ್ರೀವತ್ಸ ಜೋಶಿ ಅಣ್ಣ ಮತ್ತು ಶ್ರುತಿನಾಯಕ್ ಅಕ್ಕನೊಂದಿಗೆ ಈ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಸಕ್ರಿಯವಾಗಿ ಭಾಗಿಯಾಗುವ ಸದವಕಾಶವನ್ನು ಕೃಷ್ಣ ಪರಮಾತ್ಮ ನನಗೆ ಒದಗಿಸಿರುವುದು ಅತ್ಯಂತ ಸಂತಸವನ್ನು ನೀಡಿದೆ.

ವಿಶೇಷ ಸಂದರ್ಭಗಳಲ್ಲಿ ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ವತಿಯಿಂದ ಆಯೋಜಿಸುವ ಸ್ನೇಹ ಮಿಲನ, ಗೀತಾಭಕ್ತಿ ಅಮೃತ ಮಹೋತ್ಸವದ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳ ವ್ಯವಸ್ಥೆಯಂತೂ ಗೀತಾಸೇವಿಗಳ ಕಾರ್ಯನಿಷ್ಠೆ, ಬದ್ಧತೆ, ಸಾಮರ್ಥ್ಯಕ್ಕೆ ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿವೆ.

ಶ್ರುತಿ ನಾಯಕ್ ಅಕ್ಕನ ದೆಸೆಯಿಂದ ಪುಣೆಯ ಸಮೀಪದಲ್ಲಿರುವ ಆಳಂದಿಯಲ್ಲಿ ಏರ್ಪಡಿಸಲಾಗಿದ್ದ ಗೀತಾಭಕ್ತಿ ಅಮೃತ ಮಹೋತ್ಸವ ಸಿದ್ಧತೆಗೆ ನಾನು ಸಾಕ್ಷಿಯಾಗಿದ್ದೆ. ಅಲ್ಲಿ ನನಗಾದ ಅನುಭವವನ್ನು ನಿಮ್ಮೊಂದಿಗೆ ಹಂಚಿಕೊಳ್ಳಲು ಇಚ್ಛಿಸುತ್ತೇನೆ.

ಗೀತಾಭಕ್ತಿ ಅಮೃತ ಮಹೋತ್ಸವ ಸಿದ್ಧತೆ ಭರದಿಂದ ಸಾಗಿತ್ತು
ಸ್ವಚ್ಛತೆ, ಸ್ಪಷ್ಟತೆ ಉತ್ಸಾಹಗಳನು ಪ್ರತಿನಿಧಿಸಿತ್ತು
ನಿಸ್ವಾರ್ಥ ಸೇವಿಗಳ ಶಕ್ತಿ ಸಾಮರ್ಥ್ಯ ಪ್ರತಿಫಲಿಸಿತ್ತು
ಪಾವಿತ್ರತೆಯ ದರ್ಶನ ಭಾಗ್ಯ ಗೀತಾ ಸೇವಿಗಳಿಗೆ ದೊರಕಿತ್ತು

ಇಂದ್ರಾಣಿಯಂಗಳಕೆ ಇಂದ್ರಲೋಕ ಬಂದಿಳಿದಿತ್ತು
ಬೃಹತ್ ಭವ್ಯಮಂಟಪವು ನಿರ್ಮಾಣವಾಗಿತ್ತು
ಪಟ್ಟಾಭಿಸೀತಾರಾಮರ ಸುಂದರ ಮಂಟಪ ಮುಂದಿತ್ತು
ಅಂಗಳದ ತುಂಬೆಲ್ಲ ರಂಗೋಲಿ ಕಂಗೊಳಿಸಿತ್ತು

ಋಷಿಮಹರ್ಷಿಗಳಾಶ್ರಮಗಳೇ ಧರೆಗೆ ಇಳಿದಿತ್ತು
ತರುಪುಷ್ಪಾಲಂಕೃತದ ದಿವ್ಯ ಮಂಟಪ ಮನಸೆಳೆದಿತ್ತು
ನವಯಜ್ಞಕುಂಡದ ನವಕುಟೀರ ದಿವ್ಯವಾಗಿತ್ತು
ವೇದಮಂತ್ರಗಳ ಪಠಣ ನಿರಂತರ ಮಾರ್ದನಿಸುತ್ತಿತ್ತು

ಬಾಲಛಾತ್ರರಿಂದ ಪಾರಾಯಣ ನಡೆದಿತ್ತು
ಭಕ್ತಸ್ತೋಮ ಅಳಂದಿಗೆ ಹರಿದು ಬಂದಿತ್ತು
ಆಳಂದಿಯ ಧರ್ಮಶಾಲೆಗಳೆಲ್ಲ ತುಂಬಿ ತುಳುಕಿತ್ತು
ಪ್ರವಾಸಿ ತಂಗುದಾಣಗಳಲ್ಲಿ ಸ್ಥಳವಿಲ್ಲವಾಗಿತ್ತು

ಕಾರ್ಯಕ್ರಮಗಳ ತಾಲೀಮು ಚಂದದಿ ನಡೆದಿತ್ತು
ಊಟೋಪಚಾರಗಳು ಸುವ್ಯವಸ್ಥಿತವಾಗಿತ್ತು
ದೇಶ ವಿದೇಶಗಳಿಂದ ಸೇವಿಗಳ ಪಡೆಯೇ ಬಂದಿತ್ತು
ಗೀತಾಪರಿವಾರದ ಶಿಸ್ತು ಸಂಯಮ ಎಲ್ಲೆಡೆಯು ನೆಲೆಸಿತ್ತು.

ಜ್ಞಾನೇಶ್ವರ ಸಾನಿಧ್ಯದಲಿ ಸಾರ್ಥ ಜ್ಞಾನೇಶ್ವರೀ ಅನುಗ್ರಹ ನಮಗಾಯ್ತು
ಸಿದ್ಧಪುರುಷರ ಸಿದ್ನೇಶ್ವರ ಪೀಠದರ್ಶನ ಸೌಭಾಗ್ಯ ನಮಗಿತ್ತು
ವೇದಶ್ರೀ ತಪೋವನದ ಪ್ರಶಾಂತ ಪರಿಸರದಿ ಮನಪುಳಕಗೊಂಡಿತ್ತು
ಗುರುಗೋವಿಂದ ಜೀ ಮಹಾರಾಜರ ಆಶೀರ್ವಾದ ಭಾಗ್ಯ ನಮಗಿತ್ತು

ಭೋಜನ ವಿತರಿಸುವ ಸೌಭಾಗ್ಯ ನಮಗೆಲ್ಲ ದೊರಕಿತ್ತು
ಗೀತಾಪರಿವಾರದವರ ಆತ್ಮೀಯತೆಯ ಪ್ರೇಮ ಸಿಂಚನವಾಗಿತ್ತು
ನಿಸ್ವಾರ್ಥಸೇವೆಯ ಪ್ರತಿಫಲದ ಅನುಭವ ಎಲ್ಲರಿಗೂ ಆಗಿತ್ತು
ಸವಿನೆನಪುಗಳ ಬುತ್ತಿಯನೇ ಹೊತ್ತು ಮನೆಯೆಡೆಗೆ ಪ್ರಯಾಣ ಬೆಳೆದಿತ್ತು.

ಪರಮ ಪೂಜ್ಯ ಸಂತ ಸ್ವಾಮಿ ಶ್ರೀ ಗೋವಿಂದ ದೇವ ಗಿರಿಜೀ ಮಹಾರಾಜ್ ಅವರ ನುಡಿಯಂತೆ ಗೀತೆಯನ್ನು ಕಲಿಯೋಣ, ಕಲಿಸೋಣ, ಜೀವನದಲ್ಲಿ ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳೋಣ. ಮನೆ ಮನೆಯಲ್ಲೂ ಗೀತೆ ಪ್ರತಿಯೊಬ್ಬರ ಕರದಲ್ಲೂ ಮನದಲ್ಲೂ ಗೀತೆ ನೆಲೆಸುವಂತೆ ಮಾಡೋಣ.

ಪದ್ಮ ಶ್ರೀಧರ
ಬೆಂಗಳೂರು

জয় শ্রীকৃষ্ণ।
যোগেশ্বৰ প্ৰভু শ্ৰীকৃষ্ণৰ চৰণত শতকোটি প্ৰণিপাত জনাই গীতা আৰু গীতা পৰিৱাৰৰ সৈতে মোৰ জীৱন কেনেধৰণে জড়িত হৈছে তাক অকণমান প্ৰকাশ কৰিবলৈ সুবিধাকণ দিয়াৰ বাবে প্ৰথমে মই Newsletter Department, Geeta Parwarৰ ওচৰত মোৰ সশ্ৰদ্ধ কৃতজ্ঞতা জ্ঞাপন কৰিছোঁ।

মোৰ জীৱনলৈ গীতা মাতাৰ প্ৰৱেশ ঘটিছিল মই ক্লাছ টেনত পঢ়ি থাকোঁতেই। মোৰ এজন বন্ধুসদৃশ দাদাৰ ঘৰলৈ তেখেতৰ মোৰ প্ৰতি থকা ভাল ভাবৰ বাবে সঘনাই ৰাতি থকাকৈও অহা-যোৱা ঘটিছিল। মই বৰ ভয়াতুৰ স্বভাৱৰ আছিলো বাবে দাদাজনৰ লগত মিলা মিছা কৰি মনলৈ এক নিৰ্ভয় ভাবো আহিছিল যিহেতু তেখেত অলপ কাজিয়া পেচালৰ ক্ষেত্ৰত, অৱশ্যে হক কথাত, পিছ পৰা বিধৰ নাছিল। এদিন তেখেতলোকৰ ঘৰলৈ সন্ধিয়া গৈ পূৰ্বনিৰ্ধাৰিত পৰিকল্পনা মতে তেখেতৰ লগত বাগান শ্ব' চিনেমা চাবলৈ গৈছিলো। কিন্তু প্ৰবল বৃষ্টিপাত হোৱাত চিনেমা বন্ধ কৰি দিব লগা হ'ল আৰু আমি তিতি তিতি তেখেত লোকৰ ঘৰলৈ আহিলো। কাপোৰ কানি সলনি কৰি খাই শুই পৰিলোঁ। মাজনিশা প্ৰায় বাৰ মান বজাত প্ৰচণ্ড চিঞৰ বাখৰ আৰু কান্দোনৰ শব্দত সাৰ পাই উঠি দেখিলোঁ যে কমলদাৰ মাকে হিয়া ঢাকুৰি কান্দিছে আৰু কপিদা খনেৰে নিজক কাটিব খুজিছে। আক তাক সুধি গম পালো যে কমলদাৰ ডাঙৰ ককায়েক ফণী দাদা বোলে চিনেমাৰ পৰা অকলে ঘূৰি আহোঁতে কিবা ভয় খাই ঘৰ পোৱাৰ পাছতে ঢুকাই থাকিল। ফণী দাদাই বিয়া পাতি এজনী ছোৱালী আৰু দুটি যমজ পুত্ৰৰ জন্ম দি ঘৰৰ পৰা বেলেগ হৈ আছিল। ল'ৰা দুটি কেঁচুৱা আৰু ছোৱালীজনী দুই তিনি বছৰ মান হৈছিল চাগৈ।
এই ঘটনাত মই হতভম্ব হৈ পৰিলোঁ আৰু মানৱ জীৱনৰ ইমান অনিশ্চয়তাৰ কথা জানি মোৰ ভয়াতুৰ স্বভাৱটোৱে মোক ভীষণভাৱে চিন্তিত কৰি তুলিলে। ৰাতিটো এটা ত্ৰাসময় পৰিৱেশেৰে পাৰ কৰি ৰাতিপুৱা নিজৰ ঘৰ পালোহি। নানা চিন্তা আৰু আশঙ্কাই মোৰ মনটো প্ৰায় কোঙা কৰি পেলালে। তাৰ মাজতে এদিন মোৰ দাদাই আনি থোৱা আচাৰ্য্য বিনোৱা ভাৱেৰ 'গীতা প্ৰৱচন' নামৰ অসমীয়া অনুবাদ কিতাপখন চকুত পৰিল। কিতাপখন মেলি পঢ়িবলৈ ধৰি গম পালোঁ যে জীৱন মৰণ, মানুহৰ জীৱনৰ এটা সাধাৰণ প্ৰক্ৰিয়া আৰু তাত ইমান গুৰুত্ব দিয়া বা হতাশ হোৱাৰ কোনো যথাৰ্থতা নাই। তাৰ পিছত 'কৰ্মযোগ'ৰ বিষয়ে পঢ়ি গম পালো যে মানুহৰ কৰ্মত হে অধিকাৰ আছে, কৰ্মৰ সকলো পৰিণতি ঈশ্বৰৰ হাতত। কথাখিনি জানি কিবা এটা নতুন ধৰণৰ উপলব্ধি মনলৈ আহিল আৰু মনটো বহুত মুকলি হ'ল। আৰু গীতা যে পঠনীয় পুথি তাক মই তেতিয়াই অনুধাৱন কৰিলোঁ। কিন্তু বয়স, ঘৰুৱা পৰিৱেশ, পঢ়াশুনাৰ বাধ্যবাধকতা আদিৰ বাবে গীতাৰ সিমান ভিতৰলৈ সোমাব পৰা নাছিলোঁ। কিন্তু কম বয়সতে অৰ্থাৎ প্ৰি ডিগ্ৰী (বিজ্ঞান)(এতিয়াৰ হায়াৰ চেকেণ্ডেৰী) পাচ কৰিয়েই বেঙ্কৰ চাকৰিত জইন কৰিলোঁ। দুমাহমানৰ পিছতে শ্ৰীগৌৰীচৰণ বৰকটকী দেৱে লিখা গীতাৰ এখন অসমীয়া ভাঙনি কিতাপ কিনি আনিলো। কিতাপখনত মূল সংস্কৃত শ্লোকসমূহ অসমীয়াত লিখা আছে আৰু প্ৰত্যেকটো শ্লোকৰ তলত শ্লোকৰ ভাঙনিখিনি অসমীয়াত লিখা আছে। এতিয়া মই গীতা পৰিৱাৰত যোগ দি জানিব পাৰিছো যে তেখেতৰ ভাঙনি যথেষ্ট উন্নত মানদণ্ডৰ। কিন্তু ছপাশালৰ ভূতটোৰ বাবে দুই এটা শব্দই বেলেগ ৰূপ নোলোৱা নহয়।

মোৰ পাঠ্যক্ৰমত সংস্কৃত ভাষাটো নাছিল। জ্ঞান আহৰণৰ ক্ষেত্ৰত সংস্কৃত ভাষাৰ যে ইমান গুৰুত্ব আছে তাক ঘূণাক্ষৰেও জনা নাছিলো। সংস্কৃত নজনাৰ বাবে শ্লোকতনো কি কি শব্দ লিখা আছে, অসমীয়াতে লিখি থোৱা সত্ত্বেও মই কেতিয়াও পঢ়া নাছিলো আৰু কেৱল ভাঙনি খিনি মাজে মাজে পঢ়িছিলো। ভাঙনি পঢ়িলেও আধ্যাত্মিক কথাবিলাক পোনচাটে বুজা মুঠেই সহজ নহয়। সেয়ে বুজা নুবুজাকৈয়ে মাজে সময়ে মই গীতাখন উলিয়াই লওঁ আৰু অভ্যাসটো চেগাচোৱোকাকৈ হ'লেও চলাই আহিছিলো। মাজে মাজে পঢ়িলেও গীতাৰ বহুতো কথাই মোক দ্বিধাগ্ৰস্ত ও কৰি তুলিছিল। এইয়া হ'ল নুবুজাৰ দোষ। কিন্তু শেহলৈ অৰ্থাৎ ২০১০ চন মানৰ পৰা টিভিত আধ্যাত্মিক চেনেল দুটামান চাওঁতে গীতাৰ বিষয়ে জ্ঞান দিয়া এজন আধ্যাত্মিক গুৰু "স্বামী নিৰ্ৱেশানন্দ তীৰ্থৰ প্ৰৱচন ইংৰাজী ভাষাত শুনিবলৈ পালোঁ। মই ইংৰাজীত সিমান পকা নহয়, কিন্তু স্বামীজীৰ সৰল ভাষাৰ ব্যৱহাৰ আৰু পৰিষ্কাৰ কথনভঙ্গীয়ে মোক তেখেতৰ ভাষণৰ প্ৰতি আগ্ৰহী কৰি তুলিলে। তাতে বিষয় হ'ল মোৰ সদা কৌতূহল জগোৱা 'গীতা' ! তেখেতৰ গীতা ব্যাখ্যা কিছুদিন শুনাৰ পাছতে গীতাৰ বহুতো ধাৰণা স্পষ্ট হৈ ধৰা দিলে আৰু গৌৰীচৰণ বৰকটকী দেৱৰ ভাঙনিখনো ভালকৈ বুজি পোৱা হ'লো । তথাপি কিন্তু সংস্কৃত নজনাৰ বাবে ক্ৰম অনুসৰি কথাবিলাক বুজিবলৈ সদায়ে অসুবিধা হৈ আছিল।

চাকৰিৰ পৰা অৱসৰ লৈ ২০২৩ চনৰ জুলাই মাহৰ batch টোৰ বাবে দিয়া গীতা পৰিৱাৰৰ বিজ্ঞাপনটো ফেচবুকত পাই মই হাততে স্বৰগ ঢুকি পোৱা যেন লাগিল। কাৰণ মই বুজি উঠিছিলো যে সংস্কৃতত অনুপঠন কৰিবলৈ অভ্যাস কৰিলে স্বাভাৱিকতে মই সংস্কৃত ভাষাটোৰ বিষয়েও যথেষ্ট জানিব পাৰিম আৰু গীতাৰ বিষয়ে থকা মোৰ বিভিন্ন দ্বিধা অথবা নুবুজা কথাবোৰৰ জটিলতা আঁতৰিব। ইতিমধ্যে মোৰ এটা কথা ক'বলৈ থাকি গৈছিল। মই সংস্কৃতৰ উচ্চাৰণ তথা গীতা পঠনৰ নিয়মবিলাক নাজানো যদিও দ্বিতীয় অধ্যায়টো তেনেকৈ ভুল উচ্চাৰণৰ সৈতেই মুখস্থ কৰাৰ চেষ্টা কৰিছিলোঁ কাৰণ দ্বিতীয় অধ্যায়টিতে গীতাৰ যথেষ্টসংখ্যক জানিবলগীয়া কথাৰ মই বুজি উঠিছিলো। সেয়েহে প্রত্যাহ্বান হিচাবে লৈয়ে এই অধ্যায়টিৰ যথেষ্ট সংখ্যক মোৰ শ্লোক মুখস্থ হৈ উঠিছিল। যি কি নহওঁক, গীতা পৰিৱাৰত যোগদান কৰি প্রথম দিনাৰ শ্রেণীকক্ষত উপস্থিত থাকি সংস্কৃতত গীতা উচ্চাৰণ কৰিবলৈ পাই এক অবুজ আনন্দৰ অনুভূতিত উতলা হৈ পৰিছিলো। আমাৰ অসমীয়া ভাষাত যিকোনো শব্দ বা আখৰৰ উচ্চাৰণত বৰ বেছি জটিলতা নাই। কাৰণ চ, শ, ষ আৰু স-ৰ মাজত উচ্চাৰণৰ পার্থক্য সাধাৰণতে পৰিলক্ষিত নহয়। ময়ো তাৰ ব্যতিক্রম নহওঁ। সেয়েহে এই 'চ'-সমূহ উচ্চাৰণ কৰোঁতে প্রশিক্ষক তথা গীতা পৰিৱাৰৰ উচ্চস্থানীয় লোকৰ ওচৰত কোনো কোনো ক্ষেত্রত লাজত পৰাৰ দৰে হৈছিল। যি কি নহওঁক, এনেকৈ চেষ্টা কৰিয়েই মই জিজ্ঞাসু, পাঠক আৰু পথিক পৰীক্ষাত উত্তীর্ণ হ'লো। অৱশ্যে পথিক পৰীক্ষাত ফলাফল সন্তোষজনক নহ'ল, মাত্র ৬৯% হে লাভ কৰিবলৈ সক্ষম হ'লো। পাঠক পৰীক্ষাত ৮৫% তকৈ দশমিক স্থানত কিবা এটা বেছি নম্বৰ পাই মই প্রশিক্ষকৰ বাবে দর্খাস্ত কৰিলো আৰু L1 প্রশিক্ষকৰ পদ লাভ কৰিলো। ইয়াৰ পাছত যোৱা জুন মাহৰ আগে আগে L2 প্রশিক্ষকৰ বাবেও দর্খাস্ত কৰি সফল হৈ L2 ৰ প্রশিক্ষকো হ'লো । এই মাহত অর্থাৎ চেপ্তেম্বৰ মাহত পুনৰ L3 ৰ প্রশিক্ষকৰ বাবে সাক্ষাৎকাৰলৈকে যাবতীয় সকলো পর্য্যায় পাৰ কৰাৰ পাছত আজি অর্থাৎ ২৯/০৯/২০২৪ তাৰিখে মই নির্বাচিত হোৱাৰ ফলাফল লাভ কৰিছোঁ।

গীতা পৰিৱাৰৰ সুশৃঙ্খল কার্য্যব্যৱস্থাই মোৰ লগতে সকলোকে উৎসাহিত কৰি তুলিছে আৰু আধ্যাত্মিক চর্চাৰ ক্ষেত্রত সকলোকে জড়িত কৰি আগ্রহী কৰি তুলিছে। স্বামীজীৰ সুচিন্তিত পৰিকল্পনা আজি সুন্দৰকৈ ৰূপায়িত হৈছে আৰু আধ্যাত্মিকতাৰ পৱিত্র জ্ঞানৰ দ্বাৰা মানুহৰ আভ্যন্তৰীণ সত্ত্বাক জগাই তুলিছে। ই অতি শুভ লক্ষণ। যোগেশ্বৰ শ্রীকৃষ্ণৰ কৃপাত আৰু গীতা পৰিৱাৰৰ সকলো কর্মকর্তাৰ নিস্বার্থ সেৱাৰ ফলত এই সকলো সম্ভৱ হৈ উঠিছে।

গীতা পৰিৱাৰৰ লগত হোৱা সম্পর্কৰ বিষয়ে ইমানকে কৈ মোৰ এই ক্ষুদ্র লেখনিৰ সামৰণি মাৰিছোঁ।

শ্রী কেশৱ চন্দ্র বৰা
যোৰহাট, অসম
পি. আৰ. এন. ৮০৩৯০৭
গীতা পৰিৱাৰ

જય શ્રી કૃષ્ણ.

ગીતા પરિવાર સાથે જોડાઈને મારા જેવા ઘણાના જીવનમાં ઘણા સકારાત્મક પરિવર્તન આવ્યા છે. હું મારી જ વાત કરું , મારા માં આવેલા પરિવર્તન ની વાત કરું , મારી અકારણ ચિંતાઓ કાયમ માટે જતી રહી છે.
રાતની ઊંઘ, જે પહેલાં વચ્ચે વચ્ચે જાગી જવાથી પૂરી નહોતી થતી તે હવે રાતથી સવાર સુધી શાંત નિદ્રા આવે છે. મારી વિચારશક્તિ એકદમ સંતુલિત થઈ ગઈ છે. સંપૂર્ણપણે શ્રીકૃષ્ણ પ્રત્યે સમર્પણ ભાવ આવી જવાથી કોઈ વાતની ફિકર ચિંતા રહેતી નથી. સારા માઠાં પ્રસંગોમાં વિચલિત નથી થવાતું કેમ કે ગીતા પરિવાર માં જોડાઈને ગીતાજીને જીવનમાં ઉતારવાના પ્રયત્નોથી આત્મવિશ્વાસ વધ્યો છે.

ગીતા પરિવાર માં સેવા આપવાથી અનેરો આનંદ આવે છે. ગીતા પરિવાર ની સેવા કહો, ગીતાજી ની સેવા કહો કે શ્રીકૃષ્ણ ની સેવા બધું એક જ છે. ગીતા પરિવાર માં સેવા કરવાનો જે અનુભવ છે તે અદ્ભુત છે અને તે શબ્દમાં વર્ણવી શકાય તેમ નથી. એના માટે તો સેવા કરવાનો સ્વઅનુભવ જ લેવો પડે.ગીતા પરિવાર માં 12000 જેટલા સ્વંસેવકો કોઇ પણ બદલા ની આશા રાખ્યા વગર સેવાકાર્ય માં યોગદાન દઈ રહ્યા છે.

હું પણ ગીતા પરિવાર માં યોગદાન આપવા ટ્રેનર બની અને જ્યારે બધાને શુદ્ધ શ્લોક બોલતા શીખવાડું છું ત્યારે મારા અને મારા જેવા દરેક ટ્રેનરોમાં નમ્રતા આપોઆપ જ જીવનમાં આવી જાય છે. નમ્રતા ગીતા પરિવારના દરેક સેવી નો સ્વભાવ બની જાય છે. (यतवाक्कायमानसः) જ્યારે હું ભણાવતી હોઉં અને કોઈની ભૂલ થાય અને તે પણ જો વારંવાર ભૂલ થાય તો પણ હું શાંતિથી સમજાવું છું કારણકે નમ્રતા આપોઆપ જ આવી જતી હોય છે.

એક વખત મારી દીકરી એ જોયું કે હું શાંતિથી બધાને ભણાવું છું ને હું જરા પણ ચિડાતી નથી ,ત્યારે મારી દીકરીએ મને કહ્યું કે મમ્મી, જ્યારે તું મને ભણાવતી હતી ત્યારે તું મને કેટલું ચિડાતિ હતી અને આ લોકો આટલી બધી ભૂલો કરે છે તો પણ તું કેટલું શાંતિથી એ લોકોને સમજાવે છે તો મેં કહ્યું, બેટા, ત્યારે જો હું ગીતા પરિવાર સાથે સંકળાયેલી હોત તો ત્યારે હું કદાય તને પણ ના વઢી હોત અને એ બધો બદલાવ ગીતાભ્યાસ ને આભારી છે.

પરમ પૂજ્ય સ્વામી ગુરુ ગોવિંદ દેવગિરીજી ના આશીર્વાદ અને પ્રેરણાથી ગીતા પરિવાર માં નીતનવા કાર્યક્રમો અવિરત થયા જ કરે છે . મોટામાં મોટી મલ્ટીનેશનલ કંપની થી પણ વધારે સરળતાથી અને સુંદર રીતે બધું આયોજન યોજનાબધ્ધ રીતે થાય છે. અનેક ભાષાઓમાં રોજના લગભગ 2000 જેટલા વર્ગો , સવારે ૪ વાગ્યા થી રાત્રે ૨ વાગ્યા સુધી લેવાય છે તે અકલ્પ્ય લાગે અને દરેક વર્ગ એકદમ સુચારુ રૂપે સમયસર શરૂ થાય છે. અડધી મિનિટનો પણ વિલંબ નથી થતો. ટાઇમ મેનેજમેન્ટ એ ગીતા પરિવાર ની ઓળખાણ છે.

10 લાખથી વધુ લોકોનું જીવન પરિવર્તન કરવાનું શ્રેય પરમ પૂજ્ય સ્વામી ગુરુ ગોવિંદદેવગિરીજી અને બધા વરિષ્ઠ કાર્યકર્તાઓને જાય છે એમના માર્ગદર્શનથી એટલા બધા નવા નવા કાર્યક્રમો થતા રહે છે કે ગણવા બેસીએ તો નવાઇ લાગે કે ગીતા પરિવાર આપણા સમાજને કેટ કેટલા નિ:શુલ્ક લાભ આપી રહ્યા છે, જેમાં સોમવારથી શુક્રવાર શુદ્ધ સંસ્કૃત શ્લોક ના ઉચ્ચારણ ના વર્ગો, શનિવારે અને રવિવારે ગીતા વિશારદ કે ગીતા પ્રવિણા દ્વારા વિવેચન, દર રવિવારે વિવિધ પરીક્ષાઓ, વ્યાકરણના વર્ગો, પરિક્ષા માટે વધારાના વર્ગો, એકાદશીના દિવસે ચિંતનિકા, દરરોજ સવારે 6.30 વાગે અને રાત્રે 9.30 વાગે ગીતા વ્રતી દ્વારા રોજ નો એક અધ્યાય નું પારાયણ અને 5 હનુમાન ચાલીસા.દરેક રવિવારે સંપૂર્ણ ગીતાજી નુ પારાયણ,તે સિવાય ગીતા જયંતિ હોય કે ઓનલાઇન વાર્ષિક ઉત્સવ , કેટકેટલા વિવિધ કાર્યક્રમો અવિરત ચાલી રહ્યા છે અને સાથે સાથે ઓફલાઈન કાર્યક્રમો પણ પૂરજોશથી સમસ્ત વિશ્વમાં ચાલી રહ્યા છે. ભારતમાં જ નહીં ભારતની બહાર પણ ઘણા સેવીઓ ઓફલાઈન કાર્યક્રમો કરી રહ્યા છે જેમાં બાળ સંસ્કાર તો ખૂબ જ મહત્વનું કાર્ય છે જેનાથી બાળકોને સારા સંસ્કાર મળે અને ગીતાજી સાથે જોડાય અને આપણા ધર્મથી તેઓ માહિતગાર થાય. એ સિવાય એક નવતર પ્રયોગ પણ ગીતા પરિવારે કર્યો છે. જેલના કેદીઓને માટે ગીતા વર્ગો શરૂ કરવામાં આવ્યા છે તેનાથી ઘણા બધા કેદીઓનું જીવન પરિવર્તન પણ થશે ,હૃદય પરિવર્તન પણ થશે.
ગીતા પરિવારે એક ઇતિહાસ રચ્યો છે.

હું ગીતા પરિવાર સાથે ફક્ત 15 મો અધ્યાય શીખવા માટે જોડાઇ હતી પણ પછી ગીતા પરિવારનું અદભુત મેનેજમેન્ટ જોયું અને ગીતાજીની એવી લગની લાગી કે હવે ગીતાજી અને ગીતા પરિવાર સિવાય જીવવું મુશ્કેલ બની ગયું છે.
અમે સર્વ સાધકો અને સેવીઓ પરમ પૂજ્ય સ્વામી ગુરૂ ગોવિંદદેવગિરિજી અને ગીતા પરિવારના સદા ઋણી રહીશું.

શ્રીકૃષ્ણની કૃપા ગીતા પરિવાર ઉપર હંમેશા રહે અને ગીતા પરિવારનો હર ઘર ગીતા હર કર ગીતા નો ઉદ્દેશ્ય પૂરો થાય એવી હૃદય પૂર્વકની શુભકામના.

વર્ષા અશોક દેસાઇ
મુંબઇ

ഗീതാ ശാസ്ത്രം സമസ്ത വേദങ്ങളുടെയും സാരാംശം കുറുക്കി എടുത്ത അമൃത വചനങ്ങളാണ്. ഞാനും ഭഗവാനും രണ്ട് അല്ല ഒന്നാണ് എന്ന് തിരിച്ചറിയാനുള്ള ആ അറിവ് പകർന്ന് തരുന്ന ഒരു സന്ദേശമാണ് ഗീത

ഇന്നത്തെ കാലത്തെ യുവ തലമുറ നേരിടുന്ന അതേ വിഷാദമാണ് യുദ്ധക്കളത്തിൽ അർജുനനും നേരിട്ടത്. ആയുധം താഴെ വെച്ച് തളർന്നിരുന്ന അർജുനൻ ഭഗവാനിൽ ശരണാ ഗതി പ്രാപിച്ചു. എനിക്ക് യോജിച്ച ശരിയായ കർമ്മം എന്തെന്ന് അങ്ങ് ഉപദേശിച്ച് തരണമെന്ന് അപേക്ഷിക്കുന്നു. ഭഗവത് ഗീതയിൽ നമുക്ക് കാണാം പതിനെട്ടാം അധ്യായത്തിൽ വിഷാദം എല്ലാം മാറി യുദ്ധം ചെയ്യാൻ തയ്യാറായി നിൽക്കുന്ന അർജുനനെ. ഭഗവാന്റെ ഉപദേശത്തിലൂടെ തന്റെ ശരിയായ കർമ്മം എന്തെന്നും അത് എങ്ങനെ വർത്തിക്കണം എന്നുള്ള തിരിച്ചറിവും അർജുനന് ഉണ്ടാവുന്നു.

ഇങ്ങനെ വീണ്ടും ഊർജ്ജസ്വലനായി കർമ്മം ചെയ്യാൻ സാധിച്ചത് ഭഗവാൻ അർജുനന് ഒരു വഴികാട്ടിയായി നിന്നതുകൊണ്ടാണ്. ഭഗവാൻ അർജ്ജുനനിലൂടെ ലോകത്തിനു മുഴുവൻ നൽകിയ സന്ദേശമാണ് ഗീത.

നമ്മൾ ഓരോരുത്തരും ഭഗവാനിൽ പൂർണ്ണമായി ശരണാ ഗതി പ്രാപിച്ച് ഗീതാതത്വം മനസ്സിലാക്കി ജീവിതം നയിക്കണം.

ഇന്ന് നമുക്ക് അത് സാധ്യമായത് ഗീതാ പരിവാർലൂടെ ആണ്.

നമ്മൾ ഓരോരുതരും ഭഗവാന്റെ നിയോഗം കൊണ്ടാണ് ഇതിൽ എത്തിച്ചേർന്നത്.

ഞാൻ 2023 ഇൽ ആണ് ഗീത പരിവാറിനെ കുറിച്ച് അറിയുന്നത്. എന്റെ ജേഷ്ഠസഹോദരൻ ബ്രഹ്മചാരി ദീക്ഷ സ്വീകരിച്ച ആൾ ആണ്. ഒരിക്കൽ കാണാൻ ചെന്നപ്പോൾ ഒരു സമ്മാനം കരുതി വെച്ചിട്ടുണ്ട് എന്ന് പറഞ്ഞു. വളരെ അകാംഷയോടെ എന്താവും സമ്മാനം എന്ന് ഞാൻ നോക്കി. ഒരു ഭഗവദ് ഗീത ആയിരുന്നു. പേജുകൾ മറിച്ചു നോക്കി, വായിക്കാൻ നല്ല ബുദ്ധിമുട്ട് ആണ്. വീട്ടിൽ കൊണ്ടുവന്നു മറ്റു മന്ത്ര പുസ്തകത്തിനൊപ്പം വെച്ചു. വായിക്കാൻ സാധിക്കുന്നില്ലല്ലോ എന്ന വിഷമത്തോടെ ഇടക്ക് എടുത്തു നോക്കുമായിരുന്നു. ഏതാനും ദിവസങ്ങൾക്കു ശേഷം അത്ഭുതം എന്നോണം ആണ് സോഷ്യൽ മീഡിയയിൽ ഗീത പരിവാറിന്റെ പോസ്റ്റ് കാണുന്നത്. അങ്ങനെ ആണ് ഗീത പഠിക്കാൻ ചേർന്നത്. ജേഷ്ഠനിലൂടെ ഭഗവാന്റെ നിയോഗമായി ഞാൻ ഇതിനെ കാണുന്നു.

ഗീതാ പരിവാറിനോടുള്ള അകൈതവമായ നന്ദി അറിയിക്കുവാൻ ഞാൻ ഈ അവസരം വിനിയോഗിക്കുന്നു

म अमेरिकामा करिब ६ महीना रहंदा प्रातः समयमा उठी साना वालकहरुलाई गीतावाचन गर्न सिकाउथे। अहिले हामीले उपयोग गर्ने गरेको जुम प्रविधिको माध्यमबाट। पछि विस्तारै केही प्रौढ व्यक्तिहरू पनि त्यसमा जोडिनु भयो।यसो त मैले गीताजीका केही श्लोकहरू वालक कालमा पनि विद्यालयमा जानुपूर्व सिकेको थिएं, तर त्यो वेलाको उच्चारण वैदिक उच्चारण नभइ सामान्य खालको थियो। म अध्यात्ममा आस्था राख्ने एक सामान्य नेपाली हुं र मलाई संस्कृत भाषाका केही नीति श्लोकको वाचन गर्न त्यति बेलादेखि नै मन पर्थ्यो। पछि कोरोनाको समयमा मेरो गुणराज दाजु संग परिचय भयो र उहांले मलाई नेपाल फर्के पछि गीता परिवारद्वारा संचालित गीता संथावर्ग अन्तर्गत गीताजीको अनुपठन कक्षामा जोडिन प्रोत्साहित गरेकोले म जुन २०२३ को तह एक को समुहमा जोडिए र क्रमश दुई, तीन र चार तहका सबै कक्षाहरूमा नियमित रुपमा उपस्थित भई गीताजीका सबै अध्यायहरू पुरा गरें। शुरुका दिनहरूमा प्रचारक र व्याकरण उल्था गर्ने कार्यमा पनि केही महीना सेवामा लागियो। त्यस्तै गीता परिवार द्वारा संचालित जिज्ञासु,पाठक, पथिकका परीक्षाहरू सर्वोत्तम अंकका साथ उत्तिर्ण गरी अब गीताव्रतीको तयारीमा छु। करिब १४ महिनाको यो अवधिमा मैले तह १, तह २, तह तीनका कक्षाहरू प्रमुख प्रशिक्षकको रुपमापुरा गरी हाल तह तीनको १ र तह चारको १ गरी दैनिक दुई कक्षाहरूमा ट्रेनरको सेवा दिदैंछु। योबाहेक पथिक सम्मका परीक्षाहरूमा परीक्षक भई सेवा दिदैं छु।

नेपाली साधकहरूलाई भाषामा सहजताहोस् भनी व्याकरणका तह २ तह ३का कक्षाहरू पनि टेनरको रुपमा चलाउंदै आएको छु। द्रोण तालीममा प्रवर्तकको सेवा पनि नेपाली भाषाका साधक लाई आवश्यक परेको समयमा दिने गरेको छु। मलाई बिविध सेवा दिंदा छुट्टै किसिमको अनुभूति हुन्छ। अन्तर्मनमा नै विशेष खुशी पैदा हुन्छ। म गीता पारायण र गीता परिवारद्वारा संचालित महत्वपूर्ण सबै जसो महोत्सवमा भाग लिन प्रयत्नशील रहन्छु।

मैले जिज्ञासुको परीक्षा दिंदा परीक्षक ले तीन चार पटक परीक्षा निषेध गरिदिन्छु भन्नुभयो। उहां एकजना दिदी हुनुहुन्थ्यो।मैंले त्यस्तो नियम विपरित हुने क्रियाकलाप केही पनि गरेको थिइन। मलाई अलि नरमाइलो लाग्यो। तर म चुपचाप सोधेका श्लोकहरूको वाचन गर्दै गएं। कर्म गर, फलको आशा नगर भन्ने उपदेशको याद आयो। पछि नतीजा राम्रो नै आयो। यो मेरो गीता परिवारमा साधक हुंदाको अचम्मको अनुभव रह्यो।पछि म आंफैं परीक्षक हुंदा किन यस्तो हुंदो रहेछ भन्ने अलि अलि बुझें।

पेशाले म एक इन्जिनियर। फेरी गीताजीमा किन यस्तो रुची? पटक पटक प्रश्न आउछ। मैले गीताजीको पठन अनुशीलन गर्न लागेको करिब पाच वर्ष चल्दैछ। म नित्य दैनिक २ घन्टा वाचनमा लाग्छु। प्रत्येक पटकको वाचनमा केही नयां कुराको अनुभूति हुन्छ। त्यसैले गीताजीको कक्षामा मलाई उत्साह बढेर आउछ। अझ प्रातः कालको समयको अनुपठनमा त वेग्लै सकारात्मकता तथा दिन चर्यामा पर्ने त्यसको प्रभाव अतुलनीय छ।

गीता परिवार द्वारा संचालित गीताजीका कक्षाहरूमा एकरूपता, नियमहरूको पूर्ण परिपालना, स्तरियता र ट्रेनरको चयन प्रकृया सारै राम्रो छ। यहांजस्तो सेवीहरूमा रहेको सेवा भाव, सहयोगी भावना अन्त कतै पनि मिल्दैन। परम पूज्य स्वामी श्री गूरुगोविन्ददेव गिरीज्यूको दीर्घ शोच र परिकल्पना को कारण एवं यस पुनित कार्यमा अहोरात्र खटिने सेवीहरूको सेवा भावको कारणले नै यो सबै संभव भएको हो भन्ने मलाई लाग्छ। म विशेष गरेर प्रशासन विभाग अन्तरगत रहेकोले त्यसको सेवा स्तरको अलि अलि अनुभव रह्यो। अरू पनि धेरै विभागहरूको कार्य प्रभावकारिता पनि पक्कै राम्रो छ भन्ने लाग्छ। आइटि विभागले त एक वर्षमा निकै अगि बढेको पाइएकोछ। पोर्टल सिस्टमको शुरुआतबाट धेरै सहजता भएकोछ।

प्रत्येक शनीवार र आइतवार चल्नेविवेचन सत्र अति नै फलदायी छन्। श्लोकको सुद्ध उच्चारणका साथ भाव बुझ्न विवेचन सत्र ले सहयोग गर्दछ।

ई.देवशर्मा पौडेल

काठमान्डू, नेपाल

श्रीमद्भगवत गीता कहिं ब हिक ज़ाती या धर्म जे लाए न पर दुनिया जे हर हिक जीव खे पढ़हण ऐं बुधण घुरजे; गीता ज्ञान जो अद्भुत ख़ज़ानो आहे। गीता चवे थी त असां खे ज़िन्दगी न त रुअण लाए ऐं हालतुनि खां परे भजण लाए, न त खिलण लाए ऐं न ई रांद रूंद करण लाए मिली आहे। गीता मां डुखयाई जे वक्त ते हिमथ सां मुकाबलो करण जी प्रेरणा मिलंदी आहे। गीता मनुष्य जी ज़िन्दगीअ में हर पल अचण वारियुनि नंढी वड़ियुनि ग़ाल्हयुनि जो मुकाबलो हिमथ सां करण जी शक्ती ड़ींदी आहे। गीता में 18 अध्याय ऐं 700 श्लोक आहिन जेको हर हिक लाए पढ़हण संभव कोन आहे, पर गीता परिवार जे करे इहो संभव थी सघियो आहे।

गीता परिवार सां असां घर वेठे गीता जो पाठ करे चइन धामि जी यात्रा जो आनंद वठी सघूं था। गीता यात्रा कंदे कंदे हू (योगेश्वर श्रीकृष्ण) पहिंजे कहिं न कहिं धाम में हाजिरी लग़ाराए थो। काम, क्रोध, लोभ ऐं मोह जहिड़ा विकार ब दूर थी वञनि था ऐं अंदर हिक शांतीअ जो अनुभव थिए थो। जेकड़हिं असांखे का चिंता सताए थी या निराश आहियूं त गीता मां ज्ञान रूपी हिक किरण मिलंदी आहे। कष्टनि जे विच में हिक छंद या श्लोक पढ़हण सां मन खे शांती महसूस थींदी आहे। अज़ु असां गीता खे ग़ाड़्हे कपड़े में वकोड़े रखी उनखे मान ड़ींदा आहियूं पर उनजो असली मान तड़हिं थींदो जड़हिं असां उनखे पढ़हंदासीं ऐं जीवन में आणींदासीं। पर हिक सच इहो ब आहे त कहिंखे गीता पढ़हण लाए चऊं था त कलयग जो असर हअण करे ह चवनि था त असांखे वक्त ई कोन आहे या चवनि था त गीता पढ़हण सां माण्हू संन्यासी थी वेंदो आहे, पर अर्जुन गृहस्थ जीवन जीअण वारो हो ऐं हुन युद्ध ब कयो। त हुन जहिड़े जिम्मेदार माण्हूअ टाइम कडियो त तव्हां ऐं असां छो न।

ज़िन्दगीअ में कहिं ब फैसले ते अचण खां पहरीं असां गीता जो ज्ञान समझूं त असां हमेशह कामयाब थींदासीं ऐं पोइ कहिं ब ग़ाल्ह लाए असांखे पछताइणो कोन पवंदो। त अचो असां सब ब गीता मैया जो सच में सम्मान करे पढ़हूं ऐं उनजे अमूल्य खज़ाने खे ज़ाणी करे वधीक फायदो वठी करे अहिड़ी ज़िन्दगी जियूं जहिंजो मतलब ब हुजे ऐं भग़वान श्रीकृष्ण जा ब प्रिय थी रहूं। अचो गीता परिवार सां गड़जी हिन महान यज्ञ में पहिंजो योगदान ड़ेई पहिंजो जीवन सफल बणायूं ऐं कहिं न कहिं सेवा में ज़रूर भागु वठूं।

पूर्वी वालेचा
रायपुर

୧୯୮୬ ମସିହା କଥା। ମହାରାଷ୍ଟ୍ର ପ୍ରଦେଶର ଅହମ୍ମଦନଗର ଜିଲ୍ଲା ଅନ୍ତର୍ଗତ ସଙ୍ଗମନର ଠାରେ 'ଗୀତା ପରିବାର' ଏକ ପଞ୍ଜିକୃତ ଟ୍ରଷ୍ଟ ଭାବେ ପରମପୂଜ୍ୟ ରାଷ୍ଟ୍ରୀୟ ସନ୍ଥ ସ୍ୱାମୀ ଗୋବିନ୍ଦଦେବ ଗିରିଜୀ ମହାରାଜଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରତିଷ୍ଠିତ ହୁଏ । ସ୍ୱାମୀଜୀ ଅଧୂନା ଶ୍ରୀରାମଜନ୍ମଭୂମି ଟ୍ରଷ୍ଟ ର ଟ୍ରଷ୍ଟି ତଥା କୋଷାଧକ୍ଷ ଅଛନ୍ତି । ସେତେବେଳେ ଏହାର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ଥିଲା, ଶିଶୁମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ନୈତିକ ଶିକ୍ଷା (value education)ର ପ୍ରଚାର ଓ ପ୍ରସାର।

ପରବର୍ତ୍ତୀ ସମୟରେ ଏହି ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ସାଧନ ନିମନ୍ତେ ପଞ୍ଚସୂତ୍ରୀ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ସୃଷ୍ଟି ହେଲା। ଭଗବଦ୍‌ଭକ୍ତି, ଭଗବଦ୍‌ଗୀତା, ଭାରତମାତା, ବିଜ୍ଞାନ ଦୃଷ୍ଟି ଓ ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦଙ୍କ ଆଦର୍ଶ– ଏହି ପାଞ୍ଚଗୋଟି ସୂତ୍ରକୁ ଆଧାର କରି କୁନିକୁନି ପିଲାମାନଙ୍କ ମନରେ ସନାତନ ଧର୍ମର ମୌଳିକ ଆଦର୍ଶ ଓ କାର୍ଯ୍ୟକାରିତା ପ୍ରତି ଆକୃଷ୍ଟ କରିବା ପାଇଁ ଚେଷ୍ଟା କରାଗଲା । ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କୁ ନିଜର ସଂସ୍କୃତି ସମ୍ପର୍କରେ ସୂଚନାଦେବା, ସଂସ୍କାର ଶିବିର ତଥା ସଂସ୍କାରବର୍ଗ ଶ୍ରେଣୀ ମାଧ୍ୟମରେ ଏହି ମୌଳିକ ଆଦର୍ଶକୁ ପୁର୍ନଜୀବିତ କରିବା, ଆବଶ୍ୟକ ସ୍ଥଳେ ଭିଡିଓ (Video), ଅଡିଓ (audio) ଆଦି ବୈଜ୍ଞାନିକ ଉପକରଣଗୁଡିକର ସାହାଯ୍ୟ ନେବା, ଭାରତୀୟ ସଂସ୍କୃତି ତଥା ଜୀବନଶୈଳୀ ପ୍ରତି ଆକୃଷ୍ଟ କରିବା, ନିଜକୁ ସ୍ୱାମୀ ବିବେକାନନ୍ଦଙ୍କ ଆଦର୍ଶରେ ଅନୁପ୍ରାଣିତ କରିବାକୁ ପ୍ରେରଣା ଦେବା ପାଇଁ କାର୍ଯ୍ୟ ଆରମ୍ଭ କରାଯାଇଥିଲା।

ଦେଶମାତୃକା ପ୍ରତି ଜୀବନ ଉତ୍ସର୍ଗ କରିବା, ମାତୃଭୂମିର ସେବା କରିବା, ଭଗବଦ୍ କୃପା ଲାଭ କରି ଉତ୍ତମ ମନୁଷ୍ୟ ସୃଷ୍ଟି କରିବା ପାଇଁ ପଦକ୍ଷେପ ନିଆଯାଇଥିଲା। ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ପରିସ୍ଥିତି, ଭାରତର ସ୍ଥିତି, କାଳର କରାଳ ଗତି, ବିଜ୍ଞାନର ଉତ୍କର୍ଷତା ଓ ଆଧୁନିକତାର ପ୍ରଭାବ 'ଗୀତା ପରିବାର'କୁ ଏକ ଚଳନଶୀଳ ସାତ୍ତ୍ୱିକ ଅନୁଷ୍ଠାନରେ ପରିଣତ କରାଇଲା। ପଞ୍ଚସୂତ୍ରୀ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ ପାଥେୟ କରି ଭାରତୀୟ ମାନଙ୍କୁ ଲୁପ୍ତ ଆଦର୍ଶରେ ଅନୁପ୍ରାଣିତ କରି, ଆବାଳ ବୃଦ୍ଧବନିତାଙ୍କ ମାନସପଟରେ ଦେଶପ୍ରେମ ଜାଗ୍ରତ କରି, ସନାତନଧର୍ମର ନୀତିକୁ ପୁନର୍ଜୀବିତ କରିବା ନିମନ୍ତେ ଦୁଇଟି ମୁଖ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ 'ଗୀତା ପରିବାର' ଆପଣେଇଛି।

'ଲର୍ନ ଗୀତା' (Learn Gita) ଓ 'ବାଳ ସଂସ୍କାର'– ଏହି ଦୁଇଟି ମୁଖ୍ୟ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ପରମପୂଜ୍ୟ ସ୍ୱାମୀଜୀଙ୍କ ମୁଖ ନିଃସୃତ ପ୍ରେରଣା 'ଗୀତା ପଢ଼, ପଢ଼ାଅ, ଜୀବନରେ ଆପଣାଅ' ଓ 'ଘରେ ଘରେ ଗୀତା, କରେ କରେ ଗୀତା'କୁ ଆଗେଇ ନେବା ପାଇଁ ପ୍ରତ୍ୟେକ ଗୀତାସେବୀ ପ୍ରତିଶ୍ରୁତିବଦ୍ଧ। ଆଜି ଦଶଲକ୍ଷରୁ ଅଧିକ ଗୀତାସେବୀ ଏହି ପ୍ରେରଣାରେ ଉଦ୍‌ବୁଦ୍ଧ ହୋଇ ନିଜକୁ ଭଗବତ୍ ପ୍ରେମ, ଭଗବଦ୍‌ଭକ୍ତି ଓ ଭାରତ ମାତାଙ୍କ ସେବାରେ ନିୟୋଜିତ କରିବାକୁ ଆଗେଇ ଆସିଛନ୍ତି।

'ଲର୍ନ ଗୀତା' ଓ 'ବାଳ ସଂସ୍କାର' କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଗୋଟିଏ ମୁଦ୍ରାର ଦୁଇ ପାର୍ଶ୍ୱ ସଦୃଶ । ଏହି ଉଭୟ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଆଲୋକବର୍ତ୍ତିକା ସଦୃଶ 'ଗୀତା ପରିବାର'କୁ ଆଲୋକିତ କରି ପ୍ରତ୍ୟେକ ପରିବାରକୁ ଲକ୍ଷ୍ୟସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚିବା ପାଇଁ ଆକୃଷ୍ଟ କରୁଛି।

ପରମପୂଜ୍ୟ ସ୍ୱାମୀଜୀଙ୍କ ଆଶୀର୍ବାଦ ନେଇ ଓଡ଼ିଶା ଗୀତା ପରିବାର ର 'ଘରେ ଘରେ ଗୀତା, କରେ କରେ ଗୀତା' ଲକ୍ଷ୍ୟ ହାସଲ ନିମନ୍ତେ ଏକ କ୍ଷୁଦ୍ର ତଥା ଅଦ୍ଭୁତ ପରିଯୋଜନା 'ଗୀତା ଗ୍ରାମ' ସୃଷ୍ଟି ପାଇଁ ପଦକ୍ଷେପ ନେଇଛି। ଓଡ଼ିଶା ଶାଖା ଆନୁଷ୍ଠାନିକ ଭାବେ ଗଠିତ ହେବାର ମାତ୍ର ଏକବର୍ଷ ମଧ୍ୟରେ 'ଗୀତା ଗ୍ରାମ' ଗଠନ ଚିନ୍ତାଧାରା ସମ୍ପୃକ୍ତ ଗୀତାସେବୀମାନଙ୍କୁ ଉଦ୍‌ବୁଦ୍ଧ କରିଛି। ଏକ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ପରିସୀମା ମଧ୍ୟରେ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ନାମକରଣ ଥାଇ ବସବାସ କରୁଥିବା ଏକଶତ ବା ତଦୁର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ପରିବାର 'ଗୀତା ପରିବାର' କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପରିସରଭୁକ୍ତ ହୋଇ ଅନୁବନ୍ଧିତ ହେଲେ ବା ପଞ୍ଚସୂତ୍ରୀ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ ଆପଣେଇନେଲେ ସଂପୃକ୍ତ ଅଞ୍ଚଳ, ପଡା,ଗ୍ରାମ,ମହଲା ବା ବାସସ୍ଥଳୀକୁ 'ଗୀତା ଗ୍ରାମ' ଘୋଷଣା କରାଯାଇଥାଏ। ଏଥି ନିମନ୍ତେ ଅନ୍ତତଃ ଦୁଇ କିମ୍ବା ତିନି ଜଣ ଗୀତାସେବୀ ଏକତ୍ରିତ ହୋଇ ଯୋଜନାବଦ୍ଧ ଭାବେ, ଏକକ ମାନସିକତା ନେଇ ଘରକୁ ଘର ବୁଲି ସମ୍ପୃକ୍ତ ପରିବାରକୁ 'ଗୀତା ପରିବାର'ର ଚିନ୍ତାଧାରାରେ ପ୍ରବର୍ତ୍ତାଇଥାନ୍ତି। ଏଥିନିମନ୍ତେ ଅଧିବାସୀମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ଗଠିତ ଉନ୍ନୟନ ସମିତି, ମହିଳା ସଂଗଠନ, ସ୍ୱୟଂ ସେବକ ଗୋଷ୍ଠୀ, ପ୍ରାଥମିକ ବିଦ୍ୟାଳୟର କାର୍ଯ୍ୟକର୍ତ୍ତାମାନଙ୍କ ସାହାଯ୍ୟ, ସହଯୋଗ ନିଆଯାଇପାରେ ।

'ଗୀତା ପରିବାର' ବୈଦିକ ରୀତିରେ 'ଅନ୍‌ଲାଇନ୍' (online) 'ଅଫ୍‌ଲାଇନ୍' (offline) ଶ୍ରେଣୀ ମାଧ୍ୟମରେ ସ୍ୱେଚ୍ଛାସେବୀ ପ୍ରଶିକ୍ଷକମାନଙ୍କ ମାଧ୍ୟମରେ ଭଗବଦ୍‌ଗୀତାର ଶୁଦ୍ଧ ଉଚ୍ଚାରଣ ଶିକ୍ଷା ଦେଇଥାନ୍ତି। ଏତଦ୍‌ବ୍ୟତୀତ ବାଳ ସଂସ୍କାର କେନ୍ଦ୍ର ମାଧ୍ୟମରେ ଶିଶୁ ଓ ଛାତ୍ର ଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କୁ ଶିକ୍ଷା ପ୍ରଦାନ କରିଥାନ୍ତି । ଏହାଦ୍ୱାରା ସେମାନଙ୍କର ବୌଦ୍ଧିକ ବିକାଶ, କର୍ତ୍ତବ୍ୟନିଷ୍ଠା, ଯୋଗ-ପ୍ରାଣାୟମ ଅଭ୍ୟାସ ତଥା ଭଗବଦ୍ ଚିନ୍ତାଧାରାରେ ଉନ୍ନତି ହୋଇଥାଏ।

ଓଡ଼ିଶା ଗୀତାପରିବାରର ଗୀତାସେବୀମାନଙ୍କ 'ଗୀତା ଗ୍ରାମ' ଗଠନ ଚିନ୍ତାଧାରା ପୂଜ୍ୟପାଦ ସ୍ୱାମୀଜୀଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ବିଶେଷ ଆଦୃତ ହୋଇଅଛି। ଗତ ଅଗଷ୍ଟ ୨୦୨୪ରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ଓଡ଼ିଶା ଗୀତା ପରିବାରର ଦ୍ୱିତୀୟ ମୈତ୍ରୀମିଳନ ଅବସରରେ ପୂଜ୍ୟ ସ୍ୱାମୀଜୀ ତାଙ୍କର ଆଶୀର୍ବଚନ ମାଧ୍ୟମରେ ଏହି ଚିନ୍ତାଧାରାକୁ ପ୍ରଶଂସା କରି ଏହାର ଅଧିକରୁ ଅଧିକ ପ୍ରସାର ନିମନ୍ତେ ପ୍ରେରଣା ପ୍ରଦାନ କରିଛନ୍ତି । ପୂଜ୍ୟ ସ୍ୱାମୀଜୀଙ୍କ ଆଶୀର୍ବଚନର କେତେକ ଅଂଶର ଓଡ଼ିଆ ଅନୁବାଦ ନିମ୍ନରେ ପ୍ରଦାନ କରାଗଲା।
" ଜଗନ୍ନାଥ ସ୍ୱାମୀ ନୟନ ପଥଗାମୀ ଭବତୁ ମେ।

ଆଜି ମୁଁ ବହୁତ ଖୁସି ଯେ, ମହାପ୍ରଭୁ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ଭୂମି ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟରେ ସୁନ୍ଦର ଗୀତା ମୈତ୍ରୀମିଳନ ଦ୍ୱିତୀୟ ଥର ଅନୁଷ୍ଠିତ ହେବାକୁ ଯାଉଅଛି । ପ୍ରଥମ ଥର ଡ: ଆଶୁ ଭାଇ ଗୀତା ମୈତ୍ରୀମିଳନର ସଞ୍ଚାଳନ କରିଥିଲେ। ବର୍ତ୍ତମାନ ଡ: ସଞ୍ଜୟ ମାଲପାଣି ସଂଚାଳନ କରୁଛନ୍ତି । ଓଡ଼ିଶା ଗୀତା ପରିବାର ବିଷୟରେ ଯେବେଯେବେ ମୁଁ କିଛି ଶୁଣେ ମୋର ମନ ପ୍ରଫୁଲ୍ଲିତ ହୋଇଉଠେ। ମୁଁ ଆପଣମାନଙ୍କୁ ଅଭିନନ୍ଦନ ଜଣାଉଛି ଯେ, ଆପଣମାନେ ଗୀତା ଗ୍ରାମ ଗଠନ କରିଛନ୍ତି ଓ ଏକ ବସ୍ତି କରିଛନ୍ତି ଯେଉଁଠି ପ୍ରତିଦିନ ଗୀତା ପାଠ କରାଯାଉଛି। ପ୍ରମୋଦ କୁମାର ମହାନ୍ତି ଜୀ ଏହାକୁ ଏକ ସୁନ୍ଦର ଯୋଜନାବଦ୍ଧ ରୂପରେ ବିସ୍ତାର କରୁଛନ୍ତି। ଏହା ଆମ ସମସ୍ତଙ୍କ ପାଇଁ ଅତ୍ୟନ୍ତ ପ୍ରେରଣା ଦାୟକ । ସମସ୍ତେ ଭଗବାନ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ଛତ୍ରଛାୟାରେ ରହି, ତାଙ୍କ ସେବାରେ ସବୁଠାରୁ ଉତ୍ତମ କର୍ମରେ ଲାଗିଛନ୍ତି । ଜଗନ୍ନାଥ ସ୍ୱୟଂ ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣ। ଶ୍ରୀକୃଷ୍ଣ ଗୀତାରେ କହିଛନ୍ତି, ଯେଉଁ ଭକ୍ତ ଗୀତା ପଢ଼ିବ, ଅନ୍ୟମାନଙ୍କୁ ପଢ଼ାଇବ ଏବଂ ଗୀତାକୁ ଜୀବନରେ ପ୍ରୟୋଗ କରିବା ପାଇଁ ସଚ୍ଚୋଟତାର ସହ ଚେଷ୍ଟା କରେ, ସେ ମୋର ପ୍ରିୟ ।

ଆମେ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକୁ ଗୀତା ପରିବାର ଦ୍ୱାରା ୧୮୨ ଦେଶରେ କରୁଅଛୁ। କିନ୍ତୁ ଓଡ଼ିଶାର ଭାଇ ଏବଂ ଭଉଣୀମାନେ ଯେଉଁ ଦୃଷ୍ଟାନ୍ତ ଉପସ୍ଥାପନ କରିଛନ୍ତି ତାହା ଅତ୍ୟନ୍ତ ବିରଳ।

ମୁଁ ପରମପିତା ପରମାତ୍ମାଙ୍କ ନିକଟରେ ପ୍ରାର୍ଥନା କରୁଛି ଯେ, ଆପଣମାନଙ୍କଠାରୁ ପ୍ରେରଣା ନେଇ ସମସ୍ତ ସ୍ଥାନରେ ଏହିପରି ଗୀତା ଗ୍ରାମ ଗଠନ ହେଉ ଏବଂ ସମସ୍ତେ ନିରବଚ୍ଛିନ୍ନଭାବେ ଭାବେ ଗୀତା ପଢ଼ିବା ସଙ୍ଗେ ସଙ୍ଗେ ନିଜର ଜୀବନକୁ ଗୀତା ଜ୍ଞାନାଲୋକ ରେ ପ୍ରକାଶିତ କରନ୍ତୁ, କାରଣ ଗୀତା ହେଉଛି ଆମ ସଂପୂର୍ଣ୍ଣ ଜୀବନର ନିୟମାବଳୀ ପୁସ୍ତକ। ଜୀବନକୁ କିପରି ଜୀଇଁବା ତା'ର ସୁନ୍ଦର ପଥ ପ୍ରଦର୍ଶିକା ଭଗବଦ୍ ଗୀତାରେ ଦିଆଯାଇଛି।"

ପରମପୂଜ୍ୟ ସ୍ୱାମୀ ଶ୍ରୀ ଗୋବିନ୍ଦଦେବ ଗିରି ଜୀ ଙ୍କର ଉପରୋକ୍ତ ଆଶୀର୍ବଚନକୁ ପାଥେୟ କରି ଓଡ଼ିଶା ଗୀତା ପରିବାର କୁ ଆଗେଇ ନେବା ପାଇଁ ମୁଁ ସମସ୍ତ ଗୀତାପ୍ରେମୀ ଓ ସେବୀମାନଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛି। ଏହାଦ୍ୱାରା ଗୀତା ପରିବାରର ଲକ୍ଷ୍ୟ 'ଘରେ ଘରେ ଗୀତା, କରେ କରେ ଗୀତା' ସାଧିତ ହୋଇପାରିବ।

ଶ୍ରୀ ପ୍ରମୋଦ କୁମାର ମହାନ୍ତି
ଭୁବନେଶ୍ୱର(ଓଡ଼ିଶା)

अमरावती, महाराष्ट्र येथे पंधरा वर्षापासून स्वतःचे हॉस्पिटल असून बालरोग तज्ञ म्हणून वैद्यकीय व्यवसाय करतो. मी 'लर्न गीता' कार्यक्रम जानेवारी 2024 ला जॉईन केला. याची लिंक मला माझी आई सौ. सुनंदा नागलकर यांनी दिली होती. मला बारावा, पंधरावा अध्याय शिकल्यानंतर श्रीमद् भगवद्गीतेची आवड निर्माण झाली व मी श्लोक पाठांतर सुद्धा करू लागलो . परंतु खूप जास्त लक्ष मी या कार्यक्रमात घातले नव्हते. लेव्हल दोन मध्ये मुख्य प्रशिक्षिका सौ मनीषाताई अर्ते यांनी चार अध्याय शिकवले .

यादरम्यान सौ मनिषा ताई यांचे स्पष्ट व शुद्ध उच्चार, शिकवण्याची तळमळ व पद्धत मला खूप आवडली व मी ठरवले की आपण सुद्धा सौ मनिषा ताई यांच्यासारखे प्रशिक्षक व्हावे. व मनापासून श्लोक पाठांतर करायला सुरुवात केली,गीता जिज्ञासू व गीता पाठक परीक्षा उत्तीर्ण झालो, ताईंच्या मार्गदर्शनामुळे पुढे पुढे अभ्यास, प्रयत्न करत गेलो . मला जून महिन्यामध्ये मुख्य प्रशिक्षक म्हणून लेवल एक ला श्री भगवंताच्या कृपेने संधी मिळाली सोबतच मी जानेवारीपासूनच टेक्निकल असिस्टंट व ग्रुप कोऑर्डिनेटर या सेवा पण द्यायला सुरुवात केली होती. त्यामुळे मला बॅच कोऑर्डिनेटर म्हणून लेवल एक व दोन ला पण सेवा देण्याची संधी मिळाली, श्रीमद्भगवद्गीतेचा हा प्रवास अत्यंत आनंददायक व मनःशांती देणारा ठरलेला आहे. माझा वैद्यकीय व्यवसाय सांभाळून मी हे करू शकत आहे, ही श्री भगवंताची कृपा आहे असंच मी आता श्रीकृष्णाचे बोट धरलेलं, कधीच सोडणार नाही आहे .

आपण सुद्धा लर्न गीता कार्यक्रमाद्वारे फक्त ४० मिनिटे, ऑनलाइन झूम मीटिंग अटेंड करून चारही लेव्हल पूर्ण करावे व गीताव्रती व्हावे हीच मनापासून शुभेच्छा!!

36 సంవత్సరాల ప్రభుత్వోద్యోగ జీవితం గడిపి, నేను వ్యవసాయ శాఖలో జిల్లా అధికారిగా పదవీ విరమణ చేసే వరకు, కేవలం రసహీన సంసార జీవితం గడిపాను. నాకు 37 సంవత్సరాల యోగ జీవితంతో సుదీర్ఘ అనుబంధం ఉంది. అధ్యాత్మిక జీవన శైలి కొత్త కాకపోయినా, పరిపూర్ణ మార్గాన్ని అనుసరిస్తున్నానన్న సంతృప్తి కలుగలేదు.

భగవద్గీతా తో ఎలాంటి ప్రత్యక్ష అనుబంధం నా పూర్వ జీవితంలో లేదు. జూన్ 2021 లో గీతా పరివార్ లోకి వచ్చి, L4 స్థాయి పూర్తి చేసుకునే లోపు అయిన పరిచయాలు, ఏర్పడిన నిస్వార్థ అనుబంధాలు నాకు వసుధైక కుటుంబ భావనను కలుగజేశాయి. భక్తులకు సేవ ద్వారా పరమాత్మకు చేరువ కావొచ్చు అన్న భావనతో (భ.గీ.18-68), టెక్నికల్ అసిస్టెంట్, జీసి, మానిటరింగ్ టీమ్ లలో కొంత కృషి చేసి, నాలో పెరుగుతున్న తృష్ణ మేరకు, తుదకు మెసేజ్ ట్రాన్స్లేషన్ టీమ్ మరియు క్రియేటివ్ రైటింగ్ టీములో ప్రస్తుతం కొనసాగుతున్నాను. సాధారణ వ్యక్తులుగా మనలో ఉన్న రజో గుణ ప్రవృత్తి గుర్తింపు మరియు అజమాయిషీని కోరుకుంటుంది. దానికంటే ఉన్నతమైన త్రిగుణాతీత స్థితి అవశ్యమని నాలో భగవద్గీతా బీజం నాటింది. వేదోక్త సకామ కర్మల ద్వారా పుణ్యం సంపాదించినా, "క్షీణే పుణ్యే మర్త్యలోకం(వ్)విశన్తి..."(భ.గీ. 9-21) అన్నట్లు జనన మరణ చక్రం తప్పదు. ఫలాపేక్షతో దేవతారాధన కాకుండా, శాశ్వతుడు, సర్వోత్తముడగు పరమాత్ముని సేవించుట ద్వారా పరంధామం లభ్యమౌతుందని (భ.గీ.7-23) భగవానులు తెలియజేశారు. అందుకు వైరాగ్యమనే దృఢమైన శస్త్రంతో (భ.గీ.15-3) సంసార అశ్వత్థ వృక్షాన్ని చేధించాలి. ఆ జ్ఞానాన్ని గీతా పరివార్ ద్వారా లభ్యమైన భగవద్గీతా నాకు బోధించింది. భగవద్గీతా కంఠస్థీకరణ అవసరమే, కాని గురువులు గోవింద్ దేవ్ మహారాజ్ గారు తెలిపినట్లు, గీతాజ్ఞానాన్ని జీవితంలో అన్వయించుకోలేకపోతే, అది అసంపూర్ణమౌతుంది. వారాంతపు వివేచనల అనువాద ప్రక్రియ నా జ్ఞానాభివృద్ధికి వరప్రసాదమైనది.

అనన్య భావంతో, శ్రద్ధాభక్తులతో నిరంతర చింతన, ఫలాపేక్షరహిత కర్మలతో స్వధర్మాచరణ మనకు జన్మరాహిత్యం ప్రాప్తిస్తుంది. గీతా చదవడమే కాదు, చదివించడం కూడ మనందరి బాధ్యత. నా ఈ ప్రయాణానికి కారణభూతులైనట్టి ఆద్యులు శ్రీ గోవింద్ దేవ్ మహరాజ్ గారికి, చోదకులైనట్టి సంజయ్ భయ్యా మరియు ఆశా భయ్యా గార్లకు, గీతా జ్ఞాన ప్రసాదాన్ని వితరణ చేస్తున్న వివేచకులకు, దోషరహిత ఉచ్చారణను బోధించిన ప్రశిక్షకులకు, అడుగడుగున స్ఫూర్తిదాయకంగా నిలిచిన ఆత్మస్వరూపులైనట్టి శర్మాజీ మరియు ఇతర సాధకులకు శతాధిక ప్రణామాలు. జై శ్రీకృష్ణ !

కృష్ణమోహన్ రావు తేరాల

తెలంగాణ

ಧಾಟಿ- ಗೀತಾ ಪರಿವಾರದ ಭಗವದ್ಗೀತೆಯ ಆರತಿ ಹಾಡು

ವಸುದೇವಗೆ ಸುತನಿವನೂ |ಕಂಸ ಚಾಣೂರರ ರಿಪು ಇವನು||
ದೇವಕಿ ಪುತ್ರನೂ ಲೋಕಕೆ ವಂದ್ಯನೂ | ಮೊದಲಿಗೆ ವಂದಿಪೆನು
ನಾ ಮೊದಲಿಗೆ ವಂದಿಪೆನು||

ಜಯ ಗೀತಾ ಪರಿವಾರ ಜಯ ಗೀತಾ ಪರಿವಾರ |
ಸುಂದರ ಸುಮಧುರ ಗೀತೆಯ ಕಲಿಸಿದ ಜಯ ಗೀತಾ ಪರಿವಾರ||
ಸಂಸ್ಕೃತದೀ ಶ್ಲೋಕ, ಕನ್ನಡದೀ ಪಾಠ
ಸ್ವರ ಅನುಸ್ವಾರವೂ ಸವಿ ರಸದೂಟವು |
ಪದ ಉಚ್ಚಾರವು ಸ್ಪಷ್ಟ|| ಜಯ ಗೀತಾ ಪರಿವಾರಾ||

ಸುಶಿಕ್ಷಿತ ವೃಂದವೂ ತಾಂತ್ರಿಕ ವರ್ಗವೂ
ದಿನನಿತ್ಯವೂ ಪರಿಪಾಠ |
ತಿಷ್ಟುಪ್ ಅನುಷ್ಟುಪ್ ಛಂದಸ್ ಕಾವ್ಯದಿ
ಅಹರ್ನಿಶಿ ಗೀತೆಯ ಪಾಠ||ಜಯ ಗೀತಾ ಪರಿವಾರಾ||

ವಾರದ ಕೊನೆಯಲಿ ಗೀತಾ ಸಾರದ
ಅರ್ಥ ವ್ಯಾಖ್ಯಾನ|
ಪದಗಳ ಸಂಧಿಯ ನೀ ತಿಳಿ ಸಾಧಕ
ಸಂಸ್ಕೃತ ವ್ಯಾಕರಣ||ಜಯ ಗೀತಾ ಪರಿವಾರಾ||

ಗೀತಾ ಪಾಠಕ ಗೀತಾ ಪಥಿಕದ
ಪರೀಕ್ಷೆಯ ನೀ ಜಯಿಸೂ|
ಅಷ್ಟಾದಶಾಧ್ಯವ ನೀ ಕಲಿ
ಗೀತಾವ್ರತಿಯೆನಿಸೂ||ಜಯ ಗೀತಾ ಪರಿವಾರಾ||

ಭಗಿನೀ ರೋಹಿಣಿ ಶ್ರುತಿ ಸಾವಿತ್ರಿಯು
ನನ್ನ ಗೀತೆಯ ಗುರು ಇವರು|
ಭ್ರಾತೃ ಬಾಲಕೃಷ್ಣ ಪ್ರಕಾಶ ಹೆಗಡೆಯು
ಜೊತೆ ಇಹರೂ || ನನ್ನ ಗೀತೆಯ ಗುರು ಇವರು||

ವೇದವು ಶಾಸ್ತ್ರವು ದಾನವು ಧರ್ಮವು
ಸರ್ವವು ಅನುಸರಿಸೂ|
ತ್ಯಾಗದ ಭಾವದಿ ಈಶನ ಭಜಿಸಲು ಪರಂಧಾಮದಿ
ನೀ ಸುಖಿಸೂ||ಜಯ ಗೀತಾ ಪರಿವಾರಾ||

ಶ್ರೀ ಕೃಷ್ಣನ ಪರಮಾತ್ಮ ಶ್ರೀ ಕೃಷ್ಣನೆ ಅಂತರಾತ್ಮ
ಕೃಷ್ಣನ ಸ್ಮರಣೆಯು ಅಜರಾಮರವೂ
ಪರಿಶುದ್ಧವು ನಮ್ಮಾತ್ಮ||ಜಯ ಗೀತಾ ಪರಿವಾರಾ||

ಜಯ ಗೀತಾ ಪರಿವಾರ ಜಯ ಗೀತಾ ಪರಿವಾರ |
ಸುಂದರ ಬದುಕಿಗೆ ಗೀತೆಯ ಸಾರ
ಜಯ ಗೀತಾ ಹರಿಕಾರಾ
ಜೀವನ್ಮುಕ್ತಿಗೆ ಪರಿಹಾರಾ||

ಯೋಗೀಶ್ವರನಿವನೂ
ಸಚ್ಚಿದಾನಂದನೂ ಇವನೂ |
ದುಷ್ಟರ ಶಿಕ್ಷಿಸಿ ಶಿಷ್ಟರ ರಕ್ಷಿಸಿ ಧರ್ಮವ ಕಾಯುವನೂ
ಭಕ್ತರ ಪಾಲಿಪನೂ||

– Vani C Adiga
Udupi

ಕವನ- ಗೀತಾ ಪರಿವಾರ

ಕೃಷ್ಣ ನ ಸೇವೆಗೆ ಟೊಂಕವ ಕಟ್ಟಿ ನಿಂತಿದೆ ಗೀತಾ ಪರಿವಾರ .

ದೇವನ ವಾಂಙ್ಮಯ ರೂಪದ ಅರ್ಚನೆ, ಚಿಂತನ , ಮಂಥನ ನಿರಂತರ |

ಗೀತಾ ಕಲಿಕೆಯು ನಿ: ಶುಲ್ಕ ವಿಹುದು, ನಾಲ್ಕು ಹಂತಗಳ ವಿಂಗಡಣೆ .

ಕಲಿಯಿರಿ, ಕಲಿಸಿರಿ ಧ್ಯೇಯದೊಂದಿಗೆ ಸ್ಪಷ್ಟ ಉಚ್ಚಾರ ಕೆ ಮೊದಲ ಮಣೆ ||1||

ಇಹರಿಲ್ಲಿ ಕುಶಲ ತರಬೇತುದಾರರು, ತಾಂತ್ರಿಕ ವರ್ಗದ ಸೇವಿಗಳು..

ಸಮೂಹ,ಗುಂಪು ಸಂಯೋಜಕರು, ಆಡಳಿತ ಮಂಡಳಿ ನಿಯಂತ್ರಕರೂ|

ಕಲಿಕಾ ಸಾಮಗ್ರಿ ಗಳ ವಿತರಣೆ ಗಾಗಿ ವಿತರಣಾ ತಂಡ ಬೇರೊಂದಿದೆ.

ಸಾಧಕರ ಅನುಕೂಲತೆ ಗಾಗಿ ಕರೆ, ಸಂದೇಶ ದ ವ್ಯವಸ್ಥೆ ಇದೆ ||2||

ನಮ್ಮದೇ ಆಯ್ಕೆಯ ಸಮಯವು, ಭಾಷೆ ಯು, ನಲುವತ್ತು ನಿಮಿಷ ದ ತರಗತಿಯು ..

ಮನೆಯಲಿ ಕುಳಿತೇ ಇಪ್ಪತ್ತು ದಿನದಲಿ ಮೊದಲನೆ ಹಂತವು ಮುಗಿಯುವುದು|

ನಿಸ್ವಾರ್ಥ ಭಾವದಿ ತರಬೇತು ದಾರರು ನಮ್ಮನು ತಿದ್ದಿ ಕಲಿಸುವರು..

ಅಡಚಣೆ ಯಿಲ್ಲದೆ ವರ್ಗವ ನಡೆಸುವ ತಾಂತ್ರಿಕ ಸೇವಕರಿಲ್ಲಿಹರು ||3||

ಆರಂಭದಲೆರಡ ಧ್ಯಾಯ ಗಳು, ಪರೀಕ್ಷೆ ಭಯವೂ ಬೇಕಿಲ್ಲಾ..

ಸುಲಲಿತ ಪಠಣಕೆ ' ಗೀತಾ ಗುಂಜನ್ ' ಗರಿ, ಕಂಠ ಪಾಠ ದ ಗೋಜಿಲ್ಲಾ |

ಜಿಜ್ಞಾಸು, ಪಾಠಕ, ಪಥಿಕ , ವ್ರತಿ ಯೆಂಬ ಗೀತಾ ಪರಿವಾರ ದ ಅಭಿದಾನ..

ಆಸಕ್ತಿ ಹೊಂದಿ ಸಾಧನೆ ಮಾಡಿ ಮುಡಿಗೇರಿಸಿಕೊಂಡು ಮೆರೆಯೋಣ ||4||

ಸಂಸ್ಕೃತ ಶ್ಲೋಕ ವು ಕಠಿಣ ವೆನಿಸಿತೇ?, ಚಿಂತನ ವಿರುವುದು ವಾರಂತ್ಯ ದಲಿ ..

ತಿಳಿಯಿರಿ ಕಲಿತ ಶ್ಲೋಕಗಳರ್ಥವ ಅರ್ಥ ವಿವೇಚನೆ ಸತ್ರದಲಿ|

ಅನುಸ್ವಾರ, ಆಘಾತ, ವಿಸರ್ಗ ದ ಮರ್ಮವನರಿಯಲು ವಿಶೇಷ ವ್ಯಾಕರಣ ವರ್ಗವಿದೇ..

ಪ್ರತಿ ಏಕಾದಶಿ ಯಲು ಕೇಶವ ಕೃಪೆ ಗೆ ಗೀತಾ ಚಿಂತಾನಿಕ ಸತ್ರವಿದೆ ||5||

' ಜ್ಞಾನದ ಅಂತಿಮ ಫಲಿತಾಂಶ ವೇ ಸೇವೆ ' ಯು ಎಂದರು ನಮ್ಮಯ ಸ್ವಾಮೀಜಿ.

ನೀವೂ ಗೀತಾ ಸೇವಿಗ ಳಾಗಲು ಕೂಡಲೇ ಭರ್ತಿ ಮಾಡಿರಿ ಅರ್ಜಿ..

' ಹೊಂದಾಣಿಕೆ' ಗೆ ಹೆಸರಿನ್ನೊಂದಿಲ್ಲ – ' ಗೀತಾ ಪರಿವಾರ ' ವ ಬಿಟ್ಟು..

ಇಲ್ಲಿ ಸೇವೆಯ ಮೂಲ ಮಂತ್ರ ವೆ ಒಗ್ಗಟ್ಟು, ಕ್ರಿಯಾಶೀಲತೆ ಯ ಒಳಗುಟ್ಟು ||6||

ಗೀತಾ ಪಠಣದಿ ಅಂತರಾಳ ದಲಿ ಅರಿವಿನ ಅಂಕುರ ವಾಗುವುದು.

ಮಾತು, ಪದಗಳಿಗೆಂದೂ ನಿಲುಕದ ಆನಂದದನುಭೂತಿ ಯಾಗುವುದು|

ಪ್ರತಿ ಹಂತದ ಮುಕ್ತಾಯ ಘಟ್ಟದ ಲಿ ಆನಂದೋತ್ಸವ ರಸಕ್ಷಣ..

ಸಿಹಿ ನೆನಪಾಗಿ ಉಳಿವುದು ಎಂದಿಗೂ ಸುಂದರ ಪ್ರತಿಭಾ ಪ್ರದರ್ಶನ. ||7||

ಬಂಧು ಮಿತ್ರರ ನೆಲ್ಲರ ತೊಡಗಿಸಿ ಪರಿವಾರ ವನು ಬೆಳೆಸೋಣ..

ಆ ಮಹಾ ಮಹಿಮನ ಮಹಿಮೆಯ ಪಾಡುತ ಧನ್ಯತೆ ಯನು ಅನುಭವಿಸೋಣ||

Bharathi K

Karnataka

हमारा संपूर्ण आधार: गीता

हमारा सुखमय संसार है गीता,
जीवन के हर पल का उपकार है गीता।
हमें विवेकशील बनाने वाली,
जीवन को सच्चाई से सजाने वाली।
अनंत, अद्भुत, अलौकिक ग्रंथ है गीता,
सभी ग्रंथों में अनुपम तत्त्व है गीता।

हमारे लिए यह सर्वश्रेष्ठ वरदान है,
ईश्वर की दिव्य वाणी का प्रमाण है।
ईश्वर का प्रत्यक्ष आभास है गीता,
स्वयं ईश्वर का ही अंश है गीता।

हर बुराई का जो विध्वंस करती है,
ज्ञान का अपार भंडार भरती है।
हर ऊंचाई तक हमें पहुंचाने वाली,
सत्य और धर्म का बोध कराने वाली।

यह जीवन की हर राह दिखाती है,
धर्म का सही अर्थ समझाती है।
हमारे संसार की शाश्वत धारा है,
हर आत्मा के लिए ईश्वरीय सहारा है।

हमारा सुखमय संसार है गीता,
जीवन के हर पहलू का आधार है गीता।

-बलदेव विश्नोई

गंगानगर

अमृत वाणी

(वृत्त – अनलज्वाला – मात्रा – 24

8-8-8)

गोकुळ सुटले, सुटली राधा,पावा सुटला

पण गोपींचा, अन प्रेमाचा, बंध न तुटला

माखन नाही, आता हाती, आयुध धरले

मुकुटावरचे, मोरपीस ते, मनात भरले

पार्था संगे, रणांगणी पण, शस्त्र न हाती

पथ दर्शक तू, झाला त्याचा, पार्थ सारथी

तुझ्या मुखीची भगवद्गीता ज्ञानसरीता

ज्ञानवर्धिनी अमृतवाणी ऐकू गीता

वाचू शिकवू, घरात ठेऊ, कंठस्थ करु

कृष्णमुखीच्या, गीतेला या, जगी पसरवू

-वसुधा गोखले

The melody of Krishna

Geeta's verses, sweet and bright,

Dance in rhythm, day and night,

In children's voices, pure delight,

They chant with love, the path of light.

Through songs they learn, with hearts so true,

Each note a guide, for what to do,

In wisdom's sea, they drift and flew,

With Krishna's word, they're born anew.

-Debolina Bose

Kolkata

কৃষ্ণ অসীম

কৃষ্ণ চেতনা , কৃষ্ণ ভাবনা ।

কৃষ্ণ বোধ, কৃষ্ণ যোগ ।।

কৃষ্ণ ভক্তি , কৃষ্ণ মুক্তি ।

কৃষ্ণ করুণা, কৃষ্ণ প্রেরণা ।।

কৃষ্ণ আত্মা , কৃষ্ণ অনাত্মা ।

কৃষ্ণ শিখর , কৃষ্ণ সাধনা ।।

কৃষ্ণ নীরব, কৃষ্ণ সময় ।

কৃষ্ণ প্রারম্ভ , কৃষ্ণ প্রকাশ ।।

কৃষ্ণ স্থিতি, কৃষ্ণ বিনাশ।

কৃষ্ণ বাণী, কৃষ্ণ সখা ।।

কৃষ্ণ প্রেম, কৃষ্ণ কেশব।

কৃষ্ণ জ্ঞান, কৃষ্ণ জ্যোতি ।।

কৃষ্ণ অপার , কৃষ্ণ অসীম ...

-Kalyani Banerjee

Kolkata

ಎಂಥ ಸುಮಧುರ ಬಂಧನ

ಗೀತಾ ಪರಿವಾರ ಬಂದೆನಾ

ಎಂಥ ಸುಮಧುರ ಬಂಧನ

ಗೀತಾ ಪರಿವಾರ ಬಂದೆನಾ

ಗೀತೆ ಕೀರ್ತಿಯ ಉಳಿಸಿ

ಬೆಳೆಸಲು ಸೇವೆಯೊಂದೆ ಸಾಧನಾ

ನಡೆಯಲಾರದೆ ತೆವಳುತಿದ್ದೆನು

ನಡಿಗೆ ಕಲಿಸಿತು ಗೀತೆಯು...

ನುಡಿಯಲಾರದೆ ತೊದಲುತಿದ್ದೆನು

ನುಡಿಯ ಉಲಿಸಿತು ಗೀತೆಯು

ಪಡೆದೆ ಉನ್ನತ ಜ್ಞಾನ ಸದ್ಗುಣ

ಲಭಿಸಿ ಗೀತೆಯ ಸಂಗವು

ಗುರಿಯ ಅರಿಯದೆ ತಿರುಗುತಿದ್ದೆನು

ಮರೆತು ತನುವಿನ ಪರಿವೆಯ

ಗುರುವು ದೊರೆಯದೆ ಮರುಗುತಿದ್ದೆನು

ಪಡೆದೆ ಭಗವತ್ ಗೀತೆಯ

ದಾರಿ ದೀಪದ ತೆರದಿ ಬೆಳಗಿಹ

ಭಗವಂತನ ಉಪದೇಶವ.

ಗೀತಾ ಸೇವೆಯೇ ಭಗವಂತನ ಸೇವೆಯು

ಎನುವ ತತ್ವವು ಶಾಶ್ವತ

ಪೂಜ್ಯ ಗೋವಿಂದ್ ದೇವ ಗಿರಿಜಿ ರ

ಚರಣವಿರಚಿತ ಸತ್ಪಥ

ನಾಶವಾಯಿತು ಮೋಹಪಾಶವು

ಗೀತೆ ಗೆಲ್ಲ ಸಮರ್ಪಿತ

ಎಂಥ ಸುಮಧುರ ಬಂಧನ

ಗೀತಾ ಪರಿವಾರ ಬಂದೆನಾ

ಗೀತೆ ಕೀರ್ತಿಯ ಉಳಿಸಿ

ಬೆಳೆಸಲು ಸೇವೆಯೊಂದೆ ಸಾಧನಾ

-Kiran Kamble

Siddapur

I know nothing, Krishna!

I know not what to do, oh Krishna!

I know not what to say.

All I know is that you're listening

When I take your name in prayer.

I know not how to pray, Krishna!

I know not any austerity.

All I know is that you'll lead me

And guide me to eternity.

I know not about the future, Krishna!

Or how to erase the past.

All I know is that with your grace

This birth could be my last.

I know not when I'll see you, Krishna!

A vision in my heart or eyes.

All I know is that sooner or later

You will answer my pleas and cries.

I know not do's and don'ts, Krishna!

Or the plans of the God of Death.

All I know is that you're always around me

And you're in my every breath.

I know not when we'll meet, Krishna!

Sooner or later we will

I'm tired and exhausted, Dear Krishna

Don't wait for my breath to be still.

– Bindu Vidyadhar

Dakshina Kannada District,

Karnataka.

Finding Krishna Today

Between notifications and deadlines,

I find You, Krishna, hiding in plain sight—

in the morning coffee steams,

in market crowds,

in the quiet of my cluttered mind.

Your Gita rests in my backpack

next to laptops and chargers,

ancient wisdom wrapped in blue leather,

speaking louder than ever

in this age of digital noise.

"Find me in everything," You said,

and I do—in office meetings

where dharma needs defending,

in rushed decisions where Your words

whisper: “Act without attachment.”

Why do I feel You closer now,

in this chaos of Kaliyug,

than perhaps they did in simpler times?

Maybe because we’re more lost,

more hungry for meaning

between Instagram reels and Excel sheets.

Your battlefield teachings

make perfect sense

in my corporate wars,

where right and wrong dance

like Krishna and Radha,

eternally entwined.

Though I’ve never seen

Your peacock crown,

I sense You in the spaces

between thoughts,

in moments of clarity

when purpose shines through stress,

in unexpected kindness

found in urban jungles.

Each verse of Gita

unlocks something within—

turning anxiety into awareness,

confusion into cosmic dance,

making the infinite intimate,

the divine digestible,

the eternal immediate.

Here You are,

my ancient friend in modern times,

teaching me still

how to live fully,

love deeply,

work cleanly,

and find the sacred

in this beautiful chaos

we call today.

गीता परिवार: मानवता का दर्पण

मानव को मानवता की सीख देने वाला
जीवन का महान पाठ है गीता।
स्वयं को स्व स्वरूप से परिचित करवाता,
आत्मा का निर्मल दर्पण है गीता।

अनाहत नाद में छिपे ओंकार का
मधुर गुंजन है गीता।
साधक की भ्रमित बुद्धि और दृष्टि का
अमोल अंजन है गीता।

सत् और असत् की परिभाषा है गीता,
धर्म और अधर्म का गहन ज्ञान है गीता।
वेदों और शास्त्रों का सार है गीता,
हमारी संस्कृति का अमिट आधार है गीता।

“मैं और मेरा” की सीमा से परे ले जाती,
“बस तू ही, बस तू ही माधव” का संस्कार सिखाती।
वर्तमान भी गीता है, सनातन भी गीता,
अंतर्मुखता का पाठ पढ़ाकर,
चित्त, तन और मन को पावन करती गीता।

गीता चिंतन है, गीता मंथन है,
ज्ञान का नवनीत है गीता।
“कोऽहम्” के अंधकार का भेदन करती,
“सोऽहम्” का नंदादीप है गीता।

चारों पुरुषार्थों की आरती,
जीवन की सारथी,
सर्वव्यापक, सर्वसमर्पक,
गीता ही विश्वभारती।

गीता रूपी संजीवन बने,
हर जन के जीवन का आधार।
यही पवित्र संकल्प लेकर,
चल रहा है हमारा गीता परिवार।

प. पू. स्वामी गोविंददेव गिरिजी को और उनके कार्य को समर्पित कुछ पंक्तियाँ

"स्फूर्ति गोविंद की, ध्येय गोविंद का,

प्रयत्न गोविंद के, यश गोविंद का।

गोविंद से गोविंद तक, यह यात्रा एकरूप है

बस गोविंद ही गोविंद यहाँ, "मै" ब्रह्मीभूत है।"

– रिया देसाई

गीता का अमृत ज्ञान

गीता परिवार से जुड़कर,
जीवन का मर्म जान पाए हैं।

जब सब पहले से तय है,
फिर काहे का भय है।
गीता का यही ज्ञान है,
सब कर्मों का संचय है।

जीवन-मरण, लाभ-वहानी,
सब पहले से ही निश्चय है।
मृत्यु से क्यों डरना,
जब आत्मा अजर-अमर है।
भला करोगे, भला भरोगे,
किंचित ना संशय है।
गीता का यह ज्ञान,
सब कर्मों का संचय है।

अर्जुन से बोले सारथी कृष्ण,
यह सकल सृष्टि नश्वर है।
काम, क्रोध, मद, मोह, लोभ,
सब पतन के मूल हैं।
आत्मा का यह सत्य सन्देश,
तन का होता श्रेय है।
गीता का यह ज्ञान,
सब कर्मों का संचय है।

भक्तियोग, ज्ञानयोग,
और कर्मयोग का त्रय है।
जो इनमें से एक को अपनाए,
जीवन में वह पथ पाए।
ईश्वर में उसका विलय है,
भव बंधन से मुक्ति है।
गीता का यह ज्ञान,
सब कर्मों का संचय है।

जिसने सब प्रभु पर छोड़ा,
उसकी निश्चित विजय है।
प्रभु संग प्रेम का बंधन बांधो,
भेद-भाव सब भूलकर।
ऊंच-नीच की दीवार गिराओ,
और अंतर्मन हो ज्योतिर्मय।
कर्म के मर्म को जानो,
यह जीवन सत्य का स्नेह है।
गीता का यह ज्ञान,
सब कर्मों का संचय है।

– उमा बाहेती

कोलकाता


गोकुळाष्टमीच्या शुभेच्छा


गणपतीबाप्पा मोरया.
Tanu's creation
2023









Volunteer's Brigade

EXAMINATION DEPARTMENT
Shri Arun Taparia, Lakhimpur Khiri
Smt. Swati Kesarwani, Khopoli

SOCIAL MEDIA DEPARTMENT
Smt. Nisha Keny, Mumbai
Shri Abhishek Gupta, Asansol

GRAPHIC DEPARTMENT
Shri Varun Pathak, Pune
Shri Manish Satpute, Manwath
Smt. Dakshina Malladi, Mumbai
Smt. Harsha Dhiren Trivedi, Mumbai
Shri Paras Beriwala, Bhilwara
Smt. Rashmi Porwal, Ujjain
Smt. Abhilasha Bajpai, Betul

LG DISCIPLINARY COMMITEE
Shri Vikas Vaidya, Pune
Smt. Priyanka Havelia, Delhi
Shri Devendra Pathak, Khanrgone

BACK OFFICE DEPARTMENT
Shri Datta Bhandurge, Sangamner
Ms. Vaishnavi Raj Sahu, Lucknow
Ms. Janhvi Raj Sahu, Lucknow
Ms. Drishti Yadav, Lucknow
Ms. Pratiksha Kashyap, Lucknow
Ms. Manvi Raj Sahu, Lucknow
Ms. Shaifali Rajput, Lucknow
Ms. Deepika Nigam, Lucknow
Ms. Simran Prajapati, Lucknow
Ms. Prachi Nigam, Lucknow
Ms. Prachi Chauhan, Lucknow
Ms. Ishika Sonker, Lucknow
Ms. Soma Kannoujia, Lucknow

TELE, CHAT & MAIL HELPLINE DEPT
Shri Siddharth Havelia, Delhi
Ms. Kajal Srivastava, Delhi
Ms. Kavita Rajput, Delhi
Ms. Yogyalakshmi, Delhi
Ms. Shalu Shukla, Delhi
Shri Aryan Gupta, Delhi

GROUP REG. DEPARTMENT
Smt. Anshu Garg, Delhi
Shri Munish Agarwal, Ambala

SCHOOL REG. DEPARTMENT
Shri Meennath Narayan Lakhote, Bhandara
Smt. Abha Agarwal ji, Mumbai

JAIL REG. DEPARTMENT
Shri Santosh Singh, Indore
Shri Rajeev Gupta, Jaipur
Shri Umesh Sharma, Mumbai

CLASS MONITORING TEAM
Shri. Munish Aggarwal Ji, Ambala
Smt. Shraddha Raodeo Ji, Bhagyanagar
Smt. Darshana Anand Naik Ji, Nagapur
Smt. Lalita Malu Ji, Indore
Smt. Mamatha Rao Ji, Chennai
Smt. Vidya Pathrikar Ji, Pune

CHINTANIKA DEPARTMENT
Shri Harinarayan Vyas, Hyderabad
Smt. Kavita Mandhane, Parbhani
Smt. Nirmala Maru, Kota

GEETA PRACHARAK DEPARTMENT
Smt. Yogshakti Sharma, Sriganganagar
Shri Geet Govind Sahu, Jagdalpur
Smt. Jagruti Trivedi, Vadodara
Smt. Parul Bhargava, Prayagraj
Smt. Kiran Joshi, Raipur

ADMISSION DEPARTMENT
Smt. Roopa V Pai, Thirthahalli
Smt. Vini Maheshwari, Mumbai
Shri Dinesh Pandita, Delhi
Smt. Minal Dani, Bangalore
Smt. Radhika Rao, Gadag

CALLING & SUPPORT DEPARTMENT
Shri Rajneesh Arora, Lucknow
Smt. Mrudula Asawa, Pune
Shri Abhijit Joshi, Vadodara
Shri Mahesh Shawale, Mumbai
Shri Mahesh Kulkarni, Nashik

KANTHASTHIKARAN CLASSES
Smt. Kavita Taparia, Mumbai
Smt. Bina Chauhan, Canada
Smt. Archana Agrawal, Rajahmundary

GEETA VICHAKSHAN DEPARTMENT
Smt. Rupa Zariye, Bangkok
Shri Rahul Gaur, Jodhpur
Ms. Khyati Gupta, Lucknow
Shri Kriti Bardhan, Lucknow

GEETA PARAYAN DEPARTMENT
Smt. Shruti Nayak, Mumbai
Shri Anshuman Saini, Bangalore

Volunteer's Brigade

PATRON
P. P. SWAMI JI SHRI GOVINDDEV GIRI JI MAHARAJ

CONCEPT CHIEF
Dr. Sanjay Malpani

PROGRAM DIRECTOR
Dr.Ashu Goyal

PRINCIPAL TRAINER
Sau. Suvarna Malpani, Sangamner

PROGRAM COORDINATORS
Ms. Jyoti Shukla
Ms. Rupal Shukla
Ms. Kavita Verma

TRAINER'S TRAINING DEPARTMENT
Smt. Vijaya Godbole, Dehradun
Shri Shrinivas Warnekar, Nagpur
Sau. Vandana Warnekar, Nagpur
Sau. Anita Sangamnerkar, Ayodhya

IT & SOFTWARE DEPARTMENT
Smt. Hemangi Babat, Mumbai
Shri Pradeep Rathi, Pune
Shri Pankaj Agarwal, Lucknow
Shri Ashish Tiwari, Chitrakoot
Shri Vednath Mathur, Delhi
Shri Gagan Holani, Mumbai
Shri Vivek Sinha, USA
Shri Suresh Shankar Ghag, Vadodara

TRAINER MANAGEMENT DEPARTMENT
Smt. Ruchika Chaugaonkar, Dharamshala
Smt. Pooja Dongre, Banglore
Smt. Manisha Bardhan, Lucknow
Smt. Anita Ravishankar, Pune
Smt. Sheetal Salke, Pune
Smt. Anuja Lahoti, Dubai
Shri Meennath Narayan Lakhote, Bhandara

CREATIVE WRITING DEPARTMENT
Smt. Shradhha Mishra, Pune
Smt. Usha Prasad, Bangalore
Smt. Mamta Maheshwari (Hindi)
Smt. Shruti Sud, Gurgaon (English)
Shri Mandar Barve, Pune (Marathi)
Shri Jatin Dilip Ved, Mumbai (Gujarat)
Smt. Mala Narayan, Bangalore (Malayalam)
Shri VVLN Sharma, Hyderabad (Telugu)
Smt. Rachita Mishra, Bhubaneswar (Odia)
Smt. Akila Jayaraman, Kolkata, (Tamil)
Shri Manjunath Ji, Bangalore (Kannada)
Smt. Jigisha Shah, Nagpur (Gujarati)

TECHNICAL ASSISTANT DEPARTMENT
Shri Vidyanand Wagh, USA
Shri Suraj Sharma, UAE
Smt. Vijaya Muchhal, USA
Smt. Manisha Bhardwaj, Abu Road
Smt. Sneha Srinivas,Chennai
Smt.Abha Agarwal ,Mumbai
Smt Sheetal Bharadiya, Anjar, Gujarat
Shri. Dharmesh Shah, Pune
Smt. Pooja Rai, Dubai
Smt. Vidya Pathrikar, Pune
Shri Laxminarayana Bussa, Hyderabad
Smt. Rachna Tandon, Lucknow
Smt. Kanthi Raviram, Vizag
Smt. Kasturi K, Udupi
Shri. Debendranath Suthar, Kanpur
Smt. Akshatha B S K, UAE
Smt. Pushpa Joshi, Jaipur

LITERATURE PUBLICATION DEPARTMENT
Smt. Pooja Goyal, Lucknow (Compilation)
Smt. Rashmi Shrikant Mate, Thane (Hindi)
Shri Ujjwala Prakash Dharma Hyderabad (Hindi)
Smt. Ramrakhyani Mamta Ashok, Thane (Sindhi)
Smt. SEEMA SAHANI UDAIPUR, (Sindhi)
Smt. Radha Madhyastha Miyazaki, Japan (English)
Smt. Bindu Vidyadhar, Kannada (English)
Smt. Poushali Ghosh, Bengaluru (Bangla)
Smt. Ramesh Kumar Rateria, Calcutta (Bangla)
Mr. Keshav Patro, Bhubaneswar (Odia)
Smt. Anuradha Sahu, Mumbai (odia)
Smt. Banusuja Ramakrishnan, Los Angeles (Tamil)
Smt. Bhagya S Coimbatore, Tamil Nadu (Tamil)
Smt Lathika Prasad, Ernakulam (Malayalam)
Smt. Akhila Ekkatiri, Bengaluru (Malayalam)
Smt. Vidyavati N.S, Bengaluru (Kannada)
Smt. Usha Pradeep, Pune (kannada)
Shri Sharad Godbole, Mumbai (Marathi)
Smt. M.V. Santhi Varma Hyderabad (Telugu)
Smt. Neha Tushar Joshi, Gujarat (Gujarati)
Shri Tarun Gogoi, Dibrugarh (Assamese)
Shri Gunaraj Pokhrel Nepal, (Nepali)

GROUP COORDINATORS DEPARTMENT
Shri Jayesh Pandya, Jamnagar
Smt. Smita Mundada, Mumbai
Shri. Hanuman Prasad Baheti, Pune
Shri Dinesh D Akhani, Palanpur
Dr. Rajani Venkatram, Raipur
Dr. Sindhushree S, Bangalore
Smt. Meenakshi Priyadarshini, New Delhi
Smt. Hemlata Kalani, Pune
Shri A Venkat Rama Sharma, Jamshedpur
Shri Punit Vats Ji, Bhojpur

Volunteer's Brigade

AAO GEETA SEWI BANE DEPARTMENT
Smt. Pooja Sharma, Mehsana
Shri Tejas A Poojary, Bangalore

EVENT MANAGEMENT DEPARTEMENT
Shri Gopal Singh Nathawat, Bikaner
Smt. Sia Deshpande, UK
Smt. Kamalvara Kaushal, Ajmer

MESSAGE TRANSLATION TEAM
Shri Bindu Vidyadhar, Sullia
Smt. Jigisha Shah, Nadiad
Shri Subrata Paul, Kolkata
Shri Sharad Phadke, Vadodara
Shri Krishnamohan Rao Terala, Hyderabad
Ms. Thanu Pradeep, Kochi
Smt. Uma Subramani, Ranipet
Shri Gunraj Pokhrayal, Nepal
Shri Tarun Gogoi, Naharkatia
Ms Harcharankaur Khalsa, Ulhasnagar

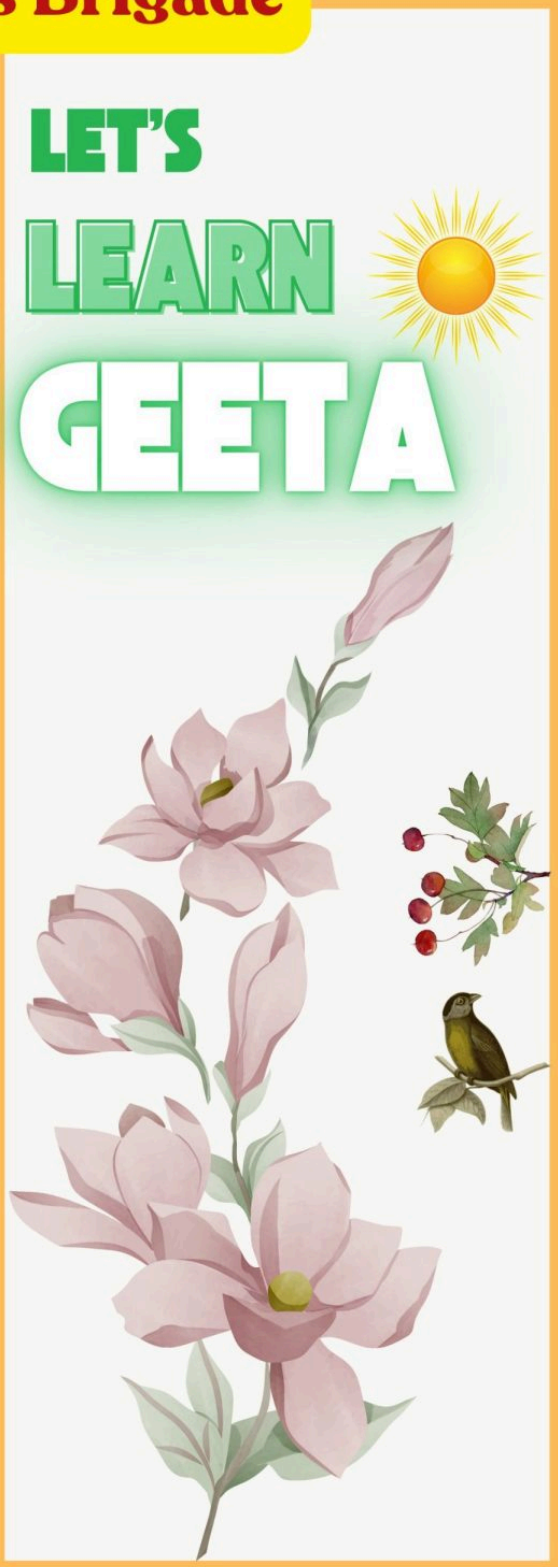
VIVECHAN MANAGEMENT TEAM
Smt. Rashmi Mate, Mumbai
Smt. Neeta Aspat, Mumbai
Shri Deepak Gupta, Jaipur
Smt Shraddha Karwa, Anand
Shri Suresh Vyas, Bikaner

OFFLINE CLASS COORDINATION DEPARTMENT
Smt. Namita Mehra, Mumbai

NEWSLETTER DEPARTMENT
Shri Sunil Kapdi, Mumbai
Smt. Vibha Deshmukh, Nagpur
Ms Kashmira, Thane

CONTENT FORWARDING DEPARTMENT
Smt. Riya Rajesh Khanvilkar, Hyderabad
Smt. Padma Priya, Gurugram
Smt. Anju Gupta, Chennai
Shri Chaitanya Choudhari, Amravati
Shri Manav Mehta, Hyderabad

LEARNGEETA.COM



S/N	Name of Geetavrati	City
1	A Sai Yeshin Reddy	Hyderabad
2	A Varalaxmi	Hyderabad
3	Aanvi Dipali Nikam	Navi Mumbai
4	Aaradhya Deepak Karwa	Solapur
5	Abhay Madhukarrao Deshmukh	Latur
6	Adhavalkar Sudhir Purushottam	Pandharpur
7	Aditya Ayachit	Nagpur
8	Aditya Bose	Kolkata
9	Adwithi Rao	Belthangady
10	Adwithi Rao	Belthangady
11	Adwithi Rao	Belthangady
12	Aishwarya Atul Sheth	Pune
13	Akshatha kedlaya	Barkur
14	Alaka Surendra Karnik	Nashik
15	Alka Aniruddha Murumkar	Kolhapur
16	Alka Chandrakant Aney	Wani
17	Alka vinod Autkar	Amravati
18	Alpa Manohar Kokate-1	Pune
19	Amita Chadha	New Delhi
20	Amruta Vaidya	Nagpur
21	Anasuya Nayak	Bangalore
22	Anay Singh	New Delhi
23	Angeli Mam Bhat	Jammu

24	ANIL KUMAR K PILLAI	Thane
25	Anil Prabhakar Bandishti	Thane
26	Anil Prabhakar Bandishti	Thane
27	Anila patel	Dubai
28	Anilesh Kumar Mishra	Mumbai
29	Anita Anil Neralkar	Nanded
30	Anita Dattatray kulkarni	Pune
31	Anita Somani	Bhilwara
32	Anjali Balwant Samant	Mumbai
33	Anjali Paturkar	Hingoli
34	Anjali Shivram Pusalkar	Thane
35	Anjana Uddhav Ghungurde	Solapur
36	ANJLI KUMARI	Phagwara
37	Anuja Avinash Bhave	Kolhapur
38	Anupam G	Bangalore
39	Anupama Niranjan	Udupi
40	Anuradha Arvind Joshi	Aurangabad
41	Anuradha lagvankar	Pune
42	Aparna Ashokkumar kadam	Alhambra
43	Aparna Ashokkumar kadam	Alhambra
44	Aparna Dnyanesh Joshi	Ratnagiri
45	Aparna Shastry	Amravati
46	Aparna Shinde-1	Thane
47	Aparna Suraj	Hyderabad

48	Aranav Balkrishna Gawas	Bicholim
49	Arati Shyam Bhutada	Pune
50	Archana Balaji Parsewar	Sonpeth,Parbhani
51	Archana Bang	Bhopal
52	Archana Ram Gundewar	Hingoli
53	Archana Ramdasi	Mumbai
54	Arnav Abhijit Wagh	Pune
55	Arun Sudarshanrao Patrikar	Pune
56	Aruna	Kaiwara
57	Arunchandra Bhaskar Andore	Thane
58	Arvind Chitale	KHAMGAON
59	Aryan Nyaneshwar Uskaikar	Mapusa
60	Asawari nitin joshi	Aurangabad
61	Asha Saboo	Kolkata
62	Asha Shashikant Rao Pathrikar	Pune
63	Ashish Vimalkant Pandey	Sambhajinagar
64	Ashwini kamlakar Mulay	Mumbai
65	Ashwini Prashant Pande	Nagpur
66	B Lakshmi narayanamma	Anatapuram
67	Bandana Atal	Biratnagar
68	Bhagavathi	Satyasai
69	Bhagwati Gautam Patel	Dapoli
70	Bhakti Thakkar	Dumont
71	Bharathi Reddy	Benguluru

72	Bharti kushwaha..	Shahdol
73	Bhattiprolu Padmavathi	penamaluru
74	Bhavana Prakash Nayak	Mumbai
75	Bhurkay Hemalata	Satara
76	Bina Chauhan	Vadodara
77	Bina Dani	Mumbai
78	Bindu	Bangalore
79	Binodini Pradhan	BHUBANESWAR
80	BOLLINENI Padmaja	Visakhapatnam
81	C Chandrashekhar	Raipur
82	CHAITHANYA KUMAR B N	ARSIKERE
83	Chandra kanta Nath	Dharmanagar
84	Chandrakala Joshi	Aurangabad
85	Chandrakant Devidas Kawade	Barshi
86	Chandrakant Devidas Kawade	Barshi
87	Chandralekha	Navi Mumbai
88	Chebolu Sobhana Subba Lakshmi	Rajavaram
89	Chebolu Sobhana Subba Lakshmi	Rajavaram
90	Chebolu Sobhana Subba Lakshmi	Rajavaram
91	Chellaboina Sai Kashi Vishwanath Aarav	Hyderabad
92	Chetnaben Hiteshbhai Shah	Anand
93	Chhaya Totala	Nashik
94	Chintamaneni Rama devi	Eluru

95	D.Madhavi	Paradeep
96	D.SRI LAKSHMI	Nandyal
97	Dakshakunvarba Jagdishsinh Gohil	Ahmedabad
98	Darsh Sharma	Agra
99	Darshan Diliprao Joshi	Latur
100	Datta Rambhau Kedare	Parbhani
101	Datta Rambhau Kedare	Parbhani
102	Deep kamal Sharma	Meerut
103	Deepa Mahesh	Bengaluru
104	Deepak Agrawal	Singapore
105	Deepali Aloni	Nagpur
106	Deepali Dilip jalwadi	Solapur
107	Deepali Kathane	Nagpur
108	Degala madhavi	Hyderabad telangana
109	Devidas Pandurang Paramwal	Nashik
110	Devika	Mangaluru
111	Devyani Sacheen Lathkar	HSR Layout
112	Dhara Girija	Guntur
113	Dhathri bhat	Mangalore
114	Dina Nath Yadav	Prayagraj
115	Dipika Mandhania	Makarana
116	Dipti Tamrakar	Durg
117	Dnyanada Sachin Kadam	Pune
118	Dr Asha Malu	Jalgaon

119	Dr Asha Malu	CITY
120	Dr Nirupama Dikshit Vrindavan	Vrindavan
121	Dr pradipbhai Manvar	Pune
122	Durvankur Prashant Pande	Nagpur
123	DUVVALA KUSHAL MANOHAR YADAV	CITY
124	Ekta Daga	Mumbai
125	Er Deva Sharma Paudel	Kathmandu
126	G Lathakumari	Dharmavaram
127	G Padma srinivas	Hyderabad
128	G vijayasree	Tadipatri
129	G.Sailaja	Hyderabad
130	Gagan Bihari Bhuyan	Bhubaneswar
131	Ganesh Auti	Pune
132	Gargi Kailas Ghungurde	Solapur
133	Gaurang Pabani	Ahmedabad
134	Gauri Devdatt Agxicar	Curtorim
135	Gauri Mahesh Mantrawadi	Dombivli
136	Gauriben Patel	Ahmedabad
137	GAYATHRI SL	BENGALURU
138	Geeta devi	Pakur
139	Govind Varshney	San Jose
140	Gulab Arjunsingh Mohta	Khamgaon
141	H N Nagaraj	Indore

142	Haritha Manthena	Hyderabad
143	Heena Shanker Dave	CITY
144	Hema Badrinarayan Laddha	Amravati
145	Hema Badrinarayan Laddha	Amravati
146	Hema vijaykumar deshpande	Pune
147	Hemakiran Krishnamurthy	Bengaluru
148	Hemalata Ramachandr Jadhav	KOLHAPUR
149	Hemali Chitalia	Mumbai
150	Hemang Trikamlal Dipankar	Vadodara
151	Hirokendu Purkayastha	Barrackpore
152	Hridaan Kulkarni	Pune
153	Ibungoton Sinam	Kolkata
154	Indumathi S	Chennai
155	Ishaan harshad Bedarkar	Nashik
156	Jaini Deepika	Dhone
157	JALINDER ANNA RAYGUDE	Panvel
158	Jaya Vasant Kulkarni	Nagpur
159	Jayalakshmi	Hyderabad
160	Jayant Balkrishna Kulkarni	New Panvel (West)
161	Jayashree JN	Bengaluru
162	Jayashree Tamhankar	Pune
163	JIGNASA S NAKUM	Junagadh
164	Jyoti Shinde	Pune
165	Jyoti Zanwar	Mumbai

166	Jyotsna Ashwin	CITY
167	Jyotsna pujari	Aurangabad
168	Jyotsna Tryambak Ingale	Nhavi
169	Jyotsna Tryambak Ingale	Nhavi
170	Kailash chandra agrawal	Mathura
171	Kala subramanian.	Chennai
172	Kamakshi ellur	Ballari
173	Kamal Ashok Adhav	Ahmednagar
174	Kamal Bhange	Aurangabad
175	Kamal Devidas Chaudhari	Pune
176	Kamlabai Bhutada	Deulgaon Raja
177	Karnakanti Laxmipathi	Karimnagar
178	Karri Kamireddy	Kakinada
179	Karunasindhu De	Kolkata
180	Kashinath Pati	Bhubaneswar
181	Kasturi Chiplunkar	Udupi
182	Kavita Gupta	Noida
183	Ketan Damle	Thane
184	Kiran Ashok Kalbhore	Nagpur
185	Kiran Bhardwaj	Hyderabad
186	Kiran poddar	Kolkata
187	Kiran puri	New Delhi
188	Kiran Ramakrishnan	Pune
189	KIRANBALA NAGAR	Acton

190	KIRTI MUJUMDAR	Hyderabad
191	Kirti Pramod Shidhaye	Aurangabad
192	Kirti Rathore	udaipur
193	Kishore Marathe	Pune
194	Kishori Desai	Surat
195	Kolluru Lakshmi	Hyderabad
196	Koyeli Ganguly	Jabalpur
197	Kranti Adesh Nirhali	Pune
198	Krutika Bhambhani.	Mumbai
199	Kunadharaju Rama Devi	Bhimavaram
200	Lakshmi Prabha Rao	Bangalore
201	Lakshmi Pushpa Kodali	Hyderabad
202	Lata Dubey	Seoni
203	Lata Kancharlawar	Nanded
204	Latika bagawan patil	Sangali
205	Latika Chilwar	Pune
206	Latika Chilwar	Pune
207	Leena G Gokarn	Bangalore
208	Madan Dinkar Kalwit	Nagpur
209	Madhav Bhandari	Pokhara municipality-29, Bhandardhik
210	Madhavi latha	Ballari
211	Madhumati R Shigehalli	Siddapur
212	Madhura Mukund Amdekar	Ambernath

213	Madhura Upendra Vaidya	Pune
214	Madhuri Apte	Indore
215	Madhuri Bhanudas Choudhary	Buldhana
216	Madhuri Manoj Kulkarni	AMRAVATI
217	Madhuri patil	Bhilai
218	Mahalakshmi Sridhar	Coimbatore
219	Mahavir Agrawal	Kanpur
220	Malathi K	Bangalore
221	Malati Bhagwat Patil	Bhusaval
222	Malti liladhar Rathi	Amravati
223	Mamatha Duvvala	CITY
224	Mamta	Delhi
225	Mamta	New Delhi
226	Mamta	Delhi
227	Mamta	Delhi
228	Mamta	Delhi
229	Mamta	New Delhi
230	Mamta Ashutosh Pawar	Nashik
231	Mamta Gupta	New Delhi
232	Mamta Gupta	New Delhi
233	Mamta Tandon	Lucknow
234	MANASI KANITKAR	PUNE
235	Mangala Gangadhar Vaidya	Ahmednagar
236	Mangala Pandurang Chavan	Nashik

237	Mangala Sudhir Bhangale	Malkapur
238	Manika Periwal	Mumbai
239	Manisha Deo	panvel
240	Manisha patil	Nagpur
241	Manisha Rathi	Bhiwandi
242	Manisha thakkar	Dombivali
243	Manjusha Markale	CITY
244	Maya Ram Sharma	Lucknow
245	Medha Makarand Joshi	Nashik
246	Medha Milind Inamdar	Pune
247	Medha Vinayak	Sagar
248	Meena Bhanage	Ambernath
249	MEENA PRASAD SHARMA	Amalner
250	Meenakshi Ramanna	Bangalore
251	Meenakshi veeranna Takkalki	Gulbarga
252	Meeno Bhat	Bhiwadi, Alwar
253	Meera agarwal	CITY
254	Meera Didwania	Kolkata
255	Meera Gupta	Meerut
256	Meera Mangesh Trifaley	Nagpur
257	Megha kulkarni	Hingoli
258	Megha Uday Panse	Nagpur
259	Meghana Uday Girdhari	Aurangabad
260	Meghana Y m	Vijayapura

261	Mehul M Anjaria	Vadodara
262	Mihir Pathak	Mumbai
263	Milon Acharya	Nabasan
264	Misha S Apya	Coimbatore
265	Mitali Satyan Gujar	Pune
266	Mithipati Lakshmi Kameshwari	Kakinada
267	Mohit Kulkarni	Nagpur
268	Mrinalini Sachin Joshi	Ahmedabad
269	Mrs Ashwini Pramod Thite	Pune
270	Mrs Mrudula Bhat	Pune
271	Mrs Nanda Vijay Padegaonkar	Nagpur
272	Mrs Rashmi Ramesh Khunte	Mumbai
273	MRS SEEMA HANMANT KULKARNI	Nashik
274	Mrs Seema Joshi	Nashik
275	Mrs. Geetanjali prashant pachhade	Ahamadnagar
276	Mukta Vijay pokale	Sonpeth
277	Mukund K Dhalewadikar	Thane
278	Munmun Roy	Howrah
279	Naga Raja Chetty Annam	Bangalore
280	Nagamalleswari Rachakonda	Guntur
281	Nalini Muralidharan	Navi Mumbai
282	Nalubola Jai sree	HYDERABAD
283	Naman Sumit Nevaskar	Pune

284	NARENDRA PRASAD VYAS	Bhopal
285	Neelam Sachdeva	Ghaziabad
286	Neelima Shashikant Mainkar	Mumbai
287	Neeta Ashok Badiyani	Mumbai
288	Neeta Suresh Tolye	Ratnagiri
289	Nikhileshwar Prasad	SAHIBGANJ
290	Nilima Agashe	Pune
291	Nilima Agashe	Pune
292	Nilima Agashe	Pune
293	Nilima Agashe	Pune
294	Nirmala ponnapalli	Narsapur
295	Nirupama Bhaskar Puthran	Mumbai
296	Nisha Devi Tripathi	Udhampur
297	Nisha kulshreshtha	Greater Noida
298	Nisha Rani sonowal	Dibrugarh
299	Nisha Rani sonowal	Dibrugarh
300	Nishi Gupta	Samastipur
301	Nupur Gupta	Mumbai
302	Om prakash Srivastava	Lucknow
303	Omprakash Varma	Nashik
304	P Uma Mukund	Hyderabad
305	P.V.B.T. Sundari	CITY
306	Padmavathi Karna	Kukatpally, Hyderabad
307	PADMAVATHY PRABHAKAR	Dombivali

308	Pallavi amit Rokde	Parli vijanath
309	Panchal Parulben	Munpur
310	Parirupa Mohanta	Baripada
311	Parvataneni Bhaskara Rao	Bowrampet, Hyderabad
312	Parvati Upadhya	Kumta
313	Pendse vaidehi Ramchandra	Pune
314	Pooja narayan tela	Umarkhed
315	Poonam Chadha	Bengaluru
316	Poonam Chadha	Bengaluru
317	Potluri Prathima	VISAKHAPATNAM
318	Prachi Vaibhav Kulkarni	Thane
319	Pradeep Bhagwat Patil	Faizpur
320	Pradnya Gadgil	Pune
321	Prakash Gajanan Rajadhyaksh	North Goa
322	Prakash Porwal	Pune
323	Prakash Ramchandra Joshi	Jule Solapur, Solapur
324	PRAKASH SADASHIV KATRE	Nerul Navi Mumbai
325	Pramila Deshmukh	Noida
326	Pramila Saboo	Kozhikode
327	Pramila Saboo	Kozhikode
328	Pranav Ghante	Bangalore
329	Pranita Wagh	Bilaspur
330	Pranjali Prashant Tammewar	Gadchiroli
331	Prasanna Lakshmi VC	Bangalore

332	Pratibha Laxman Nankar	Dombivali, Maharashtra
333	Pratibha Mahendra Karwa	Jalna
334	Pratibha Prakash Bhat	Mumbai
335	Pravina Dilip Bhuptani	Pune
336	Preetha Balasubramanian	Bangalore
337	Prema Bhat	Bangalore
338	Prerana prashant aparajit	Nashik
339	Priti Lalit Gediya	Mumbai
340	Pritili Modak	Kolkata
341	Priya Pandurang Narlawar	Nanded
342	Priya Tejas Pimpalwadkar	Pune
343	Priya Tejas Pimpalwadkar	Pune
344	Puja Vijaykumar Raut	Pune
345	Pukhraj Kachhwaha	Carmel, IN USA
346	Purti Pramod kulkarni	Pune
347	Pushpa Rajendra Sonaje	Nashik
348	Pushpa Rajendra Sonaje	Nashik
349	Pushpa Vijay Chaudhari	Bhusawal
350	Pushpa Vijay Chaudhari	CITY
351	R Sundararaman	BANGALORE
352	Radha Madhyastha	Miyazaki
353	Radha Mahadev Chinchole	Beed
354	Radha Maheshwari	Kekri
355	Radha sinha	Varanasi

356	RADHARAMESH	Vijayanagara
357	Radhika Shivaji Nikam	Navi Mumbai
358	Radhika Varada	hyderabad
359	Raghavan vr	Mysore
360	Rajani Chamadia	Rewa
361	Rajani Rajaram Biwalkar	Dombivali
362	Rajani Saraf	Nashik
363	Rajashri Shrikant Dande	Yavatmal
364	Rajender Singh	Faridabad
365	Rajkumar Sharma	Mathura
366	Rajoo Joshi	Balodabazar
367	Rakesh Rani Kansal	Panipat
368	RAKESH SINGH SIKARWAR	MATHURA -BALDEO
369	Rakhi Shrikrishna Kulkarni	Pune
370	Rama	Udupi
371	Rama aggarwal	Ghaziabad
372	Rama Jayasheel	Bangalore
373	Ramachandra Kulkarni	Mumbai
374	Rameshbhai Bhagvanbhai Zala	Ahmedabad
375	Ramineni Satyavathi Devi	Hyderabad
376	Ramya G Nitte	Udupi
377	Ramya G Nitte	Udupi
378	Ranganayakamma	Hyderabad
379	Rani gupta	Biaora

380	Ranjana Wani	Pune
381	Ranjanben chhaganbhai Patel	Surat
382	Ratnamala Lowalekar	Pune
383	RAVIKANT KARDA	Mumbai
384	Rayapati madhavi	Adoni
385	Rayapudi sridevi	Rajahmundry
386	Reeta Chawla	Ludhiana
387	Rekha Bhat	Udupi
388	Rekha Phalak	Nashik
389	Rekha Prakash Patil	Thane
390	Rekha Purushotam Maniyar	Jintur
391	Rekha Ramchandra Palsokar	à¤ªà¥□à¤¨à¥‡
392	Rekha Ravindra Joshi	Aurangabad
393	Rekha Trivedi	Jalgaon
394	Renuka Zanwar	Ambajogai
395	Revathi Deepak Kulkarni	Belgaum
396	Revati Vilas Khedkar	Nashik
397	Richa Abhay Kumbhojkar	Kolhapur
398	Ritu Anand Chandak	Akola
399	Ritu Sharma	Amritsar
400	Rohini moreshwar hepat	Yavatmal
401	Rohit Kushwaha	Lakhimpur kheri
402	Roopa N Aithal	Bengaluru
403	Roopashri Kumar	Bengaluru

404	RSSharma	Noida
405	Rukmini Agarwal	Ahmedabad
406	Rukmini Devi K	Sullia
407	Rupa Maheshkumar Zariye	Bangkok
408	Rupali Ankush Giri	Ulwe,Navi Mumbai
409	Rupali ravindra bharambe	Jalgaon
410	Rupali ravindra bharambe	Jalgaon
411	Sadhana Deshpande	Mumbai
412	Sadhana Devendra Sharma	Bhusawal
413	Sadhna Shukla	Lagos
414	Sagar Soni	Gandhinagar
415	Samarth maheshwari	Kekri
416	Sanavi Satish Pathak	Barshi
417	Sangeeta jain	Narnaul
418	Sangita Sanjay Deo	Amravati
419	Sanjay Lohia	Kathmandu
420	sanjay mali	Bentonville
421	SANJEEV VAMANACHARYA PUJAR	NAVI MUMBAI
422	Sanjita Agarwal	Dhuliyan
423	Sanjivani Shivajirao Kulkarni	Pune
424	Santosh verma	Delhi
425	Santosh Wadhwa	New Delhi
426	Sapna D Jeere	Bangalore

427	Sarika Vivek	Akot
428	Sarika Vivek	Akot
429	Sarika Vivek	CITY
430	Sarita Agrawal	Biratnagar
431	Sarita Rani	Patran
432	Saroj Rani	North West
433	Saroj Vishwas Surve	Dadar Mumbai
434	Saroja Shivaram Bhat	Tirupati
435	Satyanarayana Nalla	Suryapet
436	Satyavathi	Khammam Telangana
437	Savita Chidrawar	Pune
438	Savita lohia	Kathmandu
439	Savita Mehare	Pune
440	Savita Mukund Gaikwad	Solapur
441	Savithri	PUTTUR
442	Sayalee Shekhar Samudra	Kalyan
443	Sayoni Datta	Bangalore
444	Seema arya	Jaipur
445	Seema Kerhalkar	Pune
446	Selvalakshmi Senthilingam	Sivakasi
447	Shailaja ulhas inamdar	Delhi
448	Shamal Durgadas Deshpande	Pune
449	Shanta Shah	Ahmedabad
450	Shantha Sankaranarayanan	Thane

451	Sharada Iyer	Coimbatore
452	Sharayu Shivaji Gawade	Pune
453	Sharda Pareek	Ratangarh
454	Sharda Vilas Mahajan	Nagpur
455	Sharvari Krishna Parab	Mumbai
456	Shashi Gupta	Sabalgarh
457	Shashi Rekha KN	Bengaluru
458	Shashikala N	Bengaluru
459	Shashirekha M	Nashik
460	Shatruhan Lal Sahu	Durg
461	Sheela Angadi	Belgaum
462	Sheetal Goyal	Raigarh
463	Shijili .T	Kozhikode
464	Shilpa Khandekar	Vadodara
465	Shilpa Vishnoi	Pune
466	Shirish Raghunath Kshirsagar	PUNE
467	SHIVAPRASAD K U	Hospet
468	Shivarani Gudiyella	Hanumakonda
469	Shobha Channagiri	Bangalore
470	Shobhana K R	Yeldur
471	Shraddha Khaitan	Kolkata
472	Shraddha Rajendra Deshpande	Panvel
473	Shraddha Shripad Mungantiwar	CITY
474	Shraddha Umesh Landge	Amravati

475	Shriram Daptardar	Pune
476	Shrirang Patil	Aurangabad
477	Shruti Navale	MUMBAI
478	Shruti Shripad Phatak	Mumbai
479	Shubhangi tekade	Panvel
480	Siddemsetty manju	Vijayawada
481	Sitaram Purohit	Vadodara
482	Sivakumari Adusumilli	Krishna
483	Smita Agashe	Pune
484	Smita Dinesh Gujar	satara
485	Smita Palkar	Pune
486	Smita Suhas Khanolkar	Nashik
487	Smitha Rao B	CITY
488	Sneha Hemant Bhatawadekar	Mumbai
489	Snehal Kalgaonkar	Pune
490	Snehal Suhas Majgaonkar	Pune
491	Sonal Jindal	Kota
492	Sonali Deepak Desai	Ponda
493	Sonali Mulay	Navi Mumbai
494	Sreedevi	Bengaluru
495	Sripriya Dumpa	Thane
496	Subashini K	Other States Of India
497	Subha Senthilkumar	Chennai
498	SUBHASH GODBOLE	Nagpur

499	Subhash Hari Sane	Nashik
500	Subhash Madhav Bhirud	Pune
501	Sucheta Deepak Karande	à¤®à¥□à¤,à¤¬à¤^
502	Sucheta shembekar	Navi mumbai
503	Suchita Daulat Sawant	Mumbai
504	Suchita Subhash Pingle	Pune
505	Sudha Anil Kumar Pillai	Thane
506	Sudha Kamath	Karkala
507	Sudha Rajani	Chennai
508	Sudhanshu Mukund Joshi	Nagpur
509	Sudhir Purushottam Adhavalkar	Pandharpur
510	Suhas s Suratkar	Vadodara
511	Sujata Sawant	Pune
512	Sujata Uday Kulkarni	Thane
513	Sujata Wamanrao Moharil	Chandrapur
514	SUKANTA MUKHERJEE	Daskalgram
515	Suma Athri	Bangalore
516	Suma HV	Mysore
517	Suma prashanth bhat	Kumta
518	Suman Bharat Bhutra	CITY
519	Suman Shekhawat	Jodhpur
520	Sumana S Revankar	Kumta
521	Sumit Barman	Ayodhya
522	Sumitra Bhat	Bangalore

523	Sunanda Arvind Kulkarni	Parbhani
524	Sunanda vilas Attarde	Dombivli
525	SUNEELA	Hyderabad
526	sunita agrawal	bangluru
527	Sunita Bakare	Talegaon Dabhade
528	Sunita goel	Delhi
529	Sunita Lalwani	Pune
530	Sunita P Golesar	Nashik
531	Sunita Subhash Jadhav	Ulhasnagar
532	Sunita suresh Bhide	Pune
533	Sunita Tiwari	Seoni
534	Sunitha Suresh Mallya	Karkala
535	Supekar Sunanda	CITY
536	Supriya Patki	Islampur
537	Surekha Madhukar Worlikar	Mumbai
538	Surekha Pandurang Amilkanthwar	Nanded
539	Surekha Shailesh Kulkarni	Ambajogai
540	Surekha Sridharrao Bende	Udgir
541	Surendra Malik	Delhi
542	Suresha L	Bangalore
543	Sushama Nandkumar Tanksale	Sangli
544	Sushil Kumar Chandrakar	Dhamtari
545	Sushma kelkar	Bhopal M.P
546	Suvarna Shrikant Tarkase	Parbhani

547	Swapnil Satish Pathak	Barshi
548	Swathi K S	Bengaluru
549	Swati Amit Maheshwari	Nasik
550	Swati Ashok Kulkarni	Nanded
551	Swati Gujarathi	Aurangabad
552	Swati Kesarwani	Khopoli
553	Swati Narendra Itkikar	Nagpur
554	Swati Pramanik	Pune
555	Swati Pravin Patil	Malkapur
556	T Malathi	Kalahasti
557	Tangirala Vijaya Lakshmi	Bhadrachalam
558	TANISHQA BHATIA	Edison
559	Thanu Pradeep	Kochi
560	Ujwala Bidarkar	Chhatrapati Sambhaji Nagar
561	Ulhas Bhorkar	Bhopal MP
562	Ulhas Gagapalliwar	Gadchiroli
563	Ulka Bhupendra Kadu	Umargam
564	Uma Shankar	Bangalore
565	Urmila Agarwal	Jalgaon
566	Urmila Agarwal	Jalgaon
567	Urmila Agarwal	Jalgaon
568	Urvashi Patel	Danville
569	Usha Digambar Karambelkar	Kolhapur
570	Usha Gangatirkar	Nagpur

571	Usha K	Mangalore
572	V SUDHA SREE	Chennai
573	Vaghani Narayani Rushikkumar	Surat
574	Vaibhav kumar choudhary	Darbhanga
575	Vaidehi Daptardar	Pune
576	Vaishali Balduwa	Bhisi
577	Vaishali digambarrao kulkarni	Latur
578	Vaishali digambarrao kulkarni	Latur
579	Vaishali Jitendra Dixit	Nagpur
580	Vaishali Kothari	Bhayander
581	Vaishali Vishwas Tengse	Dombivali
582	Vaishali Vora	Mumbai
583	Vaishnavi Vineet Joshi	Indore
584	Vandana Gour	Narmadapurm
585	Vandana Patil	Mumbai
586	Vandana Shrinagesh Sabnis	Pune
587	Vandana Vijay patil	Nandurbar
588	Vani C Adiga	Udupi
589	Varsha shivajirao saraf	Hingoli
590	Varsha Sole	Pune
591	Varsha Vijay Patil	Pune
592	Varsha Vijay Patil	Pune
593	Varsha Vijay Patil	Pune
594	Varun Pathak	Pune

595	Vasudha Apte	CITY
596	Vasudha Deshpande	Pune
597	Vasudha Kishor Nanivadekar	Kolhapur
598	Vasudha m k	Bengaluru
599	Veena Joshi	Udupi
600	Veena Kamath	CITY
601	Veena Krishna	Bangalore
602	Veena Verma	New Delhi
603	Veerendra Kumar Trivedi	Jaipur
604	Veerendra Kumar Trivedi	Jaipur
605	Veerendra Kumar Trivedi	Jaipur
606	Veligotla Meenakshi	Nagpur
607	Venkata Sai Saranya Mandapaka	Visakhapatnam
608	Vibha Ashok Joshi	Pune
609	Vidya Madhwrao Badwaik	Bhandara
610	Vidya Nishtala	Hyderabad
611	Vidya Shanker Sharma	Prayagraj
612	Vidyanand Wagh	Austin
613	Vijay Laxmi	Bangalore
614	Vijaya Jhavar	Mumbai
615	Vijaya Kabra	Mandsaur
616	Vijaya Nandkishor Toshniwal	Pune
617	Vijayalakshmi S	Mangalore
618	VIJAYALAXMI B. UMANWAR	Vapi

619	Vinaya Dattatraya Ambeskar	Vengurla
620	Vinaya Nagesh Prabhu	Mumbai
621	Vinaya Nagesh Prabhu	Mumbai
622	Vinaykumar Sadashiv Ashtunkar	Abu Dhabi
623	Vinita vinayak vaidya	Pune
624	Vinod Batra	Delhi
625	Vipin Saluja	DELHI
626	Vishnu Raghunathrao Hingane	Osmanabad
627	Vivaan Ashish Jawarkar	Vadodara
628	Vivek Vishnupant Ambekar	Sunnyvale
629	Vrushali Vasant mahale	Pune
630	Vyjayanthi Gurudath	Auckland
631	Y V Rami Reddy	YD Padu
632	Yachna Chandra	Jaijaipur
633	Yashita Anand Chandak	Akola
634	Yashoda R Bhat	Karkala
635	Yogesh Kumar	New Delhi
636	Yogesh ladha	Nawa city
637	Zalak Ghanshyam Dodiya	Ahmedabad





A Sai Yeshin Reddy



A Varalaxmi



Aasawari Kiran Sathe



Abhijna



Acharya Guruji



Akshatha Nayak



Alka Gupta



Amita Shukla



Anchal Maheshwari



Anchal Maheshwari



Anilesh Kumar Mishra



Anita Tantak



Anjali Prakash Lahoti



ANJLI KUMARI



Anuja Jayant Pingle



Anupama Niranjan



Aparna Ashokkumar kadam



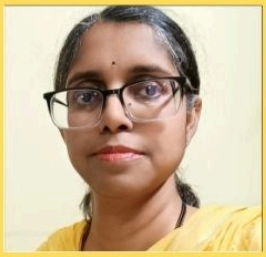
Aradhya



Arati Hemant Naik



Aruna srivastava



Ashwini Kerkar



Ashwini Shrikant Joshi



Bandana Atal



Bhagavathi





Bhakti Thakkar



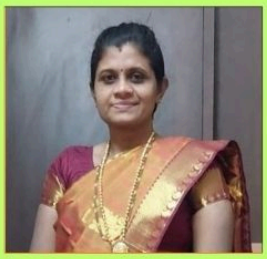
Bharathi Prakash



Bhattiprolu Padmavathi



Bhurkay Hemalata



Bindu



Chandrakant Devidas Kawade



Chebolu Sobhana Subba Lakshmi



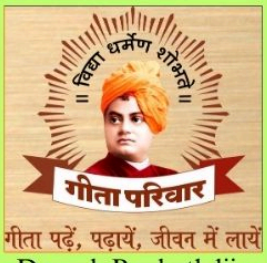
Chhaya Avinash Padwal



Chhaya Dattatraya Kharche



D.SRI LAKSHMI



Deepak Bankatlalji Chandak



Devidas Pandurang Paramwal



Dimple Dikshit



Dipali Sanjay Tathe



Dr Anita Ramesh Thakur



Dr Asha Malu



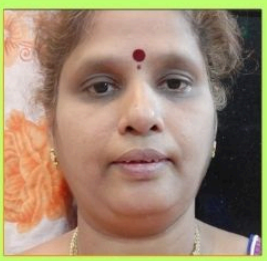
Dr Sadhana Devendra Sharma



DUVVALA KUSHAL MANOHAR YADAV



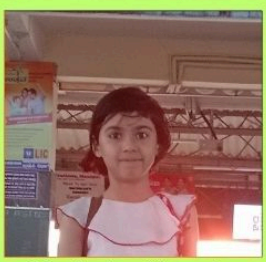
Ekta Daga



G vijayasree



Gaurang Pabani



Haripriya Yogesh



Hema Badrinarayan



Hema vijaykumar

	Khandelwal	Laddha	deshpande



Hetal Patel

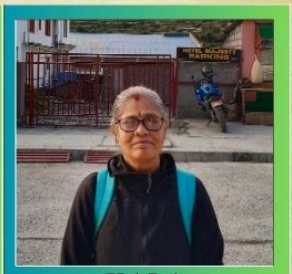

Hiral Vaidya


Indu Prasad


Jaya Vasant Kulkarni


Jaymala Neelkanth Bomange


Kajal Mihir Shah


KALA SUBRAMANIAN


Kasturi Chiplunkar

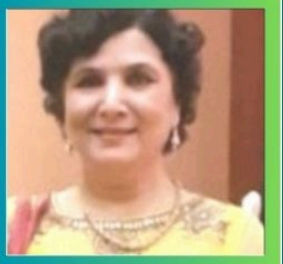

KASTURI K


Kiran Ashok Kalbhore



Kiran Bhardwaj


Kiran Gaggar


Kiran puri


Kirti kishor kondawar



Dr Anita Ramesh Thakur

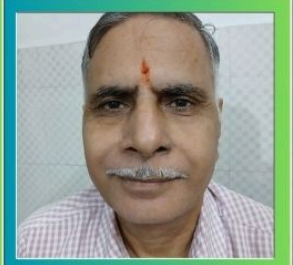


Kishor Kamlakar Lonkar


LAKSHMI TULASI P



Lakshmi vempati


Madan Pal Singh



Madhuri Bhanudas Choudhary


Madhuri Mandhana


Malti liladhar Rathi



Mamatha Duvvala


Mamta Gupta

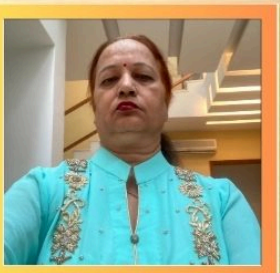




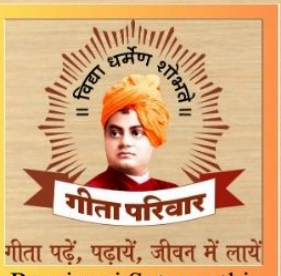
Radha Maheshwari



RADHARAMESH



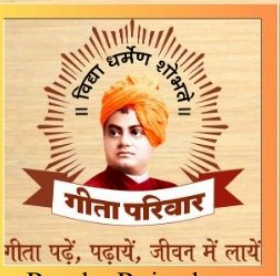
Rakesh Rani Kansal



Ramineni Satyavathi Devi



Rani Gupta



Reecha Rajendra Patel



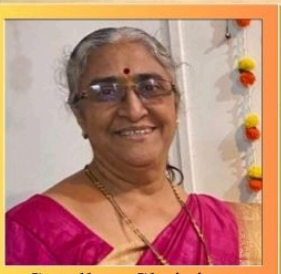
Rekha Phalak



Rekha Prakash Patil



Renu Vaid



Sandhya Shriniwas Muley



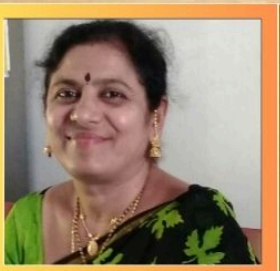
Santosh Kashyape



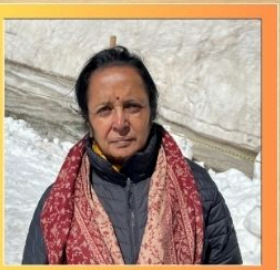
Sarita Rajeev Phadnavis



Saroj Agrawal



Satyavathi



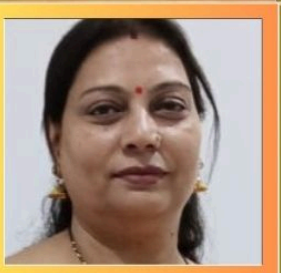
Savita Dalmia



Savita Sethi



Seema arya



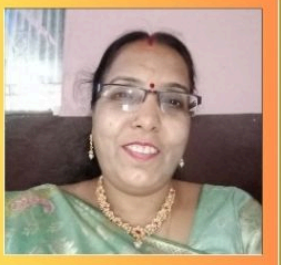
Shalini Pathak



Sharda Pareek



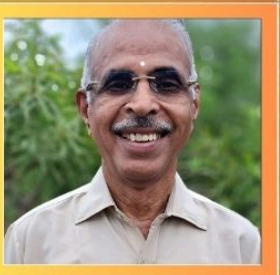
Sharvari Krishna Parab



Shashi Gupta



Shivarani Gudiyella



Shivkumar H N



Shobha Ram





Mamta Hitesh Masrani



Mamta Santosh Kashyape



Mangala Sudhir Bhangale



Manjusha Yashwant Shiledar



Meera agarwal



Mehul M Anjaria



Minal Shah



Mrs Prajakta Pramod Ambekar



Mugdha Mayur Koulavkar



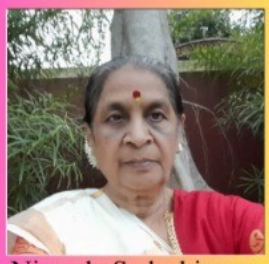
Namdev Hari Jadhav



Nikunj Amit Rathi



Niranjana Vinod Mehta



Nirmala Sadashivrao Upadhye



Nirupama Bhaskar Puthran



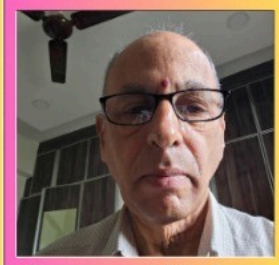
Padmaja Satish Bhandakkar



Pallavi bhatt



Pallavi Prashant Singh



Parvataneni Bhaskara Rao



Poonam Rupesh Sarda



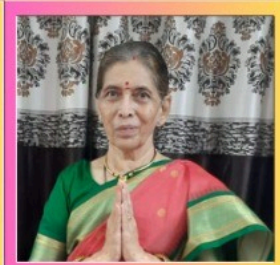
Poonam Sachin Mundada



Pradeep Agrawal



Priti Bharat Mistry



Puja Vijaykumar Raut



Radha Mahadev


Chinchole



Shobha Shantaram wani



Smritikana Banerjee



Rakesh Rani Kansal



Smt.Shyamlata Laddha



Srikanth Bn



Suchita Daulat Sawant



Sudha Rajani



SUDHARAMA



Sujata Mangesh Joshi



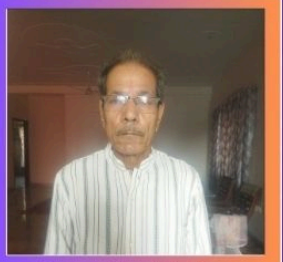
Sujata Sawant



Sunita Lalwani



Supriya Patki



Surendra Malik



Swati Kesarwani



Ujwala Girish Kulkarni



Ujwala Milind Narkhede



Usha Pradeep



USHA TARACHANDANI



Vandana Dilip Pawar



Vandana Jhawar Jajoo



Vandana Patil



Vasudha Gokhale



Vedprakash Goyal



Veligotla Meenakshi



Vijaya Kabra

गीता पढ़ें, पढ़ायें, जीवन में लायें

Vinaya Nagesh Prabhu



Vinod Kumar Agarwal



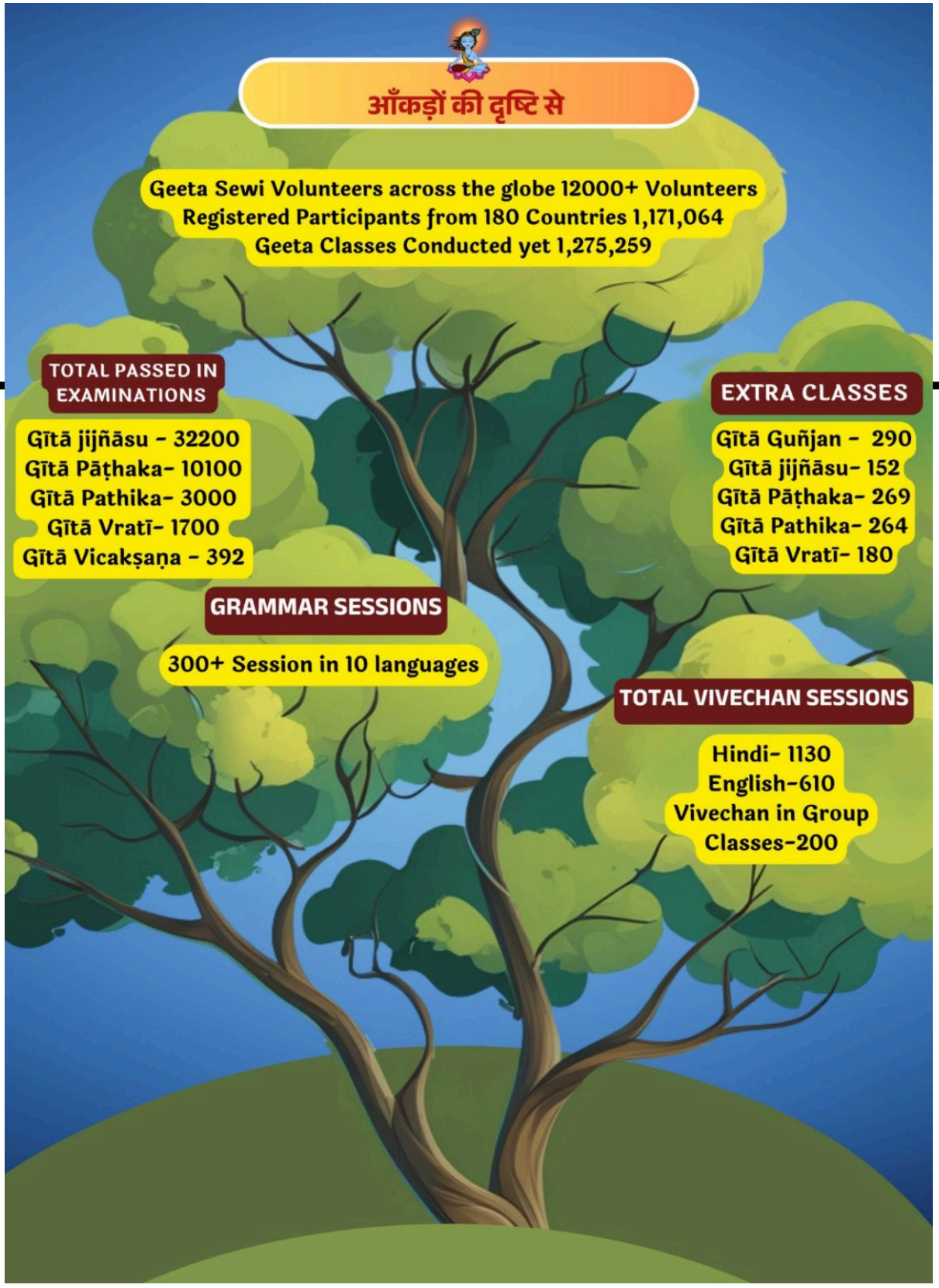
VIshakha Milind Joshi

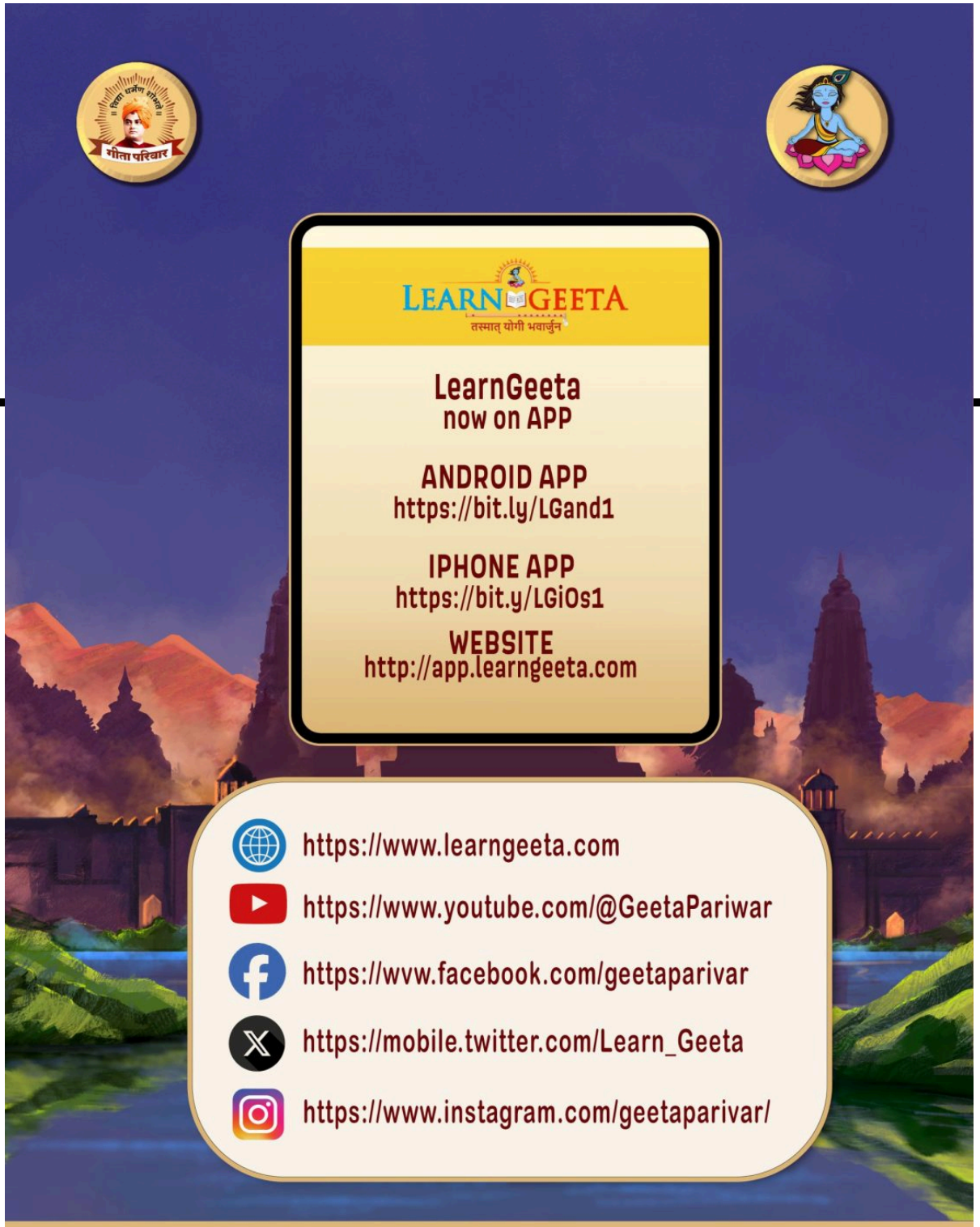


Vishnukanta Omprakash Baheti

गीता पढ़ें, पढ़ायें, जीवन में लायें

Vrushali parekh


आँकड़ों की दृष्टि से
Geeta Sewi Volunteers across the globe 12000+ Volunteers
Registered Participants from 180 Countries 1,171,064
Geeta Classes Conducted yet 1,275,259
TOTAL PASSED IN EXAMINATIONS
Gītā jijñāsu - 32200
Gītā Pāṭhaka- 10100
Gītā Pathika- 3000
Gītā Vratī- 1700
Gītā Vicakṣaṇa - 392
EXTRA CLASSES
Gītā Guñjan - 290
Gītā jijñāsu- 152
Gītā Pāṭhaka- 269
Gītā Pathika- 264
Gītā Vratī- 180
GRAMMAR SESSIONS
300+ Session in 10 languages
TOTAL VIVECHAN SESSIONS
Hindi- 1130
English-610
Vivechan in Group Classes-200



All rights reserved,
Geeta Pariwar, Sangamner
Maharashtra-433605

+91 2425 222299
+91 2425 225011

www.geetapariwar.org
learngeeta.com

1. पांडवों में सबसे बड़े कौन थे?

- युधिष्ठिर
- भीम
- अर्जुन
- नकुल

Check

Reuse Embed

Click on all places where Kumbh Mela is Held



REUSE <> EMBED



Find the words from the grid

L A K S H M A N A V A

T N Z D A S H A R A T

V H D M V D U M U O T

L G A J X U A U S I T

Z U G K Y G E N G O Y

Y R X A L T G A F H H

A T T K X X V H D V E

K A I K E Y I O B R C

J H L R L Z Y Q L B L

Q S A C A A W R A J L

Z S D F N K A L M Z D

A D R U K M Z S F Q C

Q H K V A L M I K I X

Find the words

Rama **Sita** **Lakshmana** **Hanuman** **Ravana** **Ayodhya** **Lanka**
Dasharatha **Kaikeyi** **Bharata** **Shatrughna** **Jatayu** **Kumbhakarna**

Time Spent : **0:00**

Check

Reuse Embed

Match the Deities with their weapons

Find the words from the grid

J A Y O D H Y A I P

I R A V A N A T A R

Y A U L A N K A B O

I R Y B X B S A T I

I F A Q E T K A I K

Z J T N A M U N A H

A Q A N R A K A H B

W M J L A K S H M A

U A T F R A M A J C

R C A N H G U R T A

C A H T A R A H S A

T S G T P R S H Z A

N I K I M L A V L H

Find the words

Rama **Sita** **Lakshmana** **Hanuman** **Ravana** **Ayodhya** **Lanka**
Dasharatha **Kaikeyi** **Bharata** **Shatrughna** **Jatayu** **Kumbhakarna**

Time Spent : **0:00**

Check

Reuse Embed

Find the words from the grid

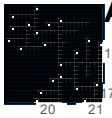
R	V	K	K	S	P	D	H	A	R	M
A	Z	H	R	T	B	H	A	K	T	I
R	K	A	O	I	G	U	N	A	L	F
T	M	Y	Y	S	S	D	A	K	J	C
E	X	A	K	O	L	H	S	U	A	S
H	W	Y	B	B	G	B	N	O	B	V
S	D	H	A	M	R	A	K	A	L	X
K	S	D	M	O	K	S	H	A	T	F
U	S	A	G	E	S	A	M	S	A	F
R	V	E	D	A	N	T	A	M	P	T
U	C	Y	B	V	A	A	M	H	A	F
K	V	I	S	H	W	A	R	U	P	A

Time Spent : **0:00**

Check

Reuse <> Embed

Test your knowledge of the Bhagavad Gita with this engaging crossword



Across

2 Name of the Bhagvan himself. *(7)*

_ _ _ _ _ _ _

5 The battlefield where the Gita was spoken *(11)*

_ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _

6 The cycle of birth and death *(7)*

_ _ _ _ _ _ _

7 Guru of both Pandavas and Kauravas *(11)*

_ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _

8 A verse in Sanskrit scripture *(6)*

_ _ _ _ _ _

10 Liberation from the cycle of rebirth *(6)*

_ _ _ _ _ _

12 Devotion to the Divine *(6)*

_ _ _ _ _ _

14 Warrior cursed to roam the Earth forever *(11)*

_ _ _ _ _ _ _ _ _ _ _

Check | Show solution | Retry

अध्यक्ष

प.पू. स्वामी श्री गोविन्ददेव गिरिजी महाराज

राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष

डॉ. संजय जी मालपाणी, संगमनेर

अन्तर्राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष

डॉ. आशू जी गोयल, लखनऊ

उपाध्यक्ष

श्री हरिनारायण व्यास, हैदराबाद

कोषाध्यक्ष

श्री सिद्धार्थ हवेलिया

गीता मैत्री

A Learngeeta Six Monthly Newsletter

मुख्य सम्पादक

डॉ. आशू जी गोयल

सह सम्पादक

सुश्री कविता वर्मा

ई-बुक डिज़ाइनर

श्री सुनील कापड़ी, मुंबई

मुख पृष्ठ

सुश्री कश्मीरा, ठाणे

लेखक एवं संयोजक

श्री सुनील जी कापड़ी, मुंबई
श्रीमती विभा देशमुख, नागपुर
श्रीमती पूजा शर्मा, महेसाना
श्रीमती मीनू झंवर, भीलवाड़ा
श्री गीत गोविन्द साहू, जगदलपुर



श्रद्धांजलि



श्री विमल कुमार नाथमल जी गोयनका
12/09/1958 - 03/05/2024
आयु - 65
अकोला
सेवा - प्रचार विभाग प्रमुख, प्रचार सेवा सामग्री वितरण प्रमुख



श्री बिमल जी जैन
14/04/1954 - 25/05/2024
आयु - 70
कलकत्ता
सेवा - रचनात्मक लेखन विभाग



श्री सत्यनारायण जी पालीवाल
01/01/1960-14/03/2024
आयु - 64
कोटा
सेवा - एडमिशन एवं एग्जामिनेशन विभाग



श्रीमती सावित्री जी कुलकर्णी
01/06/1972 - 23/12/2024
आयु - 52
हैदराबाद
सेवा - प्रशिक्षक, तकनिकी सहायक एवं कॉलिंग टीम की सक्रीय सेवी

श्रद्धांजलि



श्रीमती पूर्णिमा रजनी जी
15/05/1969-11/09/2024
आयु - 55
हैदराबाद
सेवा - समूह संचालक,
तकनीकी सहायक



श्री विनय प्रभुलाल भाई जी राठौड़
19/1/1970 - 6/12/2024
आयु - 54
छत्तीसगढ़
लर्नगीता साधक



श्री राकेश धीमान जी
02/10/1977-29/10/2024
आयु - 47
पानीपत
सेवा - समूह संचालक,
तकनीकी सहायक